News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

मुक्त चिन्तन

04 सितम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं – सीमा सत्यकाम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार दिनांक 04 सितम्बर, 2024 को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ–साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों,सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी–लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

05 सितम्बर, 2024

शिक्षक दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में देखा गया राज्यपाल का साक्षात्कार युक्त संदेश

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौ[illegible]

[illegible] जिसे सभी शिक्षकों ने देखकर उनके संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

05 सितम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने शिक्षकों को किया सम्मानित

किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी ने की, मुख्य अतिथि के रूप में प्रो0 पीयूष रंजन अग्रवाल, पूर्व कुलपति, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय जी रहे। समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का शिक्षक दिवस पर साक्षात्कार युक्त संदेश प्रसारित किया गया। जिसे सभी शिक्षकों ने देखकर उनके संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर सरस्वती प्रतिमा एवं सर्वपल्ली राधाकृष्णन पर माल्यापर्ण करके किया गया। वाचिक स्वागत एवं परिचय प्रो0 जय प्रकाश द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवेश रजंन त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर सभी शिक्षको को माननीया कुलपति जी ने सम्मानित किया। डॉ0 अमरेन्द्र यादव द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी एवं कौमुदी शुक्ला कृत संपादित पुस्तक लीला पुरुषोत्तम श्री कृष्ण का लोकार्पण किया गया।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

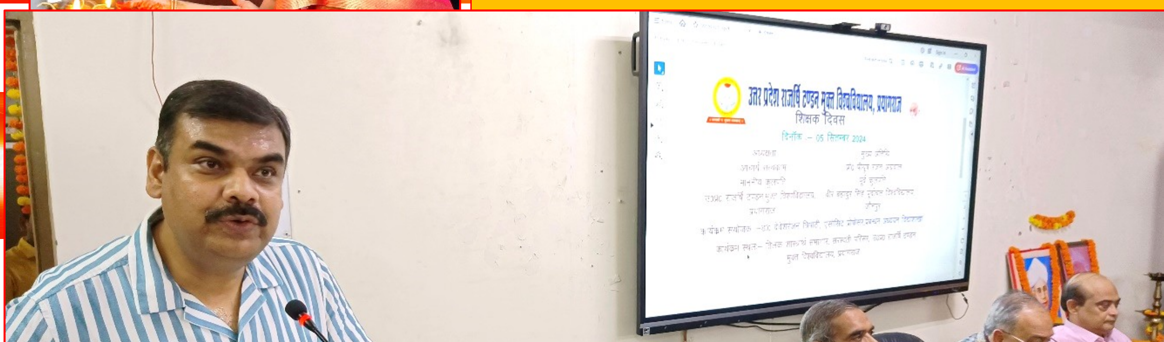

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी

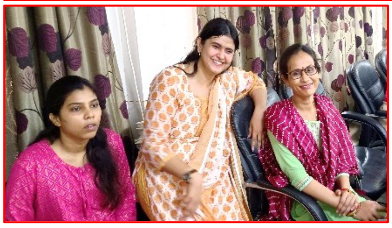

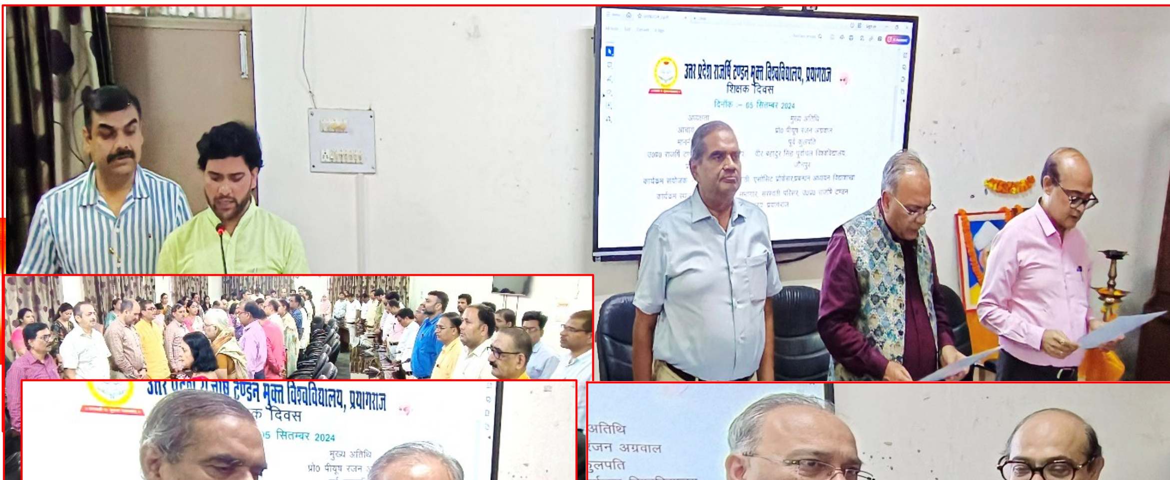

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

शिक्षक दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में देखा गया राज्यपाल का साक्षात्कार युक्त संदेश

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश की माननीया श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का शिक्षक दिवस पर साक्षात्कार युक्त संदेश प्रसारित किया गया। जिसे सभी शिक्षकों ने देखकर उनके संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

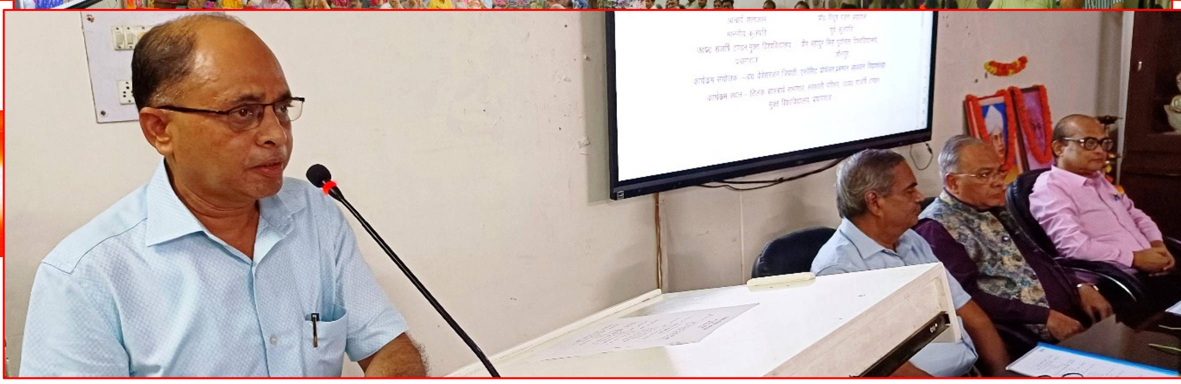

वाचिक स्वागत एवं अतिथि परिचय देते हुए प्रभारी प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा प्रो0 जे0 पी0 यादव

इस अवसर पर प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसर जे पी यादव, डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी, डॉ स्मिता अग्रवाल, डॉ सोहनी देवी एवं डॉ जूमी सिंह ने शिक्षक दिवस के महत्व को रेखांकित किया।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर पी के पांडेय, निदेशक, शोध एवं विकास ने वर्तमान समय की मांग के अनुरूप शिक्षकों को समाजोपयोगी शोध कार्यों को करने और शिक्षार्थियों को शोध के दौरान निरंतर जागरुक करते रहने के विभिन्न विधियों को समझाया, जिससे अधिक से अधिक गुणवत्ता परक शोध पत्रों का प्रकाशन संभव हो सके और शोध कार्यों को भी समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जा सके।

छात्रों के प्रति सकारात्मक व्यवहार रखें शिक्षक - प्रोफेसर अग्रवाल

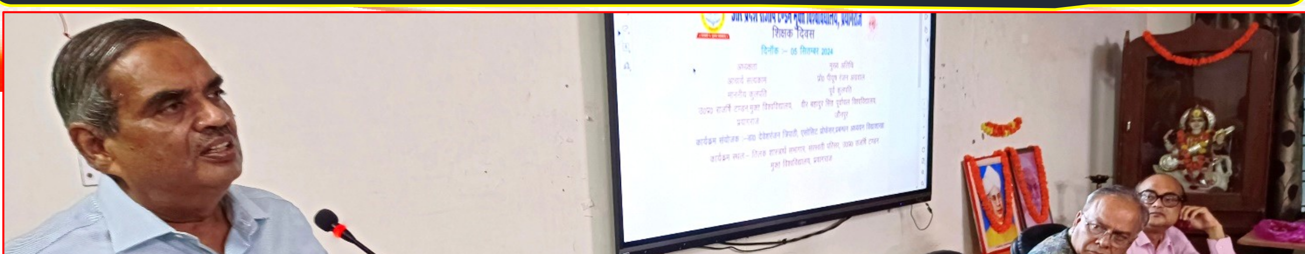

समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर पियूष रंजन अग्रवाल, पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर ने इस अवसर पर कहा कि सभी शिक्षकों को छात्रों के प्रति अपने व्यवहार और विचार को सदैव सकारात्मक रखते हुए निरंतर उनको आने वाली समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु अपने को समर्पित रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के लिए छात्र बहुत महत्वपूर्ण हैं। छात्र विश्वविद्यालय की गतिविधियों के केंद्र बिंदु हैं । छात्र ही मुक्त विश्वविद्यालय की ब्रांडिंग करते हैं और जन जन तक इस विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित कार्यक्रमों का प्रचार प्रसार करते हैं। अतः शिक्षकों को अपने छात्रों का विशेष ध्यान रखना चाहिए और उन्हें उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए।

शिक्षक छात्रों का हर तरह से उचित मार्गदर्शन करें–प्रोफेसर सत्यकाम

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि सभी शिक्षकों को वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप अपने को निरंतर अपडेट करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति में स्व अध्ययन सामग्री ही शिक्षक का कार्य करती है। अतः विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा समयबद्धता के साथ

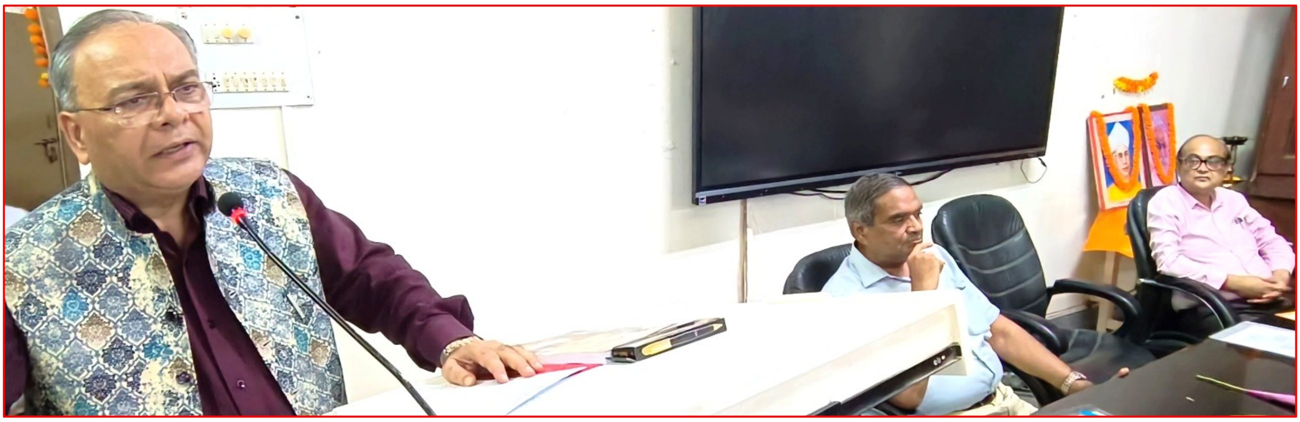

प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी शिक्षकों का आह्वान किया कि वह छात्रों का हर तरह से उचित मार्गदर्शन करें जिससे कोई छात्र निराश होकर वापस न जाने पाए। उन्होंने सभी को श्रेष्ठ शिक्षक बनने हेतु अपनी शुभकामनाएं दी। कुलपति ने सभी शिक्षकों को सम्मान स्वरूप शाल एवं लेखनी भेंट की।

माननीय अतिथियों
को
अंगवस्त्र
एवं
स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका
सम्मान करते हुए विश्वविद्य
ालय परिवार
के सदस्यगण

डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी
एवं
कौमुदी शुक्ला
कृत संपादित पुस्तक
लीला पुरुषोत्तम श्री कृष्ण
का
लोकार्पण करते हुए
अतिथिगण

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ0 अमरेन्द्र यादव

शिक्षक दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आशुतोष गुप्ता एवं विद्याशाखा के सदस्यगण

शिक्षक दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 सन्तोषा कुमार एवं विद्याशाखा के सदस्यगण

शिक्षक दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी प्रो0 मीरा पाल एवं विद्याशाखा के सदस्यगण

शिक्षक दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं प्रभारी प्रवेश प्रो0 जे0पी0 यादव

शिक्षक दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को पेन भेंट करती हुई शोध छात्रा रेनु गुप्ता एवं साथ में मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 सत्यपाल तिवारी, प्रो0 रुचि बाजपेयी एवं डॉ0 सतीष चन्द्र जैसल

शिक्षक दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 सत्यपाल तिवारी एवं विद्याशाखा के सदस्यगण

शिक्षक दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 गिरीष कुमार द्विवेदी

through skill training - Seema Satyakam

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: The Centre for Women's Studies and Extended Activities of the Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, Uttar Pradesh, organised a literacy awareness programme on the eve of Teachers' Day under the Beti Bachao Beti Padhao programme at the Mohanganj Fulwaria Anganwadi Centre in Gohari village, adopted by the Science Vidya branch, on Wednesday.

The chief guest of the awareness program, Mrs. Seema Satyakam said that women can develop their families by taking benefit from skill-related education and training programs. She said that if women are educated and trained, then their families and the women of the surrounding villages will also benefit from it. This will lead

powered. She motivated the rural women to advance the education of their daughters. Mrs. Seema Satyakam discussed with Anganwadi center workers Priyanka Pandey, Sunita Devi and assistants Rajkumari, Shanti Devi as well as women from the rural area about their education and skills and other topics.

Professor Shruti, in-charge of Women's Studies and Extended Activities

ries, pens etc. to Anganwadi workers, assistants and the women and children present there. Professor Shruti made the rural women aware of the importance of education. She said that the role of an educated woman helps in making the society strong and developed.

Assistant in-charge of the centre and main speaker of the programme Dr Trivikram Tiwari motivated

about the Beti Bachao Beti Padhao programme being run by the government. He said that an educated woman can herself pay attention to the education of her children. Literacy of women and daughters helps in the progress of the coming generations. Society and nation will also progress if they become literate. Assistant in-charge of the centre Dr Sadhana Srivastava gave the vote of thanks. On this occasion Professor Shruti, Dr Anandanand Tripathi, Dr Sadhana Srivastava, Dr Trivikram Tiwari, Rajesh Gautam, Dr Anil Kumar Yadav, Dr Dharamvir Singh, Dr Deepa Chaubey, Dr Deep Mala Gupta and teachers of Gohari Primary School and

आत्मसात करने का लिया संकल्प

प्रयागराज (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का शिक्षक दिवस पर साक्षात्कार युक्त संदेश प्रसारित किया गया। सभी शिक्षकों ने राज्यपाल के संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

■ छात्रों के प्रति अपने व्यवहार सकारात्मक रखें शिक्षकः प्रो. पीयूष

समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. पियूष रंजन अग्रवाल, पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि ने कहा कि सभी शिक्षकों को छात्रों के प्रति अपने व्यवहार और विचार को सदैव सकारात्मक रखते हुए आने वाली समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु अपने को समर्पित रखना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति में स्व अध्ययन

साथ तैयार की गई उच्च कोटि की स्व अध्ययन सामग्री छात्रों का उचित मार्गदर्शन करेगी। इस अवसर पर प्रो. पी के पांडेय, प्रो. छत्रसाल सिंह, प्रो. जे पी यादव, डा. गिरीश कुमार द्विवेदी, डा. स्मिता अग्रवाल, डा. सोहनी देवी एवं डा.जूमी सिंह ने शिक्षक दिवस के महत्व को रेखांकित किया। संयोजक डा. देवेश रंजन त्रिपाठी ने संचालन तथा डा. अमरेंद्र यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर अतिथियों द्वारा डा. गिरीश कुमार द्विवेदी

रखें शिक्षक- प्रोफेसर अग्रवाल

शिक्षक दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में देखा गया राज्यपाल का साक्षात्कार युक्त संदेश

● वर्ष : 17
● अंक : 211
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● शनिवार, 07 सितंबर 2024
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

छात्रों के प्रति सकारात्मक व्यवहार रखें शिक्षक: प्रो. अग्रवाल

- दूरस्थ शिक्षा पद्धति में स्व अध्ययन सामग्री ही शिक्षक का कार्य करती है: प्रो. सत्यकाम
- मुक्त विश्वविद्यालय में देखा गया राज्यपाल का साक्षात्कार युक्त संदेश
- कौमुदी शुक्ला कृत संपादित पुस्तक लीला पुरुषोत्तम श्री कृष्ण का किया गया लोकार्पण

(एल के अहेरवार)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का शिक्षक दिवस पर साक्षात्कार युक्त संदेश प्रसारित किया गया। जिसे सभी शिक्षकों ने देखकर उनके संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो पियूष रंजन अग्रवाल, पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर ने इस अवसर पर कहा कि सभी शिक्षकों को छात्रों के प्रति अपने व्यवहार और विचार को सदैव सकारात्मक रखते हुए निरंतर उनको आने वाली समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु अपने को समर्पित रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के लिए छात्र बहुत महत्वपूर्ण हैं। छात्र विश्वविद्यालय की गतिविधियों के केंद्र बिंदु हैं । छात्र ही मुक्त विश्वविद्यालय की ब्रांडिंग करते हैं और जन जन तक इस विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित कार्यक्रमों का प्रचार प्रसार करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अपने छात्रों का विशेष ध्यान रखना चाहिए और उन्हें उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए।समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि सभी शिक्षकों को वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप अपने को निरंतर अपडेट करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति में स्व अध्ययन सामग्री ही शिक्षक का कार्य करती है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा समयबद्धता के साथ तैयार की गई उच्च कोटि की स्व अध्ययन सामग्री छात्रों का उचित मार्गदर्शन करेगी। उन्होंने सभी शिक्षकों का आह्वान किया कि वह छात्रों का हर तरह से उचित मार्गदर्शन करें जिससे कोई छात्र निराश होकर वापस न जाने पाए। उन्होंने सभी को श्रेष्ठ शिक्षक बनने हेतु अपनी शुभकामनाएं दी।कुलपति ने सभी शिक्षकों को सम्मान स्वरूप शाल एवं लेखनी भेंट की। विशिष्ट अतिथि प्रो. पीके पांडेय निदेशक, शोध एवं विकास ने वर्तमान समय की मांग के अनुरूप शिक्षकों को समाजोपयोगी शोध कार्यों को करने और शिक्षार्थियों को शोध के दौरान निरंतर जागरूक करते रहने के विभिन्न विधियों को समझाया, जिससे अधिक से अधिक गुणवत्ता परक शोध पत्रों का प्रकाशन संभव हो सके और शोध कार्यों को भी समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जा सके। इस अवसर पर प्रो. छत्रसाल सिंह, प्रो. जेपी यादव, डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी, डॉ स्मिता अग्रवाल, डॉ सोहनी देवी एवं डॉ जूमी सिंह ने शिक्षक दिवस के महत्व को रेखांकित किया।कार्यक्रम का संचालन तथा अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर देवेश रंजन त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर अमरेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी एवं कौमुदी शुक्ला कृत संपादित पुस्तक लीला पुरुषोत्तम श्री कृष्ण का लोकार्पण किया गया।

वर्ष : 30 | अंक :306
प्रतापगढ़ | शनिवार , 7 सितम्बर-2024
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग

संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

छात्रों के प्रति सकारात्मक व्यवहार रखें शिक्षक- प्रो अग्रवाल

शिक्षक दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में देखा गया राज्यपाल का साक्षात्कार युक्त संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का शिक्षक दिवस पर साक्षात्कार युक्त संदेश प्रसारित किया गया। जिसे सभी शिक्षकों ने देखकर उनके संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर पियूष रंजन अग्रवाल, पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर ने इस अवसर पर कहा कि सभी शिक्षकों को छात्रों के प्रति अपने व्यवहार और विचार को सदैव सकारात्मक रखते हुए निरंतर उनको आने वाली समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु अपने को समर्पित रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के लिए छात्र बहुत महत्वपूर्ण हैं। छात्र विश्वविद्यालय की गतिविधियों के केंद्र बिंदु हैं। छात्र ही मुक्त विश्वविद्यालय की ब्रांडिंग करते हैं और जन जन तक इस विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित कार्यक्रमों का प्रचार प्रसार करते हैं। अतः शिक्षकों को अपने छात्रों का विशेष ध्यान रखना चाहिए और उन्हें उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए।समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि सभी शिक्षकों को वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप अपने को निरंतर अपडेट करते रहना चाहिए। उन्होंने सभी शिक्षकों का आह्वान किया कि वह छात्रों का हर तरह से उचित मार्गदर्शन करें जिससे कोई छात्र निराश होकर वापस न जाने पाए। उन्होंने सभी को श्रेष्ठ शिक्षक बनने हेतु अपनी शुभकामनाएं दी। कुलपति ने सभी शिक्षकों को सम्मान स्वरूप शाल एवं लेखनी भेंट की।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर पी के पांडेय, निदेशक, शोध एवं विकास ने वर्तमान समय की मांग के अनुरूप शिक्षकों को समाजोपयोगी शोध कार्यों को करने और शिक्षार्थियों को शोध के दौरान निरंतर जागरुक करते रहने के विभिन्न विधियों को समझाया।

इस अवसर पर प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसर जे पी यादव, डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी, डॉ स्मिता अग्रवाल, डॉ सोहनी देवी एवं डॉ जूमी सिंह ने शिक्षक दिवस के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का संचालन तथा अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर देवेश रंजन त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर अमरेंद्र यादव ने किया।

इस अवसर पर अतिथियों द्वारा डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी एवं कौमुदी शुक्ला कृत संपादित पुस्तक लीला पुरुषोत्तम श्री कृष्ण का लोकार्पण किया गया।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र RNI No.-UPHIN/2020/82181 www.harbaatnews.com

हरबात

प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 04 अंक : 277 प्रयागराज, शनिवार, 07 सितम्बर, 2024, पृष्ठ : 4

छात्रों के प्रति सकारात्मक व्यवहार रखें शिक्षक-प्रो. अग्रवाल

शिक्षक दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में देखा गया राज्यपाल का साक्षात्कार युक्त संदेश

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का शिक्षक दिवस पर साक्षात्कार युक्त संदेश प्रसारित किया गया। जिसे सभी शिक्षकों ने देखकर उनके संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर पियूष रंजन अग्रवाल, पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर ने इस अवसर पर कहा कि सभी शिक्षकों को छात्रों के प्रति अपने व्यवहार और विचार को सदैव सकारात्मक रखते हुए निरंतर उनको आने वाली समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु अपने को समर्पित रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के लिए छात्र बहुत महत्वपूर्ण हैं। छात्र विश्वविद्यालय की गतिविधियों के केंद्र बिंदु हैं । छात्र ही मुक्त विश्वविद्यालय की ब्रांडिंग करते हैं और जन जन तक इस विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित कार्यक्रमों का प्रचार प्रसार करते हैं। अतः शिक्षकों को अपने छात्रों का विशेष ध्यान रखना चाहिए और उन्हें उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए।समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि सभी शिक्षकों को वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप अपने को निरंतर अपडेट करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति में स्व अध्ययन सामग्री ही शिक्षक का कार्य करती है। अतः विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा समयबद्धता के साथ तैयार की गई उच्च कोटि की स्व अध्ययन सामग्री छात्रों का उचित मार्गदर्शन करेगी। उन्होंने सभी शिक्षकों का आह्वान किया कि वह छात्रों का हर तरह से उचित मार्गदर्शन करें जिससे कोई छात्र निराश होकर वापस न जाने पाए। उन्होंने सभी को श्रेष्ठ शिक्षक बनने हेतु अपनी शुभकामनाएं दी।कुलपति ने सभी शिक्षकों को सम्मान स्वरूप शाल एवं लेखनी भेंट की।विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर पी के पांडेय, निदेशक, शोध एवं विकास ने वर्तमान समय की मांग के अनुरूप शिक्षकों को समाजोपयोगी शोध कार्यों को करने और शिक्षार्थियों को शोध के दौरान निरंतर जागरुक करते रहने के विभिन्न विधियों को समझाया, जिससे अधिक से अधिक गुणवत्ता परक शोध पत्रों का प्रकाशन संभव हो सके और शोध कार्यों को भी समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जा सके।इस अवसर पर प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसर जे पी यादव, डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी, डॉ स्मिता अग्रवाल, डॉ सोहनी देवी एवं डॉ जूमी सिंह ने शिक्षक दिवस के महत्व को रेखांकित किया।कार्यक्रम का संचालन तथा अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर देवेश रंजन त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर अमरेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी एवं कौमुदी शुक्ला कृत संपादित पुस्तक लीला पुरुषोत्तम श्री कृष्ण का लोकार्पण किया गया।

Daily News

VOL. 02
NO. 360
MORNING EDITION
PRAYAGRAJ

SANYAM BHARAT

SATURDAY, 07 SEPTEMBER 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00

Padhiye Dil Aur Shan Se....

EDIT PRAYAGRAJ NATION

Teachers should have positive behavior towards students: Professor Aggarwal

Message containing Governor's interview seen in Open University on Teacher's Day

SANYAM BHARAT CORRESPONDENT

Prayagraj: Uttar Pradesh Teacher's Day celebration was organized at Rajarshi Tandon Open University Prayagraj. During the function, a message containing the interview of Uttar Pradesh Governor Smt. Anandiben Patel on Teacher's Day was broadcast. Seeing which all the teachers resolved to imbibe his messages. Chief guest of the function, Professor Piyush Ranjan Aggarwal, former Vice Chancellor, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur, said on this occasion that all the teachers should always improve their behavior and thoughts towards the students. Keeping positive, they should continuously dedicate themselves to quickly solve the problems that arise. He said that students are very important for the Open University. Students are the focal point of the university's activities. It is the students who brand the Open University and promote the programs run by this University to the public. Therefore, teachers should take special care of their students and provide them high quality teaching training. Presiding over the function, Vice Chancellor Professor Satyakam said that all teachers should keep updating themselves according to the current scenario. He said that in distance education system, self-study material acts as a teacher. Therefore, high quality self-study material prepared by the teachers of the university in a timely manner will provide proper guidance to the students. He called upon all the teachers to provide proper guidance to the students in every way so that no student goes back disappointed.

He extended his best wishes to everyone to become the best teachers. The Vice Chancellor presented a shawl and a pen to all the teachers as a mark of respect. Special guest Professor PK Pandey, Director, Research and Development, encouraged the teachers to do socially useful research work as per the demand of the present times. And explained various methods of continuously making the students aware during research, so that publication of maximum quality research papers can be possible and research work can also be completed in a timely manner. On this occasion, Professor Chhatrasal Singh, Professor JP Yadav, Dr. Girish Kumar Dwivedi, Dr. Smita Aggarwal, Dr. Sohni Devi and Dr. Jumi Singh underlined the importance of Teacher's Day. The program was conducted and the guests were welcomed by program coordinator Dr. Devesh Ranjan Tripathi and the vote of thanks was given by Dr. Amarendra Yadav. Did. On this occasion, the book Leela Purushottam Shri Krishna edited by Dr. Girish Kumar Dwivedi and Kaumudi Shukla was released by the guests.

09 सितम्बर, 2023

19वां nh{kkUr lekjksg & izsl okrkZ

PRESS

CONFERENCE

PROF. SATYAKAM
Vice-Chancellor

U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

मुविवि के दीक्षान्त समारोह में आजमगढ़ की आरती यादव को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक
11 सितम्बर को बटेंगे 26 स्वर्ण पदक
31 हजार से अधिक छात्रों को मिलेगी उपाधि

उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 19वां दीक्षान्त समारोह आगामी 11 सितम्बर, 2024 को पूर्वान्ह 10:30 बजे सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीया श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। मुख्य अतिथि प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया, दीक्षान्त भाषण देंगे। माननीय श्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री तथा माननीया श्रीमती रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार विशिष्ट अतिथि के रूप में दीक्षान्त समारोह में शामिल होंगे।

19वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 26 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगें, जिनमें 16 स्वर्ण पदक छात्राओं तथा 10 स्वर्ण पदक छात्रों की झोली में जायेंगे। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर, 2023 तथा जून, 2024 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण 31940 शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिसमें 19096 पुरूष तथा 12844 महिला शिक्षार्थी हैं। यह जानकारी कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में दीक्षान्त समारोह के आयोजन के लिये सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने के लिये लगभग 3000 शिक्षार्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है, जिन्हें दीक्षान्त समारोह में उपाधियां प्रदान की जायेंगी। दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया जायेगा।

izsl okrkZ djrh gqbZ ekuuh; dqyifr

प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि 19वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ की छात्रा आरती यादव को दिया जायेगा। आरती ने बी.एस.सी. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वश्रेष्ठ रहीं। प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 07 टापर्स को दिए जा रहे हैं। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आगरा से सम्बद्ध एम.ए. (अर्थशास्त्र) के छात्र यश यादव को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र से सम्बद्ध एम.ए. (समाज कार्य) के छात्र तौफीक खान को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, गोरखपुर से सम्बद्ध एम.काम. की छात्रा प्रिया शर्मा को, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध एम.सी.ए. के छात्र अनित सिंह मलिक को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आगरा से सम्बद्ध एम.ए. (शिक्षाशास्त्र) के छात्र जानकी प्रसाद को, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक भी क्षेत्रीय केंद्र, आगरा से सम्बद्ध एम.एस.सी. (जैव रसायन) के छात्र पवन कुमार को, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध एम.ए. (गृह विज्ञान) की छात्रा विनीता सिंह को दिया जायेगा।

प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि स्नातक वर्ग में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक भी इस बार विद्याशाखाओं के 07 टापर्स को दिये जायेंगे। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0ए0) के छात्र जावेद अख्तर को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0ए0) की छात्रा सबरीन खातून को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0कॉम0) की छात्रा साक्षी मौर्या को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0सी0ए0) की छात्रा कविता देवी को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक (बी0एड0) की छात्रा ज्योति कुशवाहा को, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0एस0सी0) की छात्रा आरती यादव को, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, मेरठ से सम्बद्ध स्नातक (बी.एस.सी. ह्यूमन न्यूट्रिशन) की छात्रा तान्या त्यागी को प्रदान किया जायेगा।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि इस बार 11 मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जायेगा। जिनमें बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध बी0एड0 की छात्रा ज्योति कुशवाहा को, जोहरा अहमद मिर्जा स्मृति स्वर्ण पदक प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध एम.सी.ए. की छात्रा तनु प्रिया को, श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज से सम्बद्ध एम.बी.ए. की छात्रा रमनीत कौर को, स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातक वर्ग में क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0ए0) की छात्रा सबरीन खातून को, अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातकोत्तर वर्ग में क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज़ से सम्बद्ध एम.ए. (समाज कार्य) के छात्र तौफीक खान को, प्रो. एम. पी. दुबे पर्यावरण/गांधी चिन्तन एवं शान्ति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, गोरखपुर से सम्बद्ध बी.ए. के छात्र तुषार मणि त्रिपाठी को, प्रो. एम. पी. दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आगरा से सम्बद्ध एम.एस.सी. (जैव रसायन) के छात्र गौरव कुमार को, महान राष्ट्रकवि श्रद्धेय पं. सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज से सम्बद्ध एम.ए. हिंदी के छात्र गौरव मौर्या को, स्वर्गीय प्रो. सुशील प्रकाश गुप्ता स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध बी. एड. की छात्रा ज्योति कुशवाहा को, श्रीमती शिवपति द्विवेदी स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध एम.ए. (गृह विज्ञान) की छात्रा विनीता सिंह को तथा संतोष कुमार दीक्षित स्मृति स्वर्ण पदक महिला वर्ग में भी क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी.एस.सी.) की छात्रा आरती यादव को दिया जाएगा।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि इस बार राज्यपाल के निर्देश पर दीक्षान्त समारोह के पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण आहार एवं कार्यकत्रियों की उपस्थिति मानदंड आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इसी तरह गोद लिए गांव के प्राथमिक/जूनियर विद्यालयों तथा माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में भाषण, चित्रकला एवं कहानी कथन प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांवों में प्रतिभागियों ने प्रतियोगिताओं में काफी रुचि दिखाई। प्रतियोगिता के विजेताओं को दीक्षान्त समारोह के अवसर पर कुलाधिपति माननीया श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रेस वार्ता में प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि दीक्षान्त समारोह के अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्रों को विश्वविद्यालय की तरफ से कुलाधिपति श्रीमती पटेल के द्वारा किट भेंट किया जाएगा।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय ऑनलाइन शिक्षा की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल विश्वविद्यालय के मोबाइल ऐप का शुभारंभ करेंगी तथा गंगा परिसर में नवनिर्मित बैंक के भवन का लोकार्पण करेंगी। कुलाधिपति श्रीमती पटेल द्वारा उपाधियों को डिजीलॉकर में भी समावेशित किया जायेगा।

दीक्षान्त समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विश्वविद्यालय में उत्सव का माहौल है। जिला प्रशासन के सहयोग से परिसर के आसपास साफ सफाई एवं पार्किंग तथा सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

प्रेस वार्ता में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद्र जैसल, डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

10 सितम्बर, 2024

मुक्त चिन्तन

विद्या परिषद् की 81वीं बैठक आयोजित

ekuuh; dqyifr izks0 lR;dke

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 81वीं बैठक दिनांक 10 सितम्बर, 2024 को अपराह्न 02:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो0 सत्यकाम जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

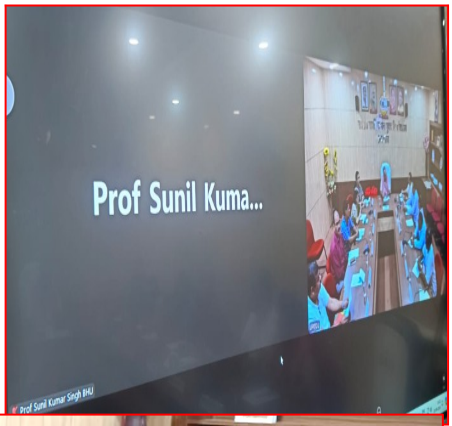

सर्वप्रथम बैठक प्रारंभ होने से पूर्व कुलसचिव ने माननीय कुलपति जी से सभी सम्मानित सदस्यों का परिचय कराया। तत्पश्चात माननीय कुलपति जी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया । इसके उपरांत माननीय कुलपति जी की आज्ञा से कुलसचिव ने बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की।

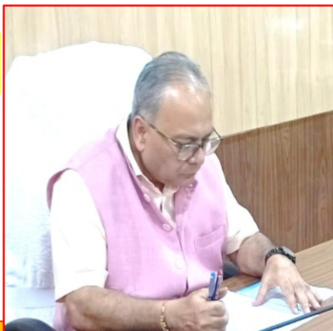

fo|k ifj"kn ds eSBd dh v/;{krk dj jgs ekuuh; dqyifr izks0 lR;dke th ls eSBd izkjEHk djus dh vuqefr izkIr djrs gq, dqylfpo Jh fou; dqekj rFkk iih{kk ds lEcU/k esa crkrs gq, iih{kk fu;a=kd Jh Mh-ih- flag .oa eSBd

बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति जी एवं eSBd esa mifLFkr ek0 lnL;x.kA

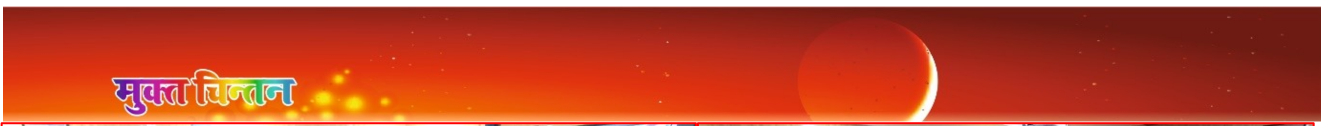

fo|k ifj"kn ds cSBd dh v/;{krk djrs gq, ekuuh; dqyifr izks0 lR;dke th ,oa cSBd

बैठक में प्रो0 हरीशंकर सिंह, आचार्य एवं संकायाध्यक्ष, शिक्षा विद्याशाखा, शिक्षा शास्त्र विभाग, बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 अनुराधा अग्रवाल विभागाध्यक्ष, राजनीति विभाग, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागरा, प्रो0 सुनील कुमार सिंह, आचार्य शिक्षा शास्त्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रयागराज, प्रो. राजशरण शाही, शिक्षा शास्त्र विभाग, बाबासाहकब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रशान्त कुमार स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 विनोद कुमार गुप्ता, आचार्य (संस्कृत), मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 छत्रसाल सिंह, आचार्य (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रवन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, (मानविकी विद्याशाखा) उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी, सहायक निदेक/असिस्टेण्ट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री श्री डी0 पी0 सिंह, परीक्षा नियंत्रक, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्रीमती पूनम मिश्रा, वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं श्री विनय कुमार, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज आनलाइन/आफ लाइन उपस्थित रहे।

दिनांक 10 सितम्बर, 2024

मुक्त चिन्तन

कार्य परिषद् की 137वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की 136 वीं बैठक दिनांक 10 सितम्बर, 2024 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

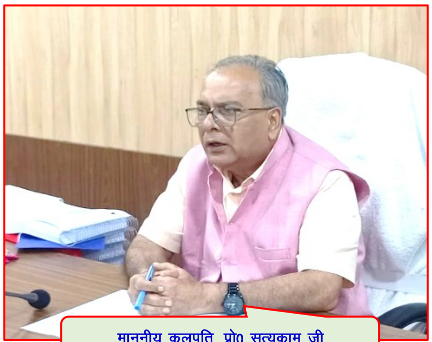

माननीय कुलपति, प्रो0 सत्यकाम जी

dk;Z ifj"kn ds cSBd dh v/;{krk dj jgs ekuuh; dqyifr izksQlj lR;dke th ls cSBd izkjEHk djus dh vuqefr izkIr djrs gq, dqylfpo duZy fou; dqekj ,oa ijh{kk ds ckjs esa crkrs gq, ijh{kk fu;a=kd Jh

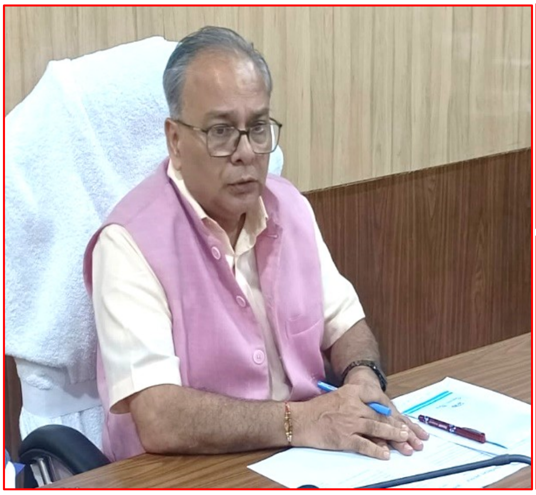

dk;Z ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrs gq, ekuuh; dqyifr izks0 lR;dkew

कार्य परिषद् की 137वीं बैठक

प्रो0 सत्यकाम जी
माननीय कुलपति,

बैठक में माननीय न्यायमूर्ति श्री मनोज कुमार गुप्ता, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद (प्रयागराज), प्रो0 अखिलेश कुमार सिंह, कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 निती अग्रवाल, प्रतिनिधि कुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, प्रो0 प्रशान्त कुमार स्टालिन निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 रूचि बाजपेई, आचार्य (हिन्दी), मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी, एसह आचार्य (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सुनील कुमार, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, (प्राचीन इतिहास), समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, सीका, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (विशेष आमंत्रित सदस्य), पूनम मिश्रा, वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (विशेष आमंत्रित सदस्य) एवं श्री विनय कुमार, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन) उपस्थित रहे।

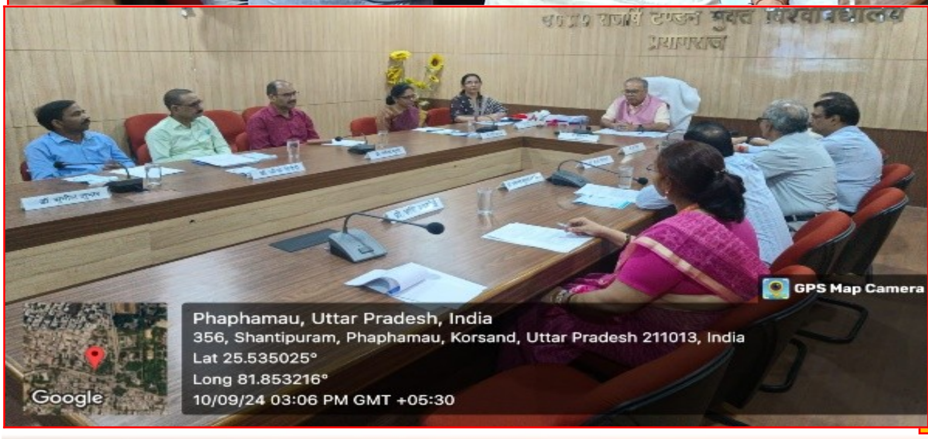

dk;Z ifj"kn
dh
cSBd
dh
v/;{krk djrs gq,
ekuuh; dqyifr
izks0 lR;dkew th
,oa
cSBd esa mifLFkr
ek0 lnL;x.kA

11 सितम्बर, 2024

मुक्त चिन्तन

शिक्षा को चारदीवारी से निकालकर आंगनबाड़ी तक पहुंचाएं – राज्यपाल

मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 26 मेधावियों को स्वर्ण पदक मिले

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 19वां दीक्षान्त समारोह बुधवार दिनांक 11 सितम्बर, 2024 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया तथा विशिष्ट अतिथि डॉ योगेंद्र कुमार उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं श्रीमती रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार रही। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने की। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अतिथियों का स्वागत किया तथा कुलपति प्रतिवेदन एवं प्रगति आख्या प्रस्तुत की।

मुक्त चिन्तन

ekuuh;k dqykf/kifr egksn;k ,oa dqyifr th ds lkFk xzqi QksVksxzkQh esa

nh{kkUr lekjksg dk lapkyu djrs gq,

'kksHkk ;k=kk dk lHkkxkj esa

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

oUnsekrje~

मुक्त चिन्तन

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
19 वाँ दीक्षान्त- समारोह
बुधवार, 11 सितम्बर- 2024

i;kZoj.k ij dkO; ikB djrh gqbZ Nk=k

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

कुलगीत प्रस्तुत करती हुए छात्रायें

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया तथा विशिष्ट अतिथि डॉ योगेंद्र कुमार उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं श्रीमती रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को प्रसून पंखुड़ियां भेट कर स्वागत करते हुए कुलपति प्रो0 सत्यकाम

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

दीक्षान्त समारोह के शुभारम्भ की घोषणा करती हुई माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

स्वागत एवं विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या

स्वागत भाषण एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

स्वागत भाषण एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि महोदया ! आज इस 19 वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर हमें गर्व का अनुभव हो रहा है कि आपकी सद्प्रेरणा एवं दिशानिर्देशों के फलस्वरूप हमारा विश्वविद्यालय अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता हुआ गतवर्ष अपना रजत–जयन्ती वर्ष मनाकर 26 वें वर्ष में गतिमान है। महोदया! आज इस दीक्षान्त समारोह के अवसर पर सत्रीय परीक्षा दिसम्बर–2023 एवं जून–2024 में सफल 31940 शिक्षार्थियों को उपाधियों एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए जा रहे है। इन सफल स्नातक एवं परास्नातक शिक्षार्थियों में प्रथम प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शिक्षार्थियों को कुल 26 स्वर्ण पदक आपके कर–कमलों से प्रदान किए जाएगें। श्रीमन इन 26 पदक प्राप्तकर्ताओं में 16 महिला तथा 10 पुरूष शिक्षार्थी हैं।

श्रीमन्! सादर अवगत कराना चाहता हूँ कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप अद्यतन कर कियान्वित कर दिया गया है। रोजगार एवं कौशल संवर्धन कार्यक्रमों को अद्यतन करते हुए कौशल प्रशिक्षण की दृष्टि से विभिन्न संस्थाओं एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों से MoU लगातार सम्पादित किए जा रहे है। राष्ट्रीय नीति के नामांकन लक्ष्य की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय निरन्तर प्रयत्नशील है और इसी क्रम में विश्वविद्यालय ने राज्य के असेवित क्षेत्रों और ग्रामीण महिलाओं तक पहॅुच सुनिश्चित की रणनीतियों पर कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है। इसी कम में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्रों के मध्य प्रतियोगितायें आयोजित की गयी हैं तथा इन्हीं गॉवों में स्थित विद्यालयों के बच्चों के मध्य भी विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित करायी गयी हैं। आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को आपके माध्यम से पुस्तकृत करने का भी प्रावधान किया गया है। ग्रामीण महिलाओं के कौशलों को पहिचानने एवं शिक्षा हेतु अभिप्रेरित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में स्थापित महिला अध्ययन केन्द्र के माध्यम से समय–समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर ग्रामीण क्षेत्रों एवं महिलाओं तक पहुंच सुनिश्चित के प्रयास भी किये जा रहे है।

महोदया ! आपको अवगत कराते हुए गौरव अनुभव कर रहा हूँ शिक्षार्थियों को प्रदान की जाने वाली स्वअध्ययन सामग्री (SLM) में विश्वविद्यालय ने आत्मनिर्भरता प्राप्त कर ली है तथा इन सभी पाठ्य सामग्री को प्रत्येक शिक्षार्थी डिजिटल रूप में विश्वविद्यालय की बेवसाइट से डाउनलोड कर सकेगें। इसी अनुक्रम में प्रवेश के समय डिजिटल (SLM) डाउनलोड कर उपयोग करने की सहमति देने वाले शिक्षार्थी को सम्बन्धित कार्यक्रम के शुल्क में 15% की छूट देने को भी प्रावधानित कर दिया है। प्रवेश से परीक्षा परिणाम तक की समस्त प्रक्रियाओं को ऑनलाइन करते हुए शिक्षार्थी शिकायत निवारण प्रकोष्ठ को प्रभावी और जबाब देने बनाने का प्रयास भी किया गया है। महोदया! उपाधियों का डिजीलॉकर में समाविष्ट किया गया है तथा विश्वविद्यालय ने स्वयं प्रभा चैनल हेतु 12 शैक्षिक पाठ्यक्रमों को तैयार करने की स्वीकृति भी प्राप्त कर ली है। जो देश और राज्य की अपेक्षाओं की पूर्ति में सहायक होगा। शिक्षार्थियों के प्रवेश सहित अन्य कार्यो हेतु समर्थ पोर्टल को क्रियान्वित किया गया है। साथ ही शिक्षार्थियों को प्रवेश, त्वरित सूचना प्रसारण तथा त्वरित शिकायत निस्तारण की दृष्टि से 'एकलव्य' नाम से एक मोबाइल एप विकसित किया गया है जिसका शुभारम्भ भी आपके ही आर्शीवाद से होना है।

विभिन्न अकादमिक गतिविधियों के साथ ही, विश्वविद्यालय सामाजिक सरोकार की दिशा में भी अग्रसर है। माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश जी के आह्वाहन पर विश्वकीर्तिमान बनाने में विश्वविद्यालय परिवार ने 'योग–शपथ' कार्यक्रम में सक्रिय प्रतिभागिता की तथा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक रूप से योग किया। इस अवसर पर योग के संबंध में जागरूकता फैलाने तथा विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं में छिपी प्रतिभाओं को मुखर बनाने के उद्देश्य से आयोजित निबन्ध एवं भाषण प्रतियोगिताओं के विजेताओं को इस अवसर पर पुरस्कृत भी किया गया। महोदया! शिक्षार्थियों के चतुर्दिक विकास के लिए प्रतियोगिताओं के साथ–साथ अनेक महत्त्वपूर्ण विषयों पर विश्वविद्यालय में संगोष्ठियाँ, व्याख्यान तथा कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। मुंशी प्रेमचन्दजी की जयन्ती पर 'वर्तमान सन्दर्भों में प्रेमचन्द के कथा साहित्य की प्रासंगिकता' पर संगोष्ठी 'काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह' पर ऑनलाइन वेबीनार महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती की जयन्ती के अवसर 'भारतीय भाषा उत्सव' तथा 'रैगिंग मुक्त परिसर, मित्रतापूर्ण परिसर' विषय पर ऑनलाइन वेबीनार, 'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर 'रन फार युनिटी' तथा 'काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह' के अवसर पर 'सरफरोशी की तमन्ना' विषयक एक दिवसीय ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन किया। 'खादी महोत्सव' के अवसर पर खादी वस्त्रों का प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया गया तथा खादी की उपयोगिता को दर्शानेवाली एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गय आयोजित किया गया। स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर 'तिरंगा–यात्रा' रैली निकाली गई, विभाजन–विभीषिका स्मृति दिवस पर अभिलेखों एवं पुस्तकों की प्रदर्शनी तथा विभीषिका को प्रदर्शित करती हुई डाक्यूमेन्ट्री का भी प्रदर्शन किया गया। भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेई, सरदार वल्लभ भाई पटेल, महात्मा गाँधी, भारतरत्न राजर्षि पुरुषोत्तमदास की जयन्तियों पर आयोजन किये गए। इस वर्ष राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन जी की पुण्यतिथि से प्रारंभ कर जयन्ती तक मास पर्यन्त विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएँ शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आयोजित की गई तथा राजर्षि टण्डन व्याख्यानमाला के सत्रहवें पुष्प का भव्य आयोजन भी किया गया। इसी श्रृंखला में उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान करने के लिए 'स्वास्थ्य जागरूकता' विषय एक गोष्ठी तथा 'स्वास्थ्य परीक्षण शिविर' का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय–परिवार के हितों को दृष्टिगत रखते हुए एक स्थानीय अस्पताल से MoU भी किया गया है। जिसके समझौते के आधार पर उ0प्र0 राजर्षि टण्डन विश्वविद्यालय के सभी कर्मियों की चिकित्सा वहाँ केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित दर पर की जाएगी। यह भी अवगत कराना है कि सभी कर्मियों के लिए 'मेडिकल इन्श्योरेंश'(स्वास्थ्य बीमा) जैसे महत्त्वपूर्ण विषय पर निर्णय लेते हुए यह व्यवस्था भी विश्वविद्यालय द्वारा सभी कर्मियों को प्रदान की जा रही है। शैक्षणिक कार्यों के साथ–साथ यह विश्वविद्यालय निरन्तर सामाजिक सारोकार के कार्यों में भी संलग्न रहता है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा एक 'स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। रोटरी क्लब तथा विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में भी यमुना परिसर में बृहद वृक्षारोपण किया गया। राजर्षि टण्डन जी की स्मृति में उनकी पुण्यतिथि तथा जयन्ती पर एक पौधा राजर्षि टण्डन के नाम' अभियान के अन्तर्गत यमुना परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

महोदया! मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि सीमित संसाधनों के मध्य भी विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक एवं संरचनागत प्रगति के प्रति कृतसंकल्प हैं। आपकी गरिमामयी उपस्थिति तथा आपकी प्रेरणा, मार्गदर्शन और आशीर्वाद को पाकर विश्वविद्यालय अनुग्रहीत है तथा हार्दिक आभार व्यक्त करता है। आपकी गरिमामयी उपस्थिति से विश्वविद्यालय के मान–प्रतिष्ठा में हुई श्रीवृद्धि के लिए मैं एक बार पुनः आपका अभिनन्दन करता हूँ तथा आपके प्रति हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। समारोह में पधारे मुख्य अतिथि प्रो0 के0 एन0 सिंह, माननीय कुलपति, साउथ बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि मा0 उच्चशिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय जी, सारस्वत अतिथि मा0 राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी जी का भी मैं हार्दिक अभिनन्दन करता है तथा हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। आपके आगमन से विश्वविद्यालय अनुग्रहीत है। आप सभी के प्रति विश्वविद्यालय कृतज्ञता ज्ञापित करता है।

इस 19 वें दीक्षान्त समारोह के केन्द्र बिन्दु सभी दीक्षित उपाधि प्राप्तकर्ता एवं स्वर्णपदक प्राप्तकर्ता शिक्षार्थियों के सुखद, गरिमामय एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता हूँ। कार्यपरिषद् तथा विद्यापरिषद् के सम्मानित सदस्यों, प्रशासनिक अधिकारियों, यहाँ उपस्थित समस्त अतिथियों, प्रशासनिक उच्चाधिकारियों, पत्रकार बन्धुओं तथा समस्त विश्वविद्यालय परिवार का उनके सक्रिय सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता है, जिनके सहयोग से यह आयोजन मूर्त रूप ले सका है। एक बार पुनः आप सभी का कोटिशः अभिनन्दन।

nh{kkUr lekjksg esa mikf/k izkIr djus okys f'k{kkfFkZ;ksa dks vuq'kklukns'k iznku djrs gq, dqyifr

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

nh{kkUr lekjksg esa Nk=k&Nk=kkvksa dks mikf/k iznku djus gsrq vuqjks/k djrs gq,

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

छात्र–छात्राओं को पदक प्रदान करती हुई माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल

माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के साथ ग्रुप फोटोग्राफी कराते पदक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्रायें

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

19वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ की छात्रा आरती यादव को दिया गया। आरती ने बी.एस.सी. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वश्रेष्ठ रहीं। विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 07 टापर्स को दिए गये। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आगरा से सम्बद्ध एम.ए. (अर्थशास्त्र) के छात्र यश यादव को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र से सम्बद्ध एम.ए. (समाज कार्य) के छात्र तौफीक खान को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, गोरखपुर से सम्बद्ध एम.काम. की छात्रा प्रिया शर्मा को, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध एम.सी.ए. के छात्र अनित सिंह मलिक को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आगरा से सम्बद्ध एम.ए. (शिक्षाशास्त्र) के छात्र जानकी प्रसाद को, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक भी क्षेत्रीय केंद्र, आगरा से सम्बद्ध एम.एस.सी. (जैव रसायन) के छात्र पवन कुमार को, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध एम.ए. (गृह विज्ञान) की छात्रा विनीता सिंह को दिया गया।

स्नातक वर्ग में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक भी इस बार विद्याशाखाओं के 07 टापर्स को दिये गये। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0ए0) के छात्र जावेद अख्तर को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0ए0) की छात्रा सबरीन खातून को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0कॉम0) की छात्रा साक्षी मौर्या को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0सी0ए0) की छात्रा कविता देवी को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक (बी0एड0) की छात्रा ज्योति कुशवाहा को, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0एस0सी0) की छात्रा आरती यादव को, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, मेरठ से सम्बद्ध स्नातक (बी.एस.सी. ह्यूमन न्यूट्रिशन) की छात्रा तान्या त्यागी को प्रदान किया गया।

इस बार 11 मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। जिनमें बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध बी0एड0 की छात्रा ज्योति कुशवाहा को, जोहरा अहमद मिर्जा स्मृति स्वर्ण पदक प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध एम.सी.ए. की छात्रा तनु प्रिया को, श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज से सम्बद्ध एम.बी.ए. की छात्रा रमनीत कौर को, स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातक वर्ग में क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0ए0) की छात्रा सबरीन खातून को, अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातकोत्तर वर्ग में क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज़ से सम्बद्ध एम.ए. (समाज कार्य) के छात्र तौफीक खान को, प्रो. एम. पी. दुबे पर्यावरण/गांधी चिन्तन एवं शान्ति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, गोरखपुर से सम्बद्ध बी.ए. के छात्र तुषार मणि त्रिपाठी को, प्रो. एम. पी. दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आगरा से सम्बद्ध एम.एस.सी. (जैव रसायन) के छात्र गौरव कुमार को, महान राष्ट्रकवि श्रद्धेय पं. सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज से सम्बद्ध एम.ए. हिंदी के छात्र गौरव मौर्या को, स्वर्गीय प्रो. सुशील प्रकाश गुप्ता स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध बी. एड. की छात्रा ज्योति कुशवाहा को, श्रीमती शिवपति द्विवेदी स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध एम.ए. (गृह विज्ञान) की छात्रा विनीता सिंह को तथा संतोष कुमार दीक्षित स्मृति स्वर्ण पदक महिला वर्ग में भी क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी.एस.सी.) की छात्रा आरती यादव को दिया गया।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए युवा शक्ति को आगे आना होगा : रजनी तिवारी

विशिष्ट अतिथि श्रीमती रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्रीमती रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए युवा शक्ति को आगे आना होगा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि अपने लिए एक योग्य लक्ष्य निर्धारित करें और इसको साकार करने के लिए तकनीकी ज्ञान और समर्पित परिश्रम का उपयोग करें। श्रीमती तिवारी ने कहा कि शिक्षा बराबरी सुनिश्चित करने का एक सशक्त माध्यम है और इसके द्वारा समाज में समानता, समरसता और सामाजिक आर्थिक रूप से गतिशीलता हासिल की जा सकती है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु यह मुक्त विश्वविद्यालय नवीनतम प्रयोग कर रहा है। मुक्त विश्वविद्यालय उच्च एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए नए शोध एवं नवाचारों पर विशेष बल दे रहा है। जिसके लिए मुक्त विश्वविद्यालय बधाई का पात्र है।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

सूचना और तकनीकी के विकास ने जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित किया है : डॉ योगेंद्र कुमार उपाध्याय

समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ योगेंद्र कुमार उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि शिक्षा किसी भी जागरूक समाज का आधार स्तंभ होती है। यह एक ऐसी आधारशिला है जिस पर एक प्रगतिशील लोकतांत्रिक समाज खड़ा होता है। हमारे शिक्षण संस्थान युवाओं में मातृभूमि से प्रेम, सभी के लिए दया, महिलाओं का

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक भारतीय ज्ञान परंपरा की पहुंच बनाई जा सकती है : प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि हमारी शिक्षा व्यवस्था भारतीय सांस्कृतिक मूल्य और भारतीय जीवन दृष्टि के अनुरूप होनी चाहिए तभी हम एक समावेशी भारत को मूर्त रूप दे सकेंगे। उन्होंने पदक विजेताओं एवं उपाधि प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों से कहा कि वह अपने जीवन में नैतिकता एवं मानवीय मूल्य का समावेश करते हुए जीवन को व्यावहारिक रूप प्रदान करें। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शोध के उन्नयन एवं विकास हेतु अधिक से अधिक शोध परियोजनाओं को चलाने के

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

fMthykWdj esa mikf/k;ksa dk lekos'k rFkk eksckby ,si 'एकलब्य' ds 'kqHkkjEHk ,oa uo&fufeZr cSad Hkou dk otqZvyh yksdkiZ.k djrh gqbZ ekuuh; jkT;iky m0 ç0 ,oa

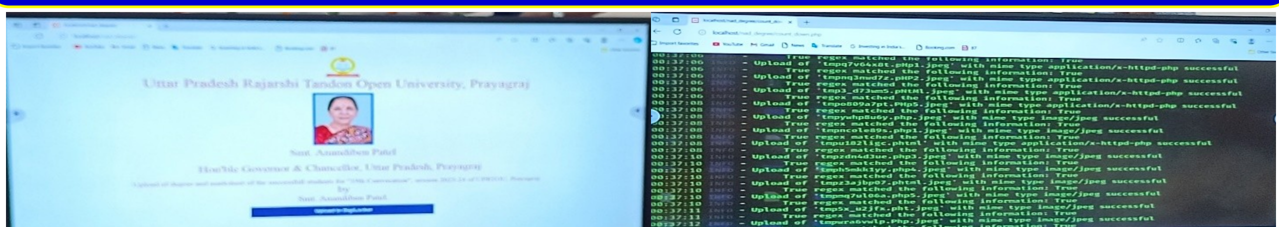

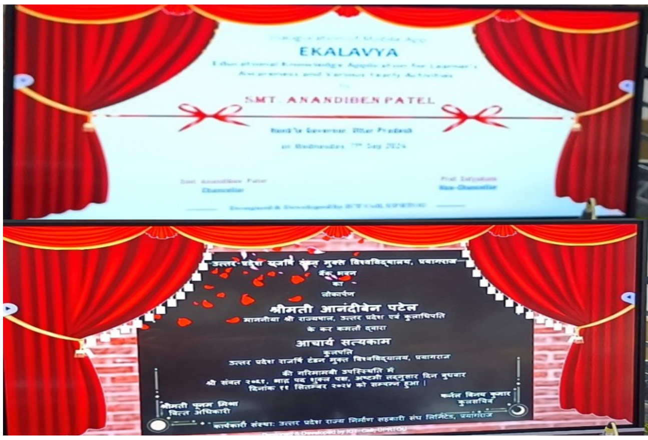

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

राज्यपाल के निर्देश पर दीक्षान्त समारोह के पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण आहार एवं कार्यकत्रियों की उपस्थिति मानदंड आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इसी तरह गोद लिए गांव के प्राथमिक/जूनियर विद्यालयों तथा माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में भाषण, चित्रकला एवं कहानी कथन प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता के विजेताओं को दीक्षान्त समारोह के अवसर पर कुलाधिपति माननीया श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा पुरस्कृत किया गया। दीक्षान्त समारोह के अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्रों को विश्वविद्यालय की तरफ से कुलाधिपति श्रीमती पटेल के द्वारा किट भेंट किये गये। इसके साथ ही राजभवन की तरफ से मुक्त विश्वविद्यालय के समीपवर्ती प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों के लिए राज्यपाल श्रीमती पटेल ने सौ पुस्तकें प्रदान की।

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

शिक्षा को चारदीवारी से निकालकर आंगनबाड़ी तक पहुंचाएं – राज्यपाल

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति

19वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि शिक्षा को चारदीवारी से बाहर निकाल कर आंगनबाड़ी तक पहुंचाना आज के युग की आवश्यकता है। महिलाओं को शिक्षित किया जाना इस देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अनिवार्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी पूरा होगा जब महिलाएं शिक्षित होंगी। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति के साथ–साथ बच्चों को भी विकास की धारा से जोड़ना अति आवश्यक है। बहुमुखी प्रतिभा के धनी बच्चों के बाल मनोविज्ञान को समझने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के साथ–साथ विश्वविद्यालय में भी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की आवश्यकता है।

मुक्त चिन्तन

इस अवसर पर राज्यपाल श्रीमती पटेल ने शिक्षा को रोजगार एवं कौशल से जोड़ने की सलाह दी और सभी विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के द्वारा इंडस्ट्री से जुड़ने का महत्व बताया। भारत सरकार द्वारा तैयार की गई इस प्रकार की योजनाओं का भी उन्होंने संदर्भ रखा। उन्होंने कहा कि कारागारों को भी अध्ययन केंद्र बनाया जाना चाहिए और ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाया जाना चाहिए। राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को यह निर्देश दिया कि विद्यार्थियों की संख्या में बढ़ोत्तरी करने का प्रयास किया जाए। इसके

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि वह महीने भर बाद उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कार्यों की समीक्षा करेंगी। राज्यपाल के संपूर्ण व्यक्तित्व से शिक्षा के प्रति उनकी जागरुकता और सरोकार का उद्बोधन होता है। श्रीमती पटेल ने सास बेटी बहू का संदर्भ देकर भारतीय पारिवारिक संरचना के महत्व को जाहिर किया और बताया कि देश के विकास के लिए हमारा पारिवारिक ढांचा मजबूत होना चाहिए।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति

मुक्त चिन्तन

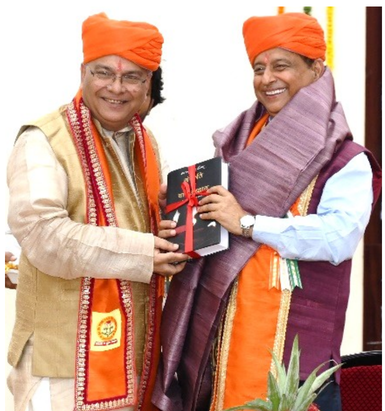

ekuuh; jkT;iky m0 iz0 ,oa dqykf/kifr th] ekuuh; eq[; vfrfFk rFkk ekuuh; fof'k"V vfrfFk;ksa dks JhQy] gfjr Qy] vaxoL=e~ ,oa iqLrdsa HksaV dj mudk lEeku djrs gq, dqyifr izks0 lR;dke

दीक्षान्त समारोह के समापन की घोषणा करती हुई माननीया श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

jk"V"xku

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 26 मेधावियों को स्वर्ण पदक मिले। - At...

शिक्षा को चारदीवारी से निकालकर आंगनबाड़ी तक पहुंचाएं - राज्यपाल टीएन शर्मा की रिपोर्ट प्रयागराज। शिक्षा को चारदीवारी से

atsamachar.in

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 26 मेधावियों को स्वर्ण पदक मिले।

https://atsamachar.in/archives/2689/26-meritorious-students-received-gold-medals-in-the-convocation-ceremony-of-uttar-pradesh-rajarshi-tandon-open-university

20:56

शिक्षा को चहारदीवारी से निकालकर आंगनबाड़ी तक पहुंचाएं : राज्यपाल

- उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में 26 मेधावियों को मिले स्वर्ण पदक प्रयागराज, 11 सितम्बर (हि.स.)। शिक्षा को

www.hindusthansamachar.in

https://www.hindusthansamachar.in//Encyc/2024/9/11/26-students-win-gold-medals-at-convocation-ceremon.php

20:56

Prayagraj News: UPRTOU के दीक्षांत समारोह में बोली राज्यपाल- शिक्षा को चारदीवारी से निकालकर...

Prayagraj News: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शिक्षा को रोजगार एवं कौशल से जोड़ने की सलाह दी और सभी विद्यार्थियों को इंटर्नशिप

newstrack.com

Prayagraj News: UPRTOU के दीक्षांत समारोह में बोली राज्यपाल- शिक्षा को चारदीवारी से निकालकर आंगनबाड़ी तक पहुंचाएं https://newstrack.com/uttar-pradesh/prayagraj/governor-anandiben-patel-given-gold-medal-to-students-in-convocation-ceremony-of-uprtou-in-prayagaraj-466672

22:49

मुक्त विवि के पाठ्यक्रम का 30 फीसदी हिस्सा होगा यूपी विशेष

पीसीएस परीक्षा की तैयारी में अब मुक्त विश्वविद्यालय की भी होगी अहम भागीदारी

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का 30 फीसदी हिस्सा अब यूपी विशेष होगा। नया पाठ्यक्रम तैयार कराया जा रहा है। इससे न केवल मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को प्रदेश के बारे में अधिक जानने का मौका मिलेगा, बल्कि पीसीएस परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को भी फायदा होगा।

इसके साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय अपना पाठ्यक्रम तैयार करा रहा है। इस दिशा में 70 फीसदी काम पूरा हो चुका हैं और साल के अंत तक बाकी काम भी पूरा हो जाएगा।

दिसंबर के अंत तक मुक्त विवि पूरी तरह से लागू कर देगा अपना पाठ्यक्रम

इसके बाद मुक्त विश्वविद्यालय को किसी दूसरे संस्थान का पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाना पड़ेगा। मुक्त विवि का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय की फैकल्टी की ओर से तैयार किया जा रहा है। मुक्त विवि के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि दिसंबर तक मुक्त विश्वविद्यालय का शतप्रतिशत अपना पाठ्यक्रम होगा।

विषम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम तैयार कराया जा चुका है और साल के अंत तक सम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम भी तैयार करा लिया जाएगा। खास यह कि पाठ्यक्रम का 30 फीसदी हिस्सा यूपी विशेष होगा, जिसमें उत्तर प्रदेश की संस्कृति, प्रदेश के इतिहास, प्रदेश के भूगोल, प्रदेश की महान विभूतियों, प्रदेश की लोककलाओं, स्वतंत्रता संग्राम में उत्तर प्रदेश की भूमिका आदि के बारे में पढ़ाया जाएगा।

नए पाठ्यक्रम से जहां मुक्त विवि के शिक्षार्थियों को उत्तर प्रदेश के बारे में और अधिक जानने का मौका मिलेगा, वहीं यह पाठ्यक्रम पीसीएस परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए भी मददगार साबित होगा।

पीसीएस मुख्य परीक्षा में वैकल्पिक विषय हटाकर अब सामान्य अध्ययन के यूपी विशेष दो नए प्रश्न पत्र शामिल किए जा चुके हैं।

सिविल सर्विस परीक्षा की तैयारी कराएगा मुक्त विवि

प्रयागराज। मुक्त विश्वविद्यालय की योजना है कि संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की पीसीएस परीक्षा की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के लिए अलग से पाठ्यक्रम शुरू किया जाए। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि यह पाठ्यक्रम छह माह से एक साल तक का हो सकता है। इसके लिए जल्द ही यूजीसी को प्रस्ताव भेजा जाएगा। मुक्त विवि के प्रदेश भर में 12 क्षेत्रीय केंद्र और 1425 अध्ययन केंद्र हैं। ऐसे में इस योजना का लाभ प्रदेश भर के युवाओं को मिलेगा। ब्यूरो

17 सितम्बर, 2024

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर मुक्त विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा प्रारम्भ

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

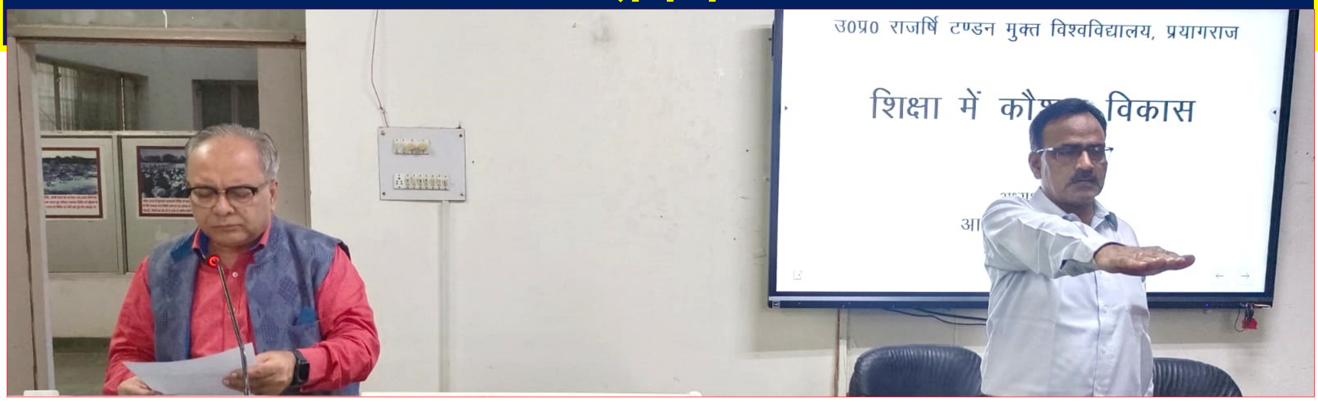

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार दिनांक 17 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया।

प्रारंभ में कुलपति का स्वागत समारोह के संयोजक प्रोफेसर छत्रसाल सिंह ने किया। डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने विषय प्रवर्तन किया। समारोह का संचालन डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने किया। इस अवसर पर समारोह स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जुड़े वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय कुलपति जी तथा माननीय कुलपति जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 स्मृता अग्रवाल

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 दीप शिखा श्रीवास्तव

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जुड़े वृत्त चित्र का प्रदर्शन देखते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

डॉ त्रिविक्रम तिवारी

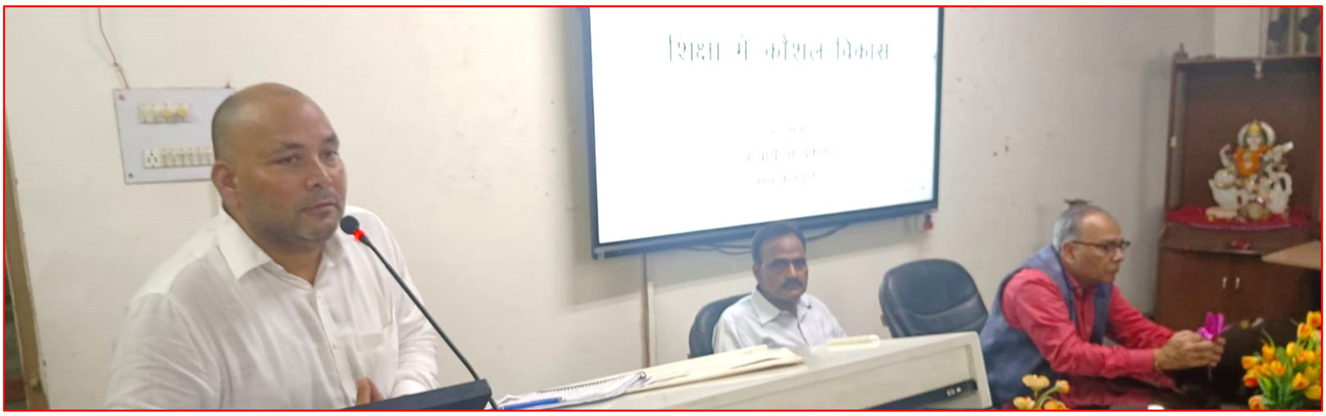

डॉ आनंदानंद त्रिपाठी

प्रोफेसर छत्रसाल सिंह

अपने–अपने विचार व्यक्त करते हुए समारोह के संयोजक प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी एवं डॉ त्रिविक्रम तिवारी

मुक्त चिन्तन

हमें अपनी दिनचर्या में स्वच्छता को अवश्य शामिल करना चाहिए : प्रोफेसर सत्यकाम

प्रधानमंत्री ने शिक्षा एवं कौशल को अमृतकाल का महत्वपूर्ण टूल्स माना है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार को स्वच्छता पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साफ सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह हमारे जीवन की प्राथमिकता है। सफाई से रहने से जहां शरीर स्वच्छ रहता है वहीं स्वच्छता तन और मन दोनों की खुशी के लिए आवश्यक है। हमें अपनी दिनचर्या में स्वच्छता को अवश्य शामिल करना चाहिए। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती है। उन्होंने विश्वविद्यालय कर्मियों से कार्यालय, घर एवं आसपास प्रतिदिन श्रमदान करने का आह्वान किया।

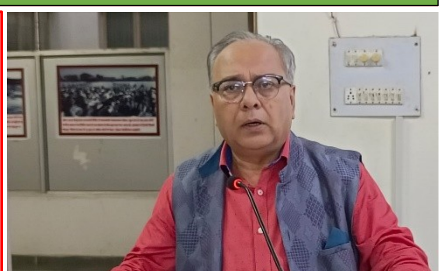

18 सितम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया श्रमदान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दिनांक 18 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता पखवाड़ा समारोह के अन्तर्गत माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित केन्द्रीय पुस्तकालय के पास विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ अपना यथोचित श्रमदान किया।

विश्वविद्यालय परिवार के साथ श्रमदान करते हुए माननीय कुलपति जी

मुक्त चिन्तन

विश्वविद्यालय परिवार के साथ श्रमदान करते हुए माननीय कुलपति जी

दैनिक
तस्वीर आजकल
एहसास सच का
कानपुर बुधवार, 18 सितम्बर 2024

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर मुक्त विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा प्रारम्भ

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

अखिलेश शुक्ला, ब्यूरो चीफ, तस्वीर आजकल, प्रयागराज।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार को स्वच्छता पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साफ सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह हमारे जीवन की प्राथमिकता है। सफाई से रहने से जहां शरीर स्वच्छ रहता है वहीं स्वच्छता तन और मन दोनों की खुशी के लिए आवश्यक है। हमें अपनी दिनचर्या में स्वच्छता को अवश्य शामिल करना चाहिए। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती है। उन्होंने विश्वविद्यालय कर्मियों से कार्यालय, घर एवं आसपास प्रतिदिन श्रमदान करने का आह्वान किया।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा की शुरुआत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145 में जयंती पर चलाया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। विश्वविद्यालय में यह स्वच्छता अभियान आगामी 2 अक्टूबर 2024 तक चलेगा। इस अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर को हरा भरा एवं साफ सुथरा रखने के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों छात्रों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि बेहतर साफ सफाई से कार्यालय को आदर्श बनाया जा सकता है एवं कार्य क्षमता में वृद्धि महसूस की जा सकती है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शिक्षा में कौशल विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने शिक्षा एवं कौशल को अमृतकाल का महत्वपूर्ण टूल्स माना है। विश्वविद्यालय इसको ध्यान में रखकर कौशल आधारित शिक्षा को प्रमुखता से प्रदान कर रहा है एवं अधिक से अधिक छात्रों को कौशल युक्त शिक्षा देने के लिए प्रयासरत है।

प्रारंभ में कुलपति का स्वागत समारोह के संयोजक प्रोफेसर छत्रसाल सिंह ने किया। डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने विषय प्रवर्तन किया। समारोह का संचालन डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने किया। इस अवसर पर समारोह स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जुड़े वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI No.-UPHIN/2020/82181
www.harbaatnews.com
हरबात
प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 04 अंक : 288 प्रयागराज, बुधवार, 18 सितम्बर, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर मुक्त विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा प्रारम्भ

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार को स्वच्छता पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साफ सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह हमारे जीवन की प्राथमिकता है। सफाई से रहने से जहां शरीर स्वच्छ रहता है वहीं स्वच्छता तन और मन दोनों की खुशी के लिए आवश्यक है। हमें अपनी दिनचर्या में स्वच्छता को अवश्य शामिल करना चाहिए। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती है। उन्होंने विश्वविद्यालय कर्मियों से कार्यालय, घर एवं आसपास प्रतिदिन श्रमदान करने का आह्वान किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा की शुरुआत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145 में जयंती पर चलाया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। विश्वविद्यालय में यह स्वच्छता अभियान आगामी 2 अक्टूबर 2024 तक चलेगा। इस अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर को हरा भरा एवं साफ सुथरा रखने के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों छात्रों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि बेहतर साफ सफाई से कार्यालय को आदर्श बनाया जा सकता है एवं कार्य क्षमता में वृद्धि महसूस की जा सकती है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शिक्षा में कौशल विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने शिक्षा एवं कौशल को अमृतकाल का महत्वपूर्ण टूल्स माना है। विश्वविद्यालय इसको ध्यान में रखकर कौशल आधारित शिक्षा को प्रमुखता से प्रदान कर रहा है एवं अधिक से अधिक छात्रों को कौशल युक्त शिक्षा देने के लिए प्रयासरत है। प्रारंभ में कुलपति का स्वागत समारोह के संयोजक प्रोफेसर छत्रसाल सिंह ने किया। डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने विषय प्रवर्तन किया। समारोह का संचालन डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने किया। इस अवसर पर समारोह स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जुड़े वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया।

RNI NO-UPHIN/2023/84340
सबसे तेज प्रयागराज
सब पर नजर, सटीक खबर
hpshukla50@gmail.com बुधवार, 18 सितंबर 2024 वर्ष: 01, अंक: 205, पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रु. प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर मुक्त विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा प्रारम्भ

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार को स्वच्छता पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साफ सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह हमारे जीवन की प्राथमिकता है। सफाई से रहने से जहां शरीर स्वच्छ रहता है वहीं स्वच्छता तन और मन दोनों की खुशी के लिए आवश्यक है। हमें अपनी दिनचर्या में स्वच्छता को अवश्य शामिल करना चाहिए। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती है। उन्होंने विश्वविद्यालय कर्मियों से कार्यालय, घर एवं आसपास प्रतिदिन श्रमदान करने का आह्वान किया।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा की शुरुआत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145 में जयंती पर चलाया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। विश्वविद्यालय में यह स्वच्छता अभियान आगामी 2 अक्टूबर 2024 तक चलेगा। इस अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर को हरा भरा एवं साफ सुथरा रखने के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों छात्रों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि बेहतर साफ सफाई से कार्यालय को आदर्श बनाया जा सकता है एवं कार्य क्षमता में वृद्धि महसूस की जा सकती है।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शिक्षा में कौशल विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने शिक्षा एवं कौशल को अमृतकाल का महत्वपूर्ण टूल्स माना है। विश्वविद्यालय इसको ध्यान में रखकर कौशल आधारित शिक्षा को प्रमुखता से प्रदान कर रहा है एवं अधिक से अधिक छात्रों को कौशल युक्त शिक्षा देने के लिए प्रयासरत है।

प्रारंभ में कुलपति का स्वागत समारोह के संयोजक प्रोफेसर छत्रसाल सिंह ने किया। डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने विषय प्रवर्तन किया। समारोह का संचालन डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने किया। इस अवसर पर समारोह स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जुड़े वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया।

समय से पहले 'समय' पर नजर
नगर-संस्करण
न्यायाधीश
डाक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2024-26
प्रयागराज, बुधवार 18 सितम्बर, 2024

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर मुक्त विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा प्रारम्भ

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शिक्षा में कौशल विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विचार

● वर्ष : 17
● अंक : 222
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● बुधवार, 18 सितंबर 2024
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

पीएम के जन्मदिन पर मुक्त विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा प्रारम्भ

▶▶ कुलपति ने शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों को दिलाई स्वच्छता की शपथ

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार को स्वच्छता पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ कुलपति प्रो सत्यकाम ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साफ सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह हमारे जीवन की प्राथमिकता है। सफाई से रहने से जहां शरीर स्वच्छ रहता है वहीं स्वच्छता तन और मन दोनों की खुशी के लिए आवश्यक है। हमें अपनी दिनचर्या में स्वच्छता को अवश्य शामिल करना चाहिए।

प्रो सत्यकाम ने कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती है। उन्होंने विश्वविद्यालय कर्मियों से कार्यालय, घर एवं आसपास प्रतिदिन श्रमदान करने का आह्वान किया। कुलपति प्रो सत्यकाम ने पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा की शुरुआत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145 में जयंती पर चलाया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। विश्वविद्यालय में यह स्वच्छता अभियान आगामी 2 अक्टूबर 2024 तक चलेगा। इस अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर को हरा भरा एवं साफ सुथरा रखने के लिए कुलपति प्रो सत्यकाम ने शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों छात्रों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि बेहतर साफ सफाई से कार्यालय को आदर्श बनाया जा सकता है एवं कार्य क्षमता में वृद्धि महसूस की जा सकती है। कुलपति प्रोफ़ेसर सत्यकाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शिक्षा में कौशल विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने शिक्षा एवं कौशल को अमृतकाल का महत्वपूर्ण टूल्स माना है। विश्वविद्यालय इसको ध्यान में रखकर कौशल आधारित शिक्षा को प्रमुखता से प्रदान कर रहा है एवं अधिक से अधिक छात्रों को कौशल युक्त शिक्षा देने के लिए प्रयासरत है।

19 सितम्बर, 2024

हुनरमंद कामगारों को कौशल का प्रमाण पत्र देगा मुक्त विश्वविद्यालय : प्रोफेसर सत्यकाम

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने ली स्वच्छता की शपथ

दिनांक 19 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र जगतपुर पी.जी कॉलेज, जगतपुर, वाराणसी के प्रांगण में मुक्त विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के अवसर : शिक्षा से रोजगार तक विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयेजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी रहे। संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय समन्वयक डॉक्टर एस के सिंह रहे।

माननीय अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अनिल प्रताप सिंह ने किया तथा विषय स्थापन हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रमेश चन्द ने किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ0 विनय प्रकाश शर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन अध्ययन केंद्र के समन्वयक एवं संयोजक डॉ नंदलाल शर्मा ने किया।

संगोष्ठी में ही भारत सरकार के 'स्वच्छता ही सेवा 2024' पखवाड़ा कार्यक्रम में कार्यक्रम की संयोजिका डॉ लक्ष्मी सिंह ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, प्राचार्य, निदेशक तथा सभी प्राध्यापक एवं प्राध्यपिकाओं सहित छात्र/छात्राओं को 'स्वच्छता शपथ' दिलाई ।

संगोष्ठी में महाविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर निलय कुमार, प्रोफेसर पुष्पा सिंह, डॉ कृपाशंकर सिंह, डॉक्टर संजय कुमार उपाध्याय, डॉ चंद्रशेखर पांडेय, डॉ सारिका सिंह, डॉ अंकुर राय, डॉ आशीष कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

संगोष्ठी का संचालन करते हुए डॉ0 विनय प्रकाश शर्मा

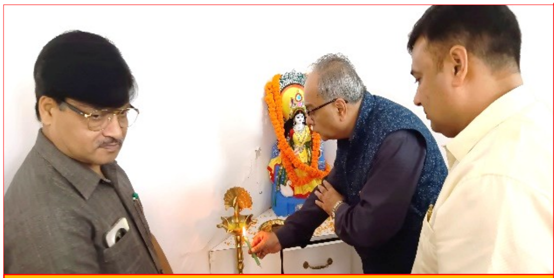

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

माननीय अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए महाविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

प्रोफेसर अनिल प्रताप सिंह

स्वागत करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अनिल प्रताप सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालयों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

प्रोफेसर रमेश चन्द

विषय स्थापन करते हुए हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रमेश चन्द ने कहा कि जो विद्यार्थी नियमित रूप से अध्ययन नहीं कर पाते हैं उनको मुक्त विश्वविद्यालय एक आशा की किरण के रूप में दिखाई पड़ता है ।

डॉ0 एस0 के0 सिंह

संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 एस0 के0 सिंह, ने कहा कि महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं को भी नियमित पाठ्यक्रम के साथ–साथ मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रोजगार एवं कौशलपरक कार्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहिए जिससे उनको रोजगार के अधिक से अधिक अवसर प्राप्त हो सकें।

मुक्त चिन्तन

हुनरमंद कामगारों को कौशल का प्रमाण पत्र देगा मुक्त विश्वविद्यालय : प्रोफेसर सत्यकाम

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विद्यार्थी एक साथ दो डिग्रियां हासिल कर सकते हैं। ऐसे कामकाजी महिलाएं एवं पुरुष जिनके पास अभी तक स्नातक, स्नातकोत्तर की उपाधि नहीं है वे सेवारत रहते हुए मुक्त विश्वविद्यालय से आसानी से उपाधि (डिग्री) अर्जित कर सकते हैं। प्रोफेसर सत्यकाम ने गुरुवार दिनांक 19 सितम्बर, 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र जगतपुर पी.जी कॉलेज, जगतपुर, वाराणसी के प्रांगण में मुक्त विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के अवसर : शिक्षा से रोजगार तक विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में यह विचार व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश है। विश्वविद्यालय पूरे उत्तर प्रदेश में रोजगार

म्हाविद्यालय के शिक्षकों
एवं
छात्र–छात्राओं के जिज्ञासाओं
का
समाधान करते हुए
माननीय कुलपति
प्रोफेसर सत्यकाम जी

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए अध्ययन केंद्र के समन्वयक एवं संयोजक डॉ नंदलाल शर्मा

भारत सरकार के 'स्वच्छता ही सेवा 2024' पखवाड़ा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, प्राचार्य, निदेशक तथा सभी प्राध्यापक एवं प्राध्यपिकाओं सहित छात्र/छात्राओं को 'स्वच्छता शपथ' दिलाती हुई कार्यक्रम की संयोजिका डॉ लक्ष्मी सिंह

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर में झाडू लगाते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी एवं महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, प्राध्यपिकायें, एवं छात्र–छात्रायें

मुक्त चिन्तन

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत सफाई करते हुए मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 सत्यपाल तिवारी

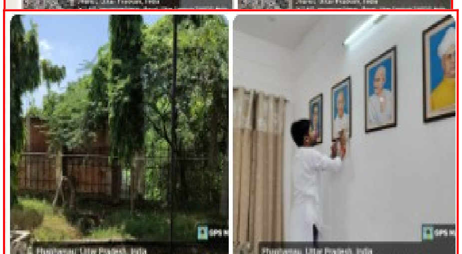

मुक्त चिन्तन

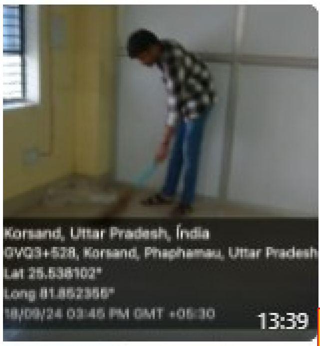

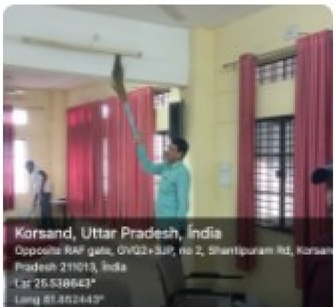

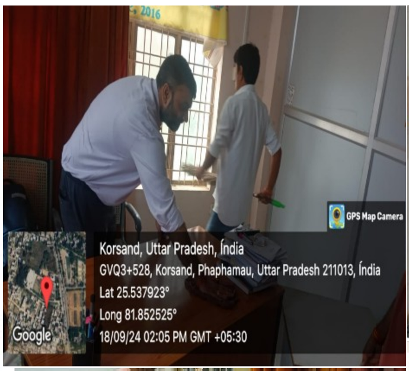

स्वच्छता ही सेवा अभियान

के अन्तर्गत

समाज विज्ञान विद्याशाखा

में सफाई अभियान

चलाया गया

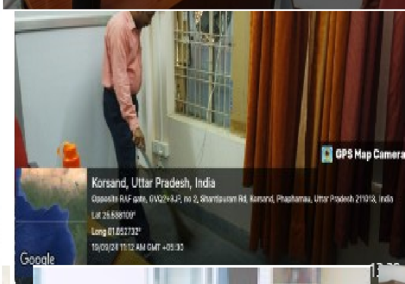

Rajesh Singh Med History UPRTOU

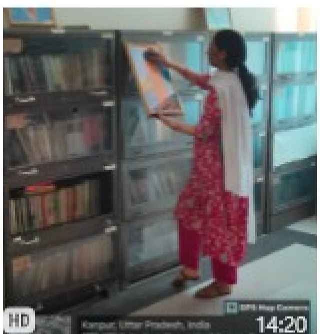

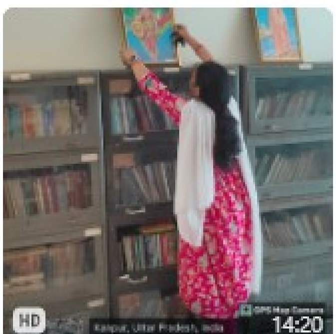

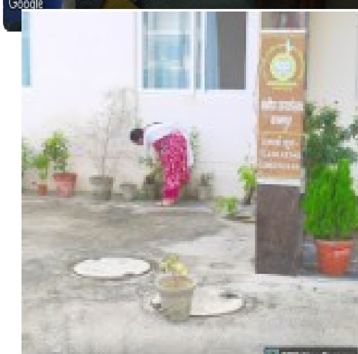

20 सितम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के यमुना परिसर स्थित आवासीय परिसर में सघन साफ सफाई अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के यमुना परिसर स्थित आवासीय परिसर में आज दिनांक 20 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज द्वारा मा.कुलपति जी के नेतृत्व में सघन साफ सफाई अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आवासीय परिसर के निवासियों एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों,कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस अवसर पर स्वच्छता कर्मियों की सराहना की तथा परिसर को हरा भरा एवं साफ सुथरा बनाए रखने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस अवसर पर प्रतीकात्मक सफाई अभियान में हिस्सा लेकर इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी को प्रेरित किया। कुलपति के साथ सफाई अभियान के संयोजक प्रोफेसर संतोषा कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर अजेंद्र कुमार मलिक, प्रोफेसर श्रुति, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ दिनेश सिंह एवं डॉ अभिषेक सिंह आदि ने आवासीय परिसर एवं क्षेत्रीय केंद्र परिसर में लोगों को अपने आसपास सफाई करने के लिए उत्प्रेरित किया।

मा.कुलपति जी के नेतृत्व में सघन साफ सफाई अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

मा.कुलपति जी के नेतृत्व में सघन साफ सफाई अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

20 सितम्बर, 2024

क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ द्वारा दिनांक 20 सितंबर 2024 को गोला गोकर्णनाथ जिला लखीमपुर खीरी के केन ग्रोवर नेहरू पीजी कॉलेज में नामांकन अभिप्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉक्टर पंकज सिंह, प्रवक्ता गण, छात्र–छात्राएं उपस्थित थे। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताओं ,प्रवेश प्रक्रिया, पाठ्य सामग्री की उपलब्धता एवं अन्य सभी जानकारी को विस्तार के साथ बताया गया। आपदा प्रबंधन एवं रिमोट सेंसिंग, एकल विषय तथा कौशल विकास कार्यक्रम के प्रति छात्र–छात्राओं में उत्सुकता दिखाई दी। प्राचार्य जी के द्वारा एम ए योगा को पुनः शुरू करने का निवेदन किया गया।छात्राओं द्वारा सकारात्मक प्रतिक्रिया की गई।

गोला जिला लखीमपुर खीरी में गुरु हरि किशन पीजी कॉलेज में छात्र–छात्राओं को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रवेश संबंधी सभी जानकारियां दी गई। 30 सितंबर प्रवेश की अंतिम तिथि है एवं प्रवेश ऑनलाइन माध्यम से लेना है यह समझाया गया। छात्रों द्वारा सीटो की संख्या के बारे में प्रश्न किया गया। उन्हे बताया गया कि पारंपरिक विश्व विद्यालय की तरह मुक्त विश्वविद्यालय में सीटो का निर्धारण नही है। रोजगार परख कार्यक्रमों की जानकारी भी दी गई।

जिला लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्णनाथ में श्री गुरु नानक कन्या महाविद्यालय में छात्रों को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के विशेषताओं के बारे में जानकारी दी गई तथा किस तरह से आप अपनी नियमित पढ़ाई करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय से डिग्री लेकर लाभान्वित हो सकते हैं। 30 सितंबर तक प्रवेश लिया जा सकता है। प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से है। जिन छात्रों को पाठ्य सामग्री ना लेकर ऑनलाइन पढ़ाई करनी है उन छात्रों को फीस में 15: की छूट मिलेगी। इस कन्या महाविद्यालय में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं ठ.म्क की छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित थी। एकल विषय से स्नातक की जानकारी दी गई। डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट के पाठ्यक्रम के बारे में बताया गया।एमबीए में प्रवेश ले सकते है। उम्र की सीमा नहीं है। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का प्रयास सभी को शिक्षित करना है।

मुक्त चिन्तन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

क्षेत्रीय केन्द्र—बरेली

नामांकन अभिप्रेरण जुलाई 2024

वीरांगना रानी अवन्तीबाई लोधी राजकीय महिला, महाविद्यालय, रामपुर गार्डन, बरेली

नामांकन संख्या बढ़ाने के लिए वीरांगना रानी अवन्ती लोधी राजकीय महिला महाविद्यालय S 936 पर छात्राओं तथा शिक्षक वर्ग से से संपर्क किया गया। छात्राओं को विश्वविद्यालय में संचालित कोर्स के बारे में बताया गया।

बरेली कालेज, बरेली

नामांकन संख्या बढ़ाने के लिए बरेली कालेज, बरेली S 024 पर छात्र/छात्राओं तथा शिक्षक वर्ग को संबोधित किया तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुसार अब दो डिग्री स्नातक तथा स्नातकोत्तर लेवल पर कर सकते हैं तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं के छात्रों को यह भी बताया कि वह अपने रेगुलर पाठ्यक्रम के साथ–साथ एकल विषय में किसी भी विषय में सर्टिफिकेट कोर्स प्राप्त कर सकते हैं छात्रों को जागरूकता कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया गया । डॉ0 सतेन्द्र बाबू क्षेत्रीय समन्वयक क्षेत्रीय,बरेली, डा० विजय प्रताप सिंह, डॉ योगेश शर्मा, डा० एम० पी० कालहन्स उपस्थित रहे।

उच्च प्राथमिक विद्यालय चन्दपुर बिचपुरी

उच्च प्राथमिक विद्यालय चन्दपुर बिचपुरी में जनसंपर्क किया गया तथा शिक्षकों को विश्वविद्यालय को कोर्स के बारे में जानकारी दी गई शिक्षकों ने अपने क्षेत्र में जानकारी विस्तृत करने की बात कही

आंगनबाड़ी केन्द्र चन्दपुर बिचपुरी

चन्दपुर बिचपुरी के आंगनबाड़ी केन्द्र पर समन्वय स्थापित किया गया

प्राथमिक विद्यालय गौटिया बिचपुरी

प्राथमिक विद्यालय गौटिया बिचपुरी में अध्यापकों से संपर्क किया गया तथा विश्वविद्यालय के कोर्सों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई

आंगनबाड़ी केन्द्र गौटिया बिचपुरी

गौटिया बिचपुरी के आंगनबाड़ी केन्द्र पर समन्वय स्थापित किया गया

पंचायत भवन चन्दपुर बिचपुरी

चन्दपुर बिचपुरी पंचायत भवन में जनसंपर्क किया गया तथा विश्वविद्यालय के कोर्सों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई

पंचायत भवन दोहरा बरेली

ग्राम पंचायत दोहरा ग्राम प्रधान तथा ग्राम पंचायत अधिकारी (ग्राम सचिव) से संपर्क स्थापित किया गया तथा विश्वविद्यालय के कोर्स के बारे में बताया गया ग्राम सचिव में जिले में सभी सचिव को विश्वविद्यालय के कोर्स के बारे में बताने की बात की तथा ग्राम पंचायत में इच्छुक विद्यार्थियों को प्रवेश करने की बात कही

प्राथमिक विद्यालय दोहरा बरेली

प्राथमिक विद्यालय दोहरा बरेली में शिक्षकों से विश्वविद्यालय के बारे में जानकारी दी गई

प्राथमिक विद्यालय लालपुर

प्राथमिक विद्यालय लालपुर में शिक्षकों से संपर्क कर विश्वविद्यालय के कोर्स के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी गई यह भी बताया गया कि आप नौकरी के साथ–साथ विश्वविद्यालय से डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एवं जागरूकता कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं]

मुक्त चिन्तन

21 सितम्बर, 2024

क्षेत्रीय केंद्र आजमगढ़ के क्षेत्रीय समन्वयक द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्स एवं नामांकन के विषय में जानकारी देते हुए

आज क्षेत्रीय केंद्र आजमगढ़ के डॉ प्रेम प्रकाश कुशवाहा क्षेत्रीय समन्वयक, आजमगढ़ के तमोली कंपोजिट विद्यालय के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं प्रधानाचार्य से मुलाकात कर विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्स एवं एडमिशन लेने के लिए अभिप्रेरित किया गया।

आज क्षेत्रीय केंद्र आजमगढ़ के डॉ प्रेम प्रकाश कुशवाहा क्षेत्रीय समन्वयक, आजमगढ़ के मोलनापुर माफी के कंपोजिट विद्यालय के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं प्रधानाचार्य से मुलाकात कर विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्स एवं एडमिशन लेने के लिए अभिप्रेरित किया गया।

दैनिक भास्कर
झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित
योगी सरकार के अधिकारी 125 टीबी मरीजों को लेंगे गोद : 16

दूरस्थ शिक्षा माध्यम से प्रवेश पूर्व परामर्श सत्र कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

भास्कर ब्यूरो

गोला गोकर्णनाथ, (लखीमपुर)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय गोला में स्थिति केन ग्रोअर्स नेहरु पी.जी. कालेज, खुटार रोड स्थित श्री गुरु हरिकिशन डिग्री कालेज, श्रीगुरु नानक कन्या महाविद्यालय में प्रवेश पूर्व परामर्श सत्र कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रुप से प्रवेश पूर्व परामर्श कार्यक्रम की शुरुआत गोला नगर के सबसे प्राचीन महाविद्यालय केन ग्रोअर्स नेहरू पी.जी. कालेज से की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ नीरांजलि सिन्हा ने सभी विद्यार्थियों को दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता व उससे होने वाले दूरगामी लाभ के विषय में जानकारी दी। साथ ही घर घर व द्वार द्वार तक शिक्षा की जानकारी पर विशेष बल दिया। डॉ नीलांजलि ने विद्यार्थियों का उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तहत चलाए जाने वाले विभिन्न प्रोग्राम जिसमें सर्टिफिकेट, डिग्री, डिप्लोमा आदि की विस्तृत जानकारी दी। समय एवं विषय की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए प्रमुख रुप से एम.एस.डब्ल्यू, रिमोट, सेंसिंग, योगा में डिग्री, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट उपलब्ध कराए जाने के साथ विशेष रुप से महिलाओं को स्वाबलंबी बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही कौशल विकास योजना के तहत विभिन्न कार्यक्रम व प्रोग्रामों की सर्टिफिकेट व डिग्री कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. सिन्हा ने पं. दीन दयाल की उस उत्कर्ष सोच को भी साझा किया। जिसमे समाज में आखिरी पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की बात कही है। कार्यक्रम में कालेज प्राचार्य डा पंकज सिंह, अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक डॉ पीयूश कुमार शुक्ल ने प्रो. विवेक कुमार सिंह, डॉ मनोज कुमार सरोज, डा अमित कुमार यादव, अनिल सिंह, प्रदीप कुमार, प्रशांत गिरि, श्रीगुरु हरिकिशन कालेज के प्राचार्य डॉ. निर्मल सिंह, डॉ. आदर्श दीक्षित, पदुमकांत मिश्रा, जितेन्द्र सिंह, सुधाकर मिश्र, श्वेतांक सक्सेना, आकाश शर्मा, वेदिका पुरवार, कन्हैया लाल मिश्रा, सुनील गुप्ता, श्वेता गुप्ता, अरुण शुक्ला, श्री गुरुनानक कन्या महाविद्यालय के डॉ. अंजू भोगल, डॉ. हिमांशू शुक्ला, डॉ. सीमा पाठक, शालिनी मिश्रा, धनेन्द्र कुमार वर्मा सहित तमाम शिक्षक व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

दूरस्थ शिक्षा माध्यम से महाविद्यालय में प्रवेश पूर्व परामर्श सत्र कार्यक्रम का आयोजन

गोला गोकर्णनाथ, खीरी, समृद्धि न्यूज।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय गोला में स्थिति केन ग्रोअर्स नेहरु पी.जी. कालेज, खुटार रोड स्थित श्री गुरु हरिकिशन डिग्री कालेज, श्रीगुरु नानक कन्या महाविद्यालय में प्रवेश पूर्व परामर्श सत्र कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से प्रवेश पूर्व परामर्श कार्यक्रम की शुरुआत गोला नगर के सबसे प्राचीन [illegible]

उससे होने वाले दूरगामी लाभ के विषय में जानकारी दी। साथ ही घर घर व द्वार द्वार तक शिक्षा की जानकारी पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में कालेज प्राचार्य डा पंकज सिंह, अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक डॉ [illegible]

निर्मल सिंह, डॉ. आदर्श दीक्षित, पदुमकांत मिश्रा, जितेन्द्र सिंह, सुधाकर मिश्र, श्वेतांक सक्सेना, आकाश शर्मा, वेदिका पुरवार, कन्हैया लाल मिश्रा, सुनील गुप्ता, श्वेता गुप्ता, अरुण शुक्ला, श्री [illegible]

कानपुर महानगर
वर्ष : 8 पृष्ठ : 8
अंक : 239
मूल्य ₹2.00/-
कानपुर, शनिवार 21 सितंबर 2024

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
स्वतंत्र हित
सच जन-जन तक

swatantrahit.khabhar@gmail.com

बुमराह का चौका बांग्लादेश 149 पर ढेर.... ▶पेज - 8

नगर के सीजीएन पीजी, हरि किशन डिग्री व गुरुनानक कन्या महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

स्वतंत्र हित

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय से नगर की लखीमपुर रोड स्थित केन ग्रोअर्स नेहरू पीजी. कालेज, खुटार रोड स्थित श्री गुरू हरिकिशन डिग्री कालेज व श्रीगुरू नानक कन्या महाविद्यालय में प्रवेश पूर्व परामर्श सत्र कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिस क्रम में प्रमुख रूप से प्रवेश पूर्व परामर्श कार्यक्रम की शुरूआत गोला नगर के सबसे प्राचीन महाविद्यालय केन ग्रोअर्स नेहरू पीजी. कालेज से की गई। जिसमें प्रमुख रूप से कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं साथ ही कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ नीरांजलि सिन्हा ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों को दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता व उससे होने वाले दूरगामी लाभ से अवगत करते हुए घर-घर व द्वार-द्वार तक शिक्षा पर बल देते हुए प्रमुख रूप से सभी को उम्र आदि का बन्धन त्याग कर पढ़ने के लिए प्रेरित भी किया। डॉ नीलांजलि ने उपस्थित विद्यार्थियों का उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के अन्तर्गत चलाये जाने वाले विभिन्न प्रोग्राम जिसमें सर्टिफिकेट, डिग्री व डिप्लोमा आदि की विस्तृत जानकारी देते हुए व समय एवं विषय की उपयागिता को ध्यान में रखते हुए प्रमुख रूप से एम.एस. डब्ल्यू , रिमोट, सेंसिंग, योगा में डिग्री एवं डिप्लोमा व सर्टिफिकेट व विशेष रूप से महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने हेतु भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही कौशल विकास योजना के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम व प्रोग्रामों की सर्टिफिकेट व डिग्री कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देने के साथ ही उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा इसके महत्व व उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। अपने कार्यक्रम के द्वारा डॉ. सिन्हा ने पं. दीन दयाल की उस उत्कर्ष सोच को भी साझा किया, जिसमे समाज में आखिरी पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की बात कही गयी है। साथ ही सभी को शिक्षित करना व महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए महिलाओं के शिक्षित होने के साथ-साथ एक कुशल ग्रहणी बनने पर भी विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षीय व आभार भाषण हेतु सीजीएनपीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. पंकज सिंह ने डॉ. सिन्हा का आभार प्रकट करते हुए विद्यार्थियों को दूरस्थ शिक्षा के तहत महाविद्यालय में संचालित उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के साथ-साथ दूरस्थ शिक्षा की महत्ता एवं उपयोगिता पर विशेष बल दिया। तीनों महाविद्यालयों में प्रमुख रूप से कार्यक्रमों का संचालन उत्तर प्रदेष मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र केन ग्रोअर्स नेहरू पीजी. कॉलेज गोला के समन्वयक व अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक डॉ पीयूश कुमार शुक्ल ने किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सीजीएनपीजी कालेज के प्रो. विवेक कुमार सिंह, डॉ मनोज कुमार सरोज, डा अमित कुमार यादव, अनिल सिंह, प्रदीप कुमार, प्रशांत गिरि, गुरू हरिकिशन कालेज में आयोजित कार्यक्रम मे प्राचार्य डॉ. निर्मल सिंह, डॉ. आदर्श दीक्षित, पदुमकान्त मिश्रा जी, जितेन्द्र सिंह, सुधाकर मिश्र, श्वेतांक सक्सेना, आकाश शर्मा, सुश्री वेदिका पुरूवार, कन्हैया लाल मिश्रा, सुनील गुप्ता, सुश्री श्वेता गुप्ता, अरूण शुक्ला आदि उपस्थित रहे। वहीं गुरूनानक कन्या महाविद्यालय में कार्यक्रम के दौरान डॉ. अंजू भोगल, डॉ. हिमांशू शुक्ला, डॉ. सीमा पाठक, श्रीमती शालिनी मिश्रा, व धनेन्द्र कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के गंगा परिसर स्थित आवासीय भवन में सघन साफ सफाई अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मा.कुलपति जी के नेतृत्व में सघन साफ सफाई अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के गंगा परिसर स्थित कर्मचारी आवास के समीप दिनांक 21 सितंबर, 2024 स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वाधान में माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के अध्यक्षता में सघन स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर कर्मचारी आवास में रह रहे कर्मचारियों एवं उनके पारिवारिक सदस्यों को सघन साफ सफाई अभियान से जागरुक किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने सफाई अभियान में शामिल होकर परिसर को साफ सुथरा बनायें रखने के लिए जागरुक किया। सफाई अभियान कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के साथ विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक, कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

मा.कुलपति जी के नेतृत्व में सघन साफ सफाई अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

21 सितम्बर, 2024

प्रीति रुरल इंस्टीट्यूट फॉर टेक्नोलॉजी एंड एजुकेशन (प्रीति कॉलेज) बरेली एस 1109

दिनॉक 21/09/2024 को प्रीति रुरल इंस्टीट्यूट फॉर टेक्नोलॉजी एंड एजुकेशन (प्रीति कॉलेज) में क्षेत्रीय सामान्य डॉ0 सतेन्द्र बाबू ने कॉलेज के प्रबन्धक डा0 सुरेन्द्र गंगवार जी से संपर्क किया तथा पूर्व में हुए एडमिशन में समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं प्रवेश बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी दी गई

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोहरी बरेली

दिनॉक 21/09/2024 को नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तर माध्यमिक विद्यालय दोहरा बरेली पर जनसंपर्क क्षेत्रीय सामान्य डॉ0 सतेन्द्र बाबू द्वारा किया गया एवं शिक्षकों को विश्वविद्यालय में संचालित कोर्स के बारे में बताया तथा उन्हें यह भी बताया गया कि आप नौकरी के साथ–साथ उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से कोई कोर्स कर सकते हैं तथा विश्वविद्यालय के जागरूकता कार्यक्रम के बारे में भी बताया गया

संस्कृत महाविद्यालय वेदामऊ वैदिक विद्यापीठ,बदायूँ एस 1889

दिनाँक 22/09/2024 नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्रीय सामान्य डॉ0 सतेन्द्र बाबू द्वारा संस्कृत महाविद्यालय वेदामऊ वैदिक विद्यापीठ, के प्रबन्धक श्री वेद मित्र जी से संपर्क किया विश्वविद्यालय में संचालित सभी कोर्स का विवरण पर विचार विमर्श एवं नामांकन बढ़ाने के लिए कहा गया

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के कर्मचारियों द्वार दिनाँक 22/09/2024 को नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम के सन्दर्भ में जन सम्पर्क किया गया

प्राथमिक विद्यालय बिहारीपुर

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के कर्मचारियों द्वारा प्राथमिक विद्यालय बिहारीपुर तथा आंगनबाड़ी केन्द्र पर सम्पर्क किया गया एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्स के बारे में जानकारी दी गई इस मौके पर ग्राम प्रधान सत्यपाल सिंह यादव जी, स्कूल के अध्यापक गण तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से विचार विमर्श किया।

मुक्त चिन्तन

22 सितम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने अपने आवास एवं आस–पास के परिवारों के साथ किये सफाई

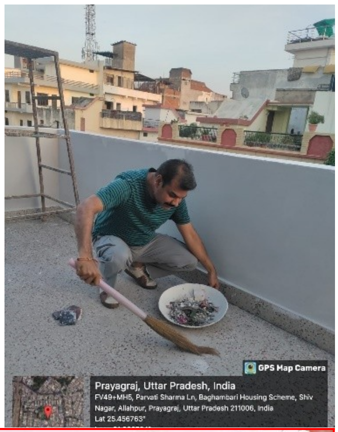

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निदेश पर शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने अपने आवास एवं आस–पास के परिवारों के साथ दिनांक 22 सितंबर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत सघन स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने अपने आस–पास के पारिवारों के सदस्यों को सघन साफ सफाई अभियान से जागरुक किया गया।

मुक्त चिन्तन

23 सितम्बर, 2024

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अन्तर्गत मुक्त विश्वविद्यालय में की गई नालियों की सफाई

विश्वविद्यालय के नालियों का साफ सफाई करते हुए मा.कुलपति जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के गंगा परिसर में दिनांक 23 सितंबर, 2024 स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के अध्यक्षता में नालियों का सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को सघन साफ सफाई अभियान से जागरुक किया गया। माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने सफाई अभियान में शामिल होकर परिसर को साफ सुथरा बनायें रखने के लिए जागरुक किया। सफाई अभियान कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के साथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के के संयोजजक प्रो0 सन्तोषा कुमार, विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

23 सितम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय में 'स्वच्छ भारत दिवस' कार्यक्रम के सम्बन्ध में बैठक

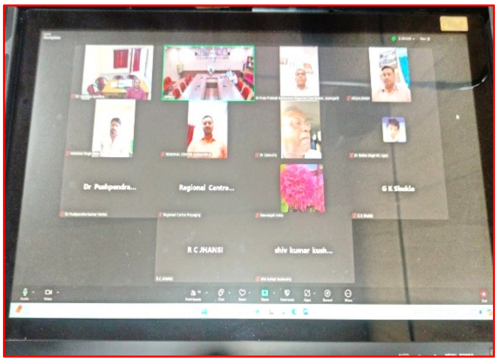

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के द्वारा दिनांक 23 सितंबर, 2024 को 'स्वच्छ भारत दिवस' कार्यक्रम के अंतर्गत सभी विद्याशाखाओं एवं क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयकों के साथ 02 अक्टूबर, 2024 को इसके सफल आयोजन के सम्बन्ध में बैठक आहूत कर रणनीति बनाई। बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी जी ने की।

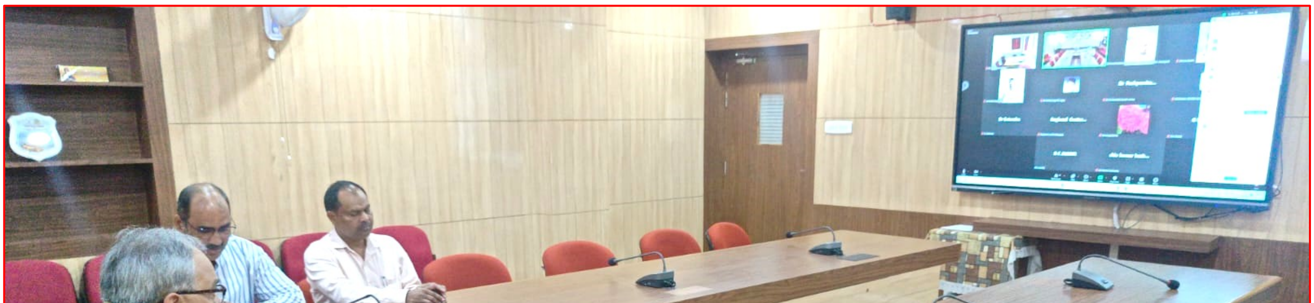

बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

अमर उजाला
महानगर
वर्ष 28 । अंक 100 । पृष्ठ : 16
मूल्य : सात रुपये
प्रयागराज
मंगलवार, 24 सितंबर 2024

शिक्षा आयोग के परीक्षा नियंत्रक बने देवेंद्र

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का परीक्षा नियंत्रक बना दिया गया है। उन्हें आयोग में परीक्षा नियंत्रक के पद पर तीन साल के लिए प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया है। इस बावत उच्च शिक्षा के विशेष सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी की ओर से सोमवार को आदेश जारी कर दिए गए।

देवेंद्र प्रताप सिंह को शिक्षा सेवा चयन आयोग का परीक्षा नियंत्रक बनाए जाने पर मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से अनापत्ति दी जा चुकी है। मुक्त विवि से कार्यमुक्त होने के बाद वह शिक्षा सेवा चयन आयोग में परीक्षा नियंत्रक पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। आयोग के गठन के बाद से ही परीक्षा नियंत्रक का पद खाली चल रहा था जबकि किसी भी परीक्षा के आयोजन में परीक्षा नियंत्रक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है।

अभी राजर्षि टंडन मुक्त विवि में परीक्षा नियंत्रक की संभाल रहे थे जिम्मेदारी

परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह

आयोग को अध्यक्ष, 12 सदस्य एवं सचिव पहले ही मिल चुके हैं और अब परीक्षा नियंत्रक की नियुक्ति हो जाने से आयोग में लंबित पड़ी भर्ती परीक्षाओं को लेकर जल्द ही कोई निर्णय होने की उम्मीद है। अशासकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों और अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में टीजीटी-पीजीटी के 4163 पदों पर दो साल से अधिक समय से भर्ती लंबित पड़ी है।

पदभार संभालने के बाद परीक्षा नियंत्रक को लंबित भर्ती परीक्षाओं पर निर्णय लेने का दबाव होगा। साथ ही शासन की ओर से जारी नई गाइडलाइन के अनुरूप परीक्षाओं के आयोजन की व्यवस्था करनी होगी, जिसमें केंद्र निर्धारण, प्रश्न पत्रों की छपाई, परीक्षा पर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम की व्यवस्था करने जैसी तमाम चुनौतियां उनके सामने होंगी।

आज क्षेत्रीय केंद्र आजमगढ़ के डॉ प्रेम प्रकाश कुशवाहा क्षेत्रीय समन्वयक, आजमगढ़ के पकड़ी के प्राथमिक विद्यालय के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं प्रधानाचार्य से मुलाकात कर विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्स एवं एडमिशन

मुक्त चिन्तन

23 सितम्बर, 2024

आगरा क्षेत्रीय केंद्र द्वारा आज दिनांक 23 सितंबर 2024 को श्रीमती लीला देवी का इंटर कॉलेज में नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। काफी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति थी। उन्हें मुक्त विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी दी गई, जिनसे वो लाभान्वित हो सकती हैं।प्रवेश चल रहे हैं, आप सभी प्रवेश लेकर एक अतिरिक्त कोर्स भी पूरा कर सकती हैं। छात्रों ने अपनी जिज्ञासा भी रखी। छात्राओं के बीच अच्छी सकारात्मक वार्ता रही।विद्यालय की प्रवक्ताएं भी उपस्थित थीं।

मुक्त चिन्तन

23 सितम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय में रामधारी सिंह दिनकर की कविताओं का हुआ पाठ

सितम्बर, 2024 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में कविता पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की।
इस अवसर पर रामधारी सिंह दिनकर के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर आधारित वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी जी रहे तथा जयंती समारोह में कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर रुचि बाजपेई रही। इस अवसर पर

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 अनुपम

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम समन्वयक मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने कहा कि रामधारी सिंह दिनकर राष्ट्रीयता को काव्य का मूल आधार मानते थे। काव्य के साथ ही गद्य के क्षेत्र में उनका भूतपूर्व योगदान था। एक ओर उनकी कविताओं में ओज, आक्रोश एवं क्रांति की पुकार है तो दूसरी ओर कोमल भावनाओं की अभिव्यक्ति है।

जयंती समारोह में कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने रामधारी सिंह दिनकर जी के जीवन वृत्त पर जानकारी प्रदान की। प्रोफेसर बाजपेई ने कहा कि दिनकर जी को उनकी प्रसिद्ध पुस्तक संस्कृत के चार अध्याय के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा उर्वशी के लिए भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया।

रामधारी सिंह दिनकर
की काव्य रचनाओं का सस्वर पाठ
करती हुई डॉ स्मिता अग्रवाल, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डा अतुल कुमार मिश्रा, डॉ शिवेंद्र कुमार सिंह तथा डॉक्टर अब्दुर्रहमान फैसल आदि

मुक्त चिन्तन

रामधारी सिंह दिनकर के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर आधारित वृत्त चित्र का प्रदर्शन

मुक्त चिन्तन

दिनकर की कविताओं में भारतीय दर्शन की झलक – प्रोफेसर सत्यकाम

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि दिनकर जी की कविताओं में भारतीय दर्शन की झलक साफ दिखाई पड़ती है। दिनकर जी ने संस्कृत के चार अध्याय में भारतीय संस्कृति की विस्तृत चर्चा की है। दिनकर जन कवि थे। उन्होंने जनमानस की पीड़ा को बहुत प्रमुखता से अपने काव्य रचना में उद्धृत किया। जिसके कारण जनता ने उन्हें कवि माना। वे श्रीकृष्ण के बहुत बड़े उपासक थे। किसानों, गरीबों और महिलाओं के प्रति उनके मन में बहुत सम्मान का भाव था। जिसका प्रतिबिंब उनकी काव्य रचना में परिलक्षित होता है। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आज हमें युवा पीढ़ी को रामधारी सिंह दिनकर की ओजपूर्ण कविताओं का पाठ पढ़ाना चाहिए। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि दिनकर का यह मानना था कि साहित्यकार को विज्ञान पढ़ना चाहिए और वैज्ञानिकों को साहित्य पढ़ना चाहिए जिससे उनके अंदर हर विषय की समझ विकसित हो सके।

मुक्त चिन्तन

24 सितम्बर, 2024

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अन्तर्गत मुक्त विश्वविद्यालय के समस्त विद्या शाखाओं एवं क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा पौधारोपण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निदेश पर दिनांक 24 सितंबर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं एवं क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा पौधारोपण किया गया। जिसमें समस्त विद्याशाखाओं एवं क्षेत्रीय केन्द्रों के कर्मचारियों, शिक्षकों, छात्र–छात्रायें एवं स्कूल के बच्चे आदि ने पौधा रोपण में सहभागिता की। साथ ही सभी ने यह संकल्प भी लिया की हम इन पौधों की देखभाल नियमित रूप से करेंगे।

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अनुक्रम में क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ द्वारा दिनांक 24 सितंबर 2024 को पौधारोपण किया गया। जिसमें क्षेत्रीय केंद्र के समस्त स्टाफ ,छात्र एवं स्कूल की एक बच्ची सौभाग्या सिंह ने भी पौधा रोपण में सहभागिता की। साथ ही सभी ने यह संकल्प भी लिया की हम इन पौधों की देखभाल नियमित रूप से करेंगे।

क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के द्वारा श्स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियानश के तहत आज दिनांक 24 सितंबर, 2024 को पौधरोपण कार्यक्रम के तहत क्षेत्रीय केंद्र के परिसर में शिक्षार्थीयों एवं कर्मचारियों ने पौधरोपण किया।

मुक्त चिन्तन

24 सितम्बर, 2024

आज स्वच्छता सेवा अभियान 2024 के तहत क्षेत्रीय केन्द्र आगरा के अन्तर्गत आने वाले मथुरा स्थित अध्ययन केन्द्र श्रीमती लीला देवी महाविद्यालय एस–1447 में जाकर पौधारोपण का कार्यक्रम संपन्न किया गया

आज स्वच्छता सेवा अभियान 2024 के तहत क्षेत्रीय केंद्र झांसी द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम संपन्न किया

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, बरेली पर स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत आज दिनांक 24 सितम्बर, 2024 को क्षेत्रीय केन्द्र एवं उसके आस–पास वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया

आज स्वच्छता सेवा अभियान 2024 के तहत क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम संपन्न किया

क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी के द्वारा श्स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियानश् के तहत आज दिनांक 24 सितंबर, 2024 को पौधरोपण कार्यक्रम के तहत महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के परिसर में कर्मचारियों ने पौधरोपण किया।

आज स्वच्छता सेवा अभियान 2024 के तहत क्षेत्रीय केंद्र आजमगढ़ द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम संपन्न किया

आज स्वच्छता सेवा अभियान 2024 के तहत क्षेत्रीय केंद्र कानपुर द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम संपन्न किया

आज स्वच्छता सेवा अभियान 2024 के तहत विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम संपन्न किया

आज स्वच्छता सेवा अभियान 2024 के तहत क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम संपन्न किया

मुक्त चिन्तन

24 सितम्बर, 2024

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम की रिपोर्ट
क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी एस–1604
दिनांक 24 सितम्बर 2024

दिनांक 24 सितम्बर 2024 को क्षेत्रीय केन्द्र के द्वारा पुलिस लाइन प्रभारी से मिलकर विश्वविद्यालय संचालित कोर्स एवं पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी एवं प्रशिक्षु पुलिस कर्मचारियों को प्रवेश प्रक्रिया मे शामिल करने के लिये समय माँगा।

महिला थाना प्रभारी सिविल लाइन से मिलकर प्रवेश की समस्त जानकारियाँ दी एवं प्रभारी महिला थाना ने कल समस्त कर्मचारियों को मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश प्रकिया के बारे में जानकारी देने के लिये समय दिया।

बेसिक प्राईमरी कन्या पाठशाला पिछौर झाँसी के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षिका से मिलकर मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रमों की जानकारी दी तथा ऑगनवाड़ी कार्यकत्री से मिलकर बी०ए० पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिये प्रोत्साहित किया।

प्राथमिक विद्यालय मेडिकल झाँसी के प्रधानाध्यापिका से मिलकर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी। तथा आंगनवाड़ी कार्यकत्री को प्रवेश के लिय प्रोत्साहित किया।

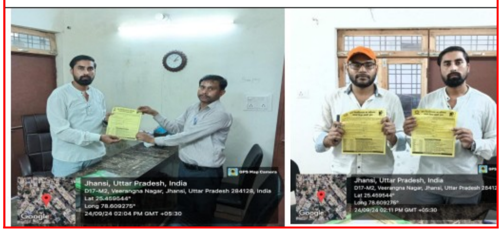

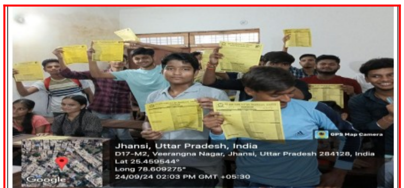

न्यूटन कोचिंग सेन्टर शिवाजी नगर झाँसी के निदेशक से मिलकर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी। तथा छात्र–छात्राओं को प्रवेश के लिये प्रोत्साहित किया।

सी०एस० कम्प्यूटर सेन्टर शिवाजी नगर झाँसी के निदेशक से मिलकर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी। तथा छात्र–छात्राओं को प्रवेश के लिये प्रोत्साहित किया।

बाला जी क्लासेस शिवाजी नगर झाँसी के निदेशक से मिलकर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी। तथा छात्र–छात्राओं को प्रवेश के लिये प्रोत्साहित किया।

दिनकर की कविताओं में भारतीय दर्शन की झलक : प्रो. सत्यकाम

--मुक्त विवि में रामधारी सिंह दिनकर की कविताओं का हुआ पाठ

प्रयागराज, 23 सितम्बर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त

livevns.news

https://livevns.news/uttar-pradesh/ramdhari-

मुक्त चिन्तन

25 सितम्बर, 2024

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अन्तर्गत मुक्त विश्वविद्यालय के समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा गॉवों में स्वच्छता अभियान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निदेश पर दिनांक 25 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा गॉवों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही सभी ने गॉव के परिवारों के साथ स्वच्छता अभियान की सार्थकता के बारे में चर्चा की।

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत क्षेत्रीय केंद्र आगरा के अंतर्गत मथुरा जिले के बलदेव गांव में एक परिवार के साथ स्वच्छता अभियान की सार्थकता के बारे में चर्चा के साथ–साथ परिवार के साथ परिसर में साफ–सफाई अभियान चलाया गया।

स्वच्छता ही सेवा 2024 के अंतर्गत आज क्षेत्रीय केंद्र झांसी के द्वारा पिछोर में सफाई अभियान चलाया गया।

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, बरेली के कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत आज दिनांक 25 सितम्बर, 2024 को ग्राम बिहारीपुर में स्वच्छता कार्यक्रम किया गया एवं लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया जिसमें ग्राम प्रधान एवं ग्राम वासियों ने सहयोग किया साथ ही विश्वविद्यालय के कोर्सो के बारे में ग्राम वासियों को जानकारी दी गई

आज क्षेत्रीय केंद्र आजमगढ़ के डॉ0 प्रेम प्रकाश कुशवाहा क्षेत्रीय समन्वयक ने स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत नीबी गांव, में ग्राम प्रधान के माध्यम से स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया जिसमें करीब 25 पुरुष एवं महिलाओं में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता संबंधी आदत ऑन के विषय में बताया गया तथा साथ ही क्षेत्रीय केंद्र द्वारा कोलगेट एवं लाइव बाय साबुन वितरण किया गया

मुक्त चिन्तन 25 सितम्बर, 2024

क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज द्वारा आज दिनांक 25 सितम्बर, 2024 को गांव चकिया घाट में स्वच्छता सेवा अभियान चलाया गया जिसमें क्षेत्र के प्रयागराज के समन्वयक डा अभिषेक सिंह, श्री अमित कुमार सिंह, राम प्रवेश यादव, आशुतोष मिश्रा, शेर्यांश सिंह, अनिल कुमार एवम गांव के लोग भी उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ द्वारा आज 25 सितंबर 2024 को डिप्टी गंज गांव में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में वहां की सुपरवाइजर कंचन लता सिंह, कार्य कत्रियों , सहचारिकों, ग्रामीण महिलाओं व उनके छोटे छोटे बच्चों के साथ राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के बारे में चर्चा की गई। विस्तार के साथ उन्हें प्रवेश से संबंधित जानकारी दी गई।विश्वविद्यालय की मुख्य विशेषताएं साझा की गई। उन्हे बाल मनोविज्ञान के बारे में भी बताया गया।सभी को विश्व विद्यालय का पैम्फलेट भी वितरित किया गया। उन लोगो ने कई प्रश्न भी पूछे जैसे ,आवेदन कैसे करना है, परीक्षा देने कहां जाना होगा, काम भी कर सकते है आदि । सभी का सकारात्मक उत्तर दिया गया। एक आंगन बड़ी कार्यकत्री ने एम ए इसी विश्व विद्यालय से किया है। आंगनबाड़ी की कार्य कत्रियों द्वारा पोषण माह के तहत रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया था। डिप्टी गंज गांव के इस आंगनबाड़ी केंद्र पर स्वच्छता सेवा अभियान के अनुक्रम में सभी ने मिल कर साफ सफाई भी किया।कंचन लता सिंह,सुपरवाइजर बाल विकास परियोजना सरोजिनी नगर लखनऊ आंगनबाड़ी कार्यकत्री गुड़िया सिंह ,आंगनवाड़ी सहायिका गुड्डन यादव , लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र से अरुण कुमार ,सोनू, सुनील सभी उपस्थित रहे।

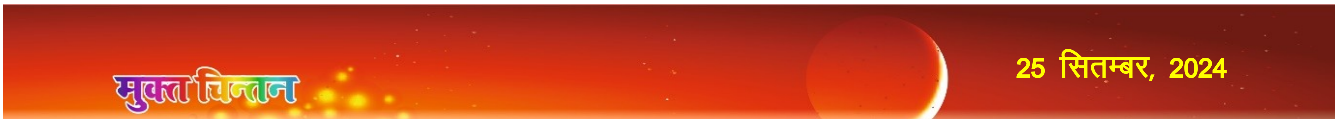

आज दिनांक 25 सितंबर, 2024 को विश्वविद्यालय द्वारा चलाए गए 'स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान' के तहत क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या ने जनौरा ग्राम में स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में अवगत कराया तथा साथ ही स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को डेटॉल साबुन वितरित कर साफ–सफाई हेतु प्रेरित किया गया।

आज दिनांक 25 सितंबर, 2024 को विश्वविद्यालय द्वारा चलाए गए स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत क्षेत्रीय केंद्र मेरठ ने जटीबाडा में स्वच्छता अभियान चलाया और वृक्षा रोपण किया

क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ द्वारा दिनांक 25 सितंबर 2024 को बरौली गांव में ग्रामीण वासियों के साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें छात्र अनुपम राय एम ए भूगोल, नेहा चौधरी एम ए इतिहास ,संगीता गौतम एकल विषय संस्कृत, क्षेत्रीय केंद्र से अरुण कुमार सोनू सुनील ने सहभागिता की। सफाई अभियान के दौरान उस क्षेत्र के जनमानस को स्वच्छता की महत्ता के बारे में बताया गया। आसपास सफाई की गई एवं सभी को स्नान का साबुन डायना, घड़ी डिटर्जेंट साबुन ,शैंपू एवं निरमा के छोटे–छोटे पैकेट वितरित किए गए। उस क्षेत्र के लोगों के द्वारा काफी सहयोग किया गया

मुक्त चिन्तन

25 सितम्बर, 2024

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आज कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर संतोष कुमार जी के निर्देशन में गंगा परिसर के ध्वजारोहण मैदान में साफ सफाई किया गया। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी, कुलसचिव आदि शामिल हुए।

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत आज दिनांक 25 /09 /2024 को ग्राम– चौरा, वाराणसी में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया एवं लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया जिसमें ग्राम प्रधान एवं ग्राम वासियों ने सहयोग किया साथ ही विश्वविद्यालय के कोर्सों के बारे में ग्राम वासियों को जानकारी दी गई!

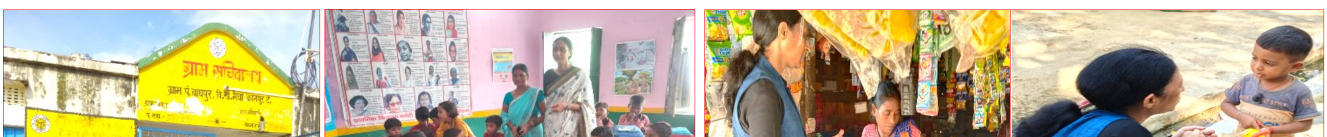

R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 14
अंक : 18
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
गुरुवार, 26 सितम्बर, 2024

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

अनधिकृत यूट्यूब चैनल की लगाम कसने की तैयारी : मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली का स्वरूप यथावत - कुलपति

विश्वविद्यालय की वेबसाइट और मोबाइल एप से ही जानकारी प्राप्त करें छात्र- प्रोफेसर सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर प्रणाली को लचीला बनाते हुए छात्रों के हित में कई नए फैसले लिए हैं। यूजीसी ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विद्यार्थियों के लिए नई शिक्षा नीति 2020 में सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत कई सुविधाएं प्रदान की हैं। सेमेस्टर प्रणाली में अधिन्यास की अनिवार्यता को लचीला बनाया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विशेषज्ञ एवं मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने यह स्पष्ट किया कि मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर सिस्टम समाप्त नहीं किया गया है बल्कि दूर शिक्षा के लचीलेपन को देखते हुए विद्यार्थियों को यह विकल्प दिया गया है कि वह नामांकन करने के वर्ष भर बाद भी परीक्षा दे सकते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली का स्वरूप यथावत बना रहेगा। यह व्यवस्था पूर्व में भी लागू थी। विद्यार्थी की सुविधा के लिए केवल इसमें प्रविधि और प्रारूप का परिवर्तन किया गया है।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि विश्वविद्यालय में दैनंदिन हो रही गतिविधियों की सूचना छात्रों तक पहुंचाने के लिए हाल ही में एकलव्य एप का विमोचन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने कर कमलों से किया है। इस एप को अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय में हो रही समस्त गतिविधियों एवं निर्णय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे विश्वविद्यालय के नाम पर चल रहे कई अनधिकृत यूट्यूब चैनल द्वारा दी जा रही जानकारी से सावधान रहें। यह अनाधिकृत चैनल पूरे प्रदेश में छात्रों को गुमराह कर रहे हैं। विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश होने की वजह से सभी जगह के विद्यार्थी विश्वविद्यालय तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सोशल मीडिया से जानकारी प्राप्त करने के प्रयास में अनाधिकृत ढंग से चल रहे यूट्यूब चैनल द्वारा दी जा रही जानकारी को ही सही मान बैठते हैं। प्रोफेसर सत्यकाम ने पूरे प्रदेश के छात्र-छात्राओं को यह सलाह दी है कि वह केवल विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन पर लॉगिन करें। जिससे उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा लिए जा रहे निर्णय के बारे में अद्यतन जानकारी मिल सके। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने विश्वविद्यालय में स्थापित सेन्टर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन को निर्देशित किया है कि वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट के कवर पेज एवं लोगो का इस्तेमाल करने वाले ऐसे अनधिकृत यूट्यूब चैनल की रिपोर्ट उन्हें एक सप्ताह में सौंपे। ऐसा करना साइबर क्राइम की श्रेणी में आता है। विश्वविद्यालय इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई करेगा।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि सेमेस्टर प्रणाली दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का मुख्य अंग है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी सेमेस्टर प्रणाली को विश्वविद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था का प्रमुख अंग माना है। मुक्त विश्वविद्यालय में वर्ष में दो बार प्रवेश की व्यवस्था की गई है। छात्रों के लिए यह हितकारी व्यवस्था इसलिए है कि वह किसी भी सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल हो सकता है। जो छात्र किसी कारण सेमेस्टर की

परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते उन्हें वार्षिक परीक्षा में शामिल होने का मौका विश्वविद्यालय दे रहा है। दूरस्थ शिक्षा के लचीलेपन की यही खूबी है कि यहां छात्रों के द्वार तक शिक्षा पहुंचाई जा रही है।

विश्वविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाले विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम दूरस्थ शिक्षा की दशा और दिशा बदलने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं । वह छात्रों के सामने आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए उनके हित में फैसला लेने के लिए आगे बढ़कर कार्य कर रहे हैं। पूरे उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय केन्द्रों की कार्यशाला के बाद छात्रों की समस्याओं का त्वरित समाधान न होने के कारण अभी तक छात्र संख्या के 1 लाख तक नहीं पहुंचने का फीडबैक मिलने के कारण उन्होंने वीसी ग्रीवांस सेल का गठन किया है। जहां छात्रों की समस्याओं का निस्तारण त्वरित गति से हो रहा है। अब प्रवेश की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2024 तक विस्तारित होने के बाद कुलपति ने आशा व्यक्त की है कि वर्तमान सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या 1 लाख के लक्ष्य को पार कर जाएगी। इसके लिए वह न केवल मुख्यालय बल्कि प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयको से निरंतर ऑनलाइन मीटिंग कर रहे हैं। गौरतलब है कि लगातार 18वें और 19वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल मुक्त विश्वविद्यालय को छात्र संख्या बढ़ाने के लिए निर्देशित कर चुकी हैं। जिसको लेकर विश्वविद्यालय गंभीर है और विश्वविद्यालय के लोकप्रिय कार्यक्रमों को छात्रों के द्वार तक ले जा रहा है।

R.N.I. NO-UPHIN/2023/84746
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
प्रयागराज से प्रकाशित

लक्ष्य समग्र

LS NEWS
सपनों का भारत

Tweeter - @lsnews24 | http://youtube.com/@LSNewslive | Website - lakshyasamagra.com | Facebook - http://www.facebook.com/isnews24

वर्ष : 02 अंक : 178 प्रयागराज, गुरूवार 26 सितम्बर 2024 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रूपया

मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली का स्वरूप यथावत -कुलपति

विश्वविद्यालय की वेबसाइट और मोबाइल एप से ही जानकारी प्राप्त करें छात्र-प्रोफेसर सत्यकाम

लक्ष्य समग्र/संवाददाता

प्रयागराज - उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर प्रणाली को लचीला बनाते हुए छात्रों के हित में कई नए फैसले लिए हैं।यूजीसी ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विद्यार्थियों के लिए नई शिक्षा नीति 2020 में सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत कई सुविधाएं प्रदान की हैं।सेमेस्टर प्रणाली में अधिन्यास की अनिवार्यता को लचीला बनाया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विशेषज्ञ एवं मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने यह स्पष्ट किया कि मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर सिस्टम समाप्त नहीं किया गया है बल्कि दूर शिक्षा के लचीलेपन को देखते हुए विद्यार्थियों को यह विकल्प दिया गया है कि वह नामांकन करने के वर्ष भर बाद भी परीक्षा दे सकते हैं।मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली

व्यवस्था पूर्व में भी लागू थी।विद्यार्थी

की सुविधा के लिए केवल इसमें प्रविधि और प्रारूप का परिवर्तन किया गया है।कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि विश्वविद्यालय में दैनंदिन हो रही गतिविधियों की सूचना छात्रों तक पहुंचाने के लिए हाल ही में एकलव्य एप का विमोचन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने कर कमलों से किया है। इस एप को अपने मोबाइल पर

विश्वविद्यालय में हो रही समस्त गतिविधियों एवं निर्णय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे विश्वविद्यालय के नाम पर चल रहे कई अनधिकृत यूट्यूब चैनल द्वारा दी जा रही जानकारी से सावधान रहें। यह अनाधिकृत चैनल पूरे प्रदेश में छात्रों को गुमराह कर रहे हैं।विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश होने की वजह से सभी जगह के विद्यार्थी विश्वविद्यालय तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सोशल मीडिया से जानकारी प्राप्त करने के प्रयास में अनाधिकृत ढंग से चल रहे यूट्यूब चैनल द्वारा दी जा रही जानकारी को ही सही मान बैठते हैं।प्रोफेसर सत्यकाम ने पूरे प्रदेश के छात्र-छात्राओं को यह सलाह दी है कि वह केवल विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट यूपीआरटीओयू

करें।जिससे उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा लिए जा रहे निर्णय के बारे में अद्यतन जानकारी मिल सके।कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने विश्वविद्यालय में स्थापित सेन्टर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन को निर्देशित किया है कि वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट के कवर पेज एवं लोगो का इस्तेमाल करने वाले ऐसे अनधिकृत यूट्यूब चैनल की रिपोर्ट उन्हें एक सप्ताह में सौंपे।ऐसा करना साइबर क्राइम की श्रेणी में आता है। विश्वविद्यालय इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई करेगा।कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि सेमेस्टर प्रणाली दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का मुख्य अंग है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी सेमेस्टर प्रणाली को विश्वविद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था का प्रमुख अंग माना है।मुक्त विश्वविद्यालय में वर्ष में दो बार प्रवेश की व्यवस्था की गई है। छात्रों

इसलिए है कि वह किसी भी सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल हो सकता है। जो छात्र किसी कारण सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते उन्हें वार्षिक परीक्षा में शामिल होने का मौका विश्वविद्यालय दे रहा है।दूरस्थ शिक्षा के लचीलेपन की यही खूबी है कि यहां छात्रों के द्वार तक शिक्षा पहुंचाई जा रही है।विश्वविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाले विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम दूरस्थ शिक्षा की दशा और दिशा बदलने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।वह छात्रों के सामने आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए उनके हित में फैसला लेने के लिए आगे बढ़कर कार्य कर रहे हैं। पूरे उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय केन्द्रों की कार्यशाला के बाद छात्रों की समस्याओं का

अभी तक छात्र संख्या के 1 लाख तक नहीं पहुंचने का फीडबैक मिलने के कारण उन्होंने वीसी ग्रीवांस सेल का गठन किया है। जहां छात्रों की समस्याओं का निस्तारण त्वरित गति से हो रहा है। अब प्रवेश की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2024 तक विस्तारित होने के बाद कुलपति ने आशा व्यक्त की है कि वर्तमान सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या 1 लाख के लक्ष्य को पार कर जाएगी। इसके लिए वह न केवल मुख्यालय बल्कि प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयको से निरंतर ऑनलाइन मीटिंग कर रहे हैं। गौरतलब है कि लगातार 18वें और 19वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल मुक्त विश्वविद्यालय को छात्र संख्या बढ़ाने के लिए निर्देशित कर चुकी है।जिसको लेकर विश्वविद्यालय गंभीर है और विश्वविद्यालय के लोकप्रिय कार्यक्रमों को छात्रों के द्वार

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI No.-UPHIN/2020/82181
www.harbaatnews.com

हरबात

प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 04 अंक : 296 प्रयागराज, गुरूवार, 26 सितम्बर, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

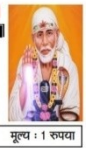

मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली का स्वरूप यथावत - कुलपति

विश्वविद्यालय की वेबसाइट और मोबाइल एप से ही जानकारी प्राप्त करें छात्र- प्रो.सत्यकाम

अनधिकृत यूट्यूब चैनल की लगाम कसने की तैयारी

हरबात संवाददाता

प्रयागराज । उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर प्रणाली को लचीला बनाते हुए छात्रों के हित में कई नए फैसले लिए हैं। यूजीसी ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विद्यार्थियों के लिए नई शिक्षा नीति 2020 में सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत कई सुविधाएं प्रदान की हैं। सेमेस्टर प्रणाली में अधिन्यास की अनिवार्यता को लचीला बनाया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विशेषज्ञ एवं मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने यह स्पष्ट किया कि मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर सिस्टम समाप्त नहीं किया गया है बल्कि दूर शिक्षा के लचीलेपन को देखते हुए विद्यार्थियों को यह विकल्प दिया गया है कि वह नामांकन करने के वर्ष भर बाद भी परीक्षा दे सकते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली का स्वरूप यथावत बना रहेगा। यह व्यवस्था पूर्व में भी लागू थी। विद्यार्थी की सुविधा के लिए केवल इसमें प्रविधि और प्रारूप का परिवर्तन किया गया है।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया

गतिविधियों की सूचना छात्रों तक पहुंचाने के लिए हाल ही में एकलव्य एप का विमोचन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने

अपने कर कमलों से किया है। इस एप को अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय में हो रही समस्त गतिविधियों एवं निर्णय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे विश्वविद्यालय के नाम

द्वारा दी जा रही जानकारी से सावधान रहें। यह अनाधिकृत चैनल पूरे प्रदेश में छात्रों को गुमराह कर रहे हैं। विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश होने की वजह से सभी जगह के विद्यार्थी विश्वविद्यालय तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सोशल मीडिया से जानकारी प्राप्त करने के प्रयास में अनाधिकृत ढंग से चल रहे यूट्यूब चैनल द्वारा दी जा रही जानकारी को ही सही मान बैठते हैं। प्रोफेसर सत्यकाम ने पूरे प्रदेश के छात्र-छात्राओं को यह सलाह दी है कि वह केवल विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन पर लॉगिन करें। जिससे उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा लिए जा रहे निर्णय के बारे में अद्यतन जानकारी मिल सके। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने विश्वविद्यालय में स्थापित सेन्टर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन को निर्देशित किया है कि वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट के कवर पेज एवं लोगो का इस्तेमाल करने वाले ऐसे अनधिकृत यूट्यूब चैनल की रिपोर्ट उन्हें एक सप्ताह

श्रेणी में आता है। विश्वविद्यालय इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई करेगा।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि सेमेस्टर प्रणाली दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का मुख्य अंग है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी सेमेस्टर प्रणाली को विश्वविद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था का प्रमुख अंग माना है। मुक्त विश्वविद्यालय में वर्ष में दो बार प्रवेश की व्यवस्था की गई है। छात्रों के लिए यह हितकारी व्यवस्था इसलिए है कि वह किसी भी सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल हो सकता है। जो छात्र किसी कारण सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते उन्हें वार्षिक परीक्षा में शामिल होने का मौका विश्वविद्यालय दे रहा है। दूरस्थ शिक्षा के लचीलेपन की यही खूबी है कि यहां छात्रों के द्वार तक शिक्षा पहुंचाई जा रही है।विश्वविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाले विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम दूरस्थ शिक्षा की दशा और दिशा बदलने के लिए निरंतर प्रयासरत

समस्याओं को दूर करने के लिए उनके हित में फैसला लेने के लिए आगे बढ़कर कार्य कर रहे हैं। पूरे उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय केन्द्रों की कार्यशाला के बाद छात्रों की समस्याओं का त्वरित समाधान न होने के कारण अभी तक छात्र संख्या के 1 लाख तक नहीं पहुंचने का फीडबैक मिलने के कारण उन्होंने वीसी ग्रीवांस सेल का गठन किया है। जहां छात्रों की समस्याओं का निस्तारण त्वरित गति से हो रहा है। अब प्रवेश की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2024 तक विस्तारित होने के बाद कुलपति ने आशा व्यक्त की है कि वर्तमान सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या 1 लाख के लक्ष्य को पार कर जाएगी। इसके लिए वह न केवल मुख्यालय बल्कि प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयको से निरंतर ऑनलाइन मीटिंग कर रहे हैं। गौरतलब है कि लगातार 18वें और 19वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल मुक्त विश्वविद्यालय को छात्र संख्या बढ़ाने के लिए निर्देशित कर चुकी हैं। जिसको लेकर विश्वविद्यालय गंभीर है और विश्वविद्यालय के लोकप्रिय कार्यक्रमों को

प्रयाग प्रभात

वर्ष: 14 अंक: 120 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, गुरुवार 26 सितम्बर 2024 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये

मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली का स्वरूप यथावत – कुलपति

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 25 सितंबर उ.प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर प्रणाली को लचीला बनाते हुए छात्रों के हित में कई नए फैसले लिए हैं। यूजीसी ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विद्यार्थियों के लिए नई शिक्षा नीति 2020 में सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत कई सुविधाएं प्रदान की हैं। सेमेस्टर प्रणाली में अधिन्यास की अनिवार्यता को लचीला बनाया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विशेषज्ञ एवं मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने यह स्पष्ट किया कि मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर सिस्टम समाप्त नहीं किया गया है बल्कि दूर शिक्षा के लचीलेपन को देखते हुए विद्यार्थियों को यह विकल्प दिया गया है कि वह नामांकन करने के वर्ष भर बाद भी परीक्षा दे सकते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली का स्वरूप यथावत बना रहेगा। यह व्यवस्था पूर्व में भी लागू थी। विद्यार्थी की सुविधा के लिए केवल इसमें प्रविधि और प्रारूप का परिवर्तन किया गया है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि विश्वविद्यालय में दैनंदिन हो रही गतिविधियों की सूचना छात्रों तक पहुंचाने के लिए हाल ही में एकलव्य एप का विमोचन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने कर कमलों से किया है। इस एप को अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर छात्र–छात्राएं विश्वविद्यालय में हो रही समस्त गतिविधियों एवं निर्णय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे विश्वविद्यालय के नाम पर चल रहे कई अनधिकृत यूट्यूब चौनल द्वारा दी जा रही जानकारी से सावधान रहें। यह अनाधिकृत चौनल पूरे प्रदेश में छात्रों को गुमराह कर रहे हैं। विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश होने की वजह से सभी जगह के विद्यार्थी विश्वविद्यालय तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सोशल मीडिया से जानकारी प्राप्त करने के प्रयास में अनाधिकृत ढंग से चल रहे यूट्यूब चौनल द्वारा दी जा रही जानकारी को ही सही मान बैठते हैं। प्रोफेसर सत्यकाम ने पूरे प्रदेश के छात्र–छात्राओं को यह सलाह दी है कि वह केवल विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन पर लॉगिन करें। जिससे उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा लिए जा रहे निर्णय के बारे में अद्यतन जानकारी मिल सके। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने विश्व विद्यालय में स्थापित सेन्टर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन को निर्देशित किया है कि वह विश्व विद्यालय की वेबसाइट के कवर पेज एवं लोगो का इस्तेमाल करने वाले ऐसे अनधिकृत यूट्यूब चौनल की रिपोर्ट उन्हें एक सप्ताह में सौंपे। ऐसा करना साइबर क्राइम की श्रेणी में आता है। विश्वविद्यालय

इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई करेगा। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि सेमेस्टर प्रणाली दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का मुख्य अंग है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी सेमेस्टर प्रणाली को विश्व विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था का प्रमुख अंग माना है। मुक्त विश्व विद्यालय में वर्ष में दो बार प्रवेश की व्यवस्था की गई है। छात्रों के लिए यह हितकारी व्यवस्था इसलिए है कि वह किसी भी सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल हो सकता है। जो छात्र किसी कारण सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते उन्हें वार्षिक परीक्षा में शामिल होने का मौका विश्वविद्यालय दे रहा है। दूरस्थ शिक्षा के लचीलेपन की यही खूबी है कि यहां छात्रों के द्वार तक शिक्षा पहुंचाई जा रही है। विश्वविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम दूरस्थ शिक्षा की दशा और दिशा बदलने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं । वह छात्रों के सामने आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए उनके हित में फैसला लेने के लिए आगे बढ़कर कार्य कर रहे हैं। पूरे उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय केन्द्रों की कार्यशाला के बाद छात्रों की समस्याओं का त्वरित समाधान न होने के कारण अभी तक छात्र संख्या के 1 लाख तक नहीं पहुंचने का फीडबैक मिलने के कारण उन्होंने वीसी ग्रीवांस सेल का गठन किया है। जहां छात्रों की समस्याओं का निस्तारण त्वरित गति से हो रहा है। अब प्रवेश की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2024 तक विस्तारित होने के बाद कुलपति ने आशा व्यक्त की है कि वर्तमान सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या 1 लाख के लक्ष्य को पार कर जाएगी। इसके लिए वह न केवल मुख्यालय बल्कि प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयको से निरंतर ऑनलाइन मीटिंग कर रहे हैं। गौरतलब है कि लगातार 18वें और 19वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल मुक्त विश्वविद्यालय को छात्र संख्या बढ़ाने के लिए निर्देशित कर चुकी हैं। जिसको लेकर विश्वविद्यालय गंभीर है और विश्वविद्यालय के लोकप्रिय कार्यक्रमों को छात्रों के द्वार तक ले जा रहा है।

हिन्दी दैनिक

संयम भारत

18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर

वर्ष : 18 अंक : 187

नगर संस्करण,

पृष्ठ - 4,

मूल्य 1.00 रु0

उत्तर प्रदेश गुरूवार, 26 सितम्बर 2024 प्रयागराज विचार

मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली का स्वरूप यथावत - कुलपति

- विश्वविद्यालय की वेबसाइट और मोबाइल एप से ही जानकारी प्राप्त करें छात्र-प्रोफेसर सत्यकाम
- अनधिकृत यूट्यूब चैनल की लगाम कसने की तैयारी

संयम भारत संवाददाता

प्रयागराज,उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर प्रणाली को लचीला बनाते हुए छात्रों के हित में कई नए फैसले लिए हैं। यूजीसी ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विद्यार्थियों के लिए नई शिक्षा नीति 2020 में सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत कई सुविधाएं प्रदान की हैं। सेमेस्टर प्रणाली में अधिन्यास की अनिवार्यता को लचीला बनाया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विशेषज्ञ एवं मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने यह स्पष्ट किया कि मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर सिस्टम समाप्त नहीं किया गया है बल्कि दूर शिक्षा के लचीलेपन को देखते हुए विद्यार्थियों को यह विकल्प दिया गया है कि वह नामांकन करने के वर्ष भर बाद भी परीक्षा दे सकते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली का स्वरूप यथावत बना रहेगा। यह व्यवस्था पूर्व में भी लागू थी। विद्यार्थी की सुविधा के लिए केवल इसमें प्रविधि और प्रारूप का परिवर्तन किया गया है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि विश्वविद्यालय में दैनंदिन हो रही गतिविधियों की सूचना छात्रों तक पहुंचाने के लिए हाल ही में एकलव्य एप का विमोचन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने कर कमलों से किया है। इस एप को अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय में हो रही समस्त गतिविधियों एवं निर्णय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे विश्वविद्यालय के नाम पर चल रहे कई अनधिकृत यूट्यूब चैनल द्वारा दी जा रही जानकारी से सावधान रहें। यह अनाधिकृत चैनल पूरे प्रदेश में छात्रों को गुमराह कर रहे हैं। विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश होने की वजह से सभी जगह के विद्यार्थी विश्वविद्यालय तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सोशल मीडिया से जानकारी प्राप्त करने के प्रयास में अनाधिकृत ढंग से चल रहे यूट्यूब चैनल द्वारा दी जा रही जानकारी को ही सही मान बैठते हैं। प्रोफेसर सत्यकाम ने पूरे प्रदेश के छात्र-छात्राओं को यह सलाह दी है कि वह केवल विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन पर लॉगिन करें। जिससे उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा लिए जा रहे निर्णय के बारे में अद्यतन जानकारी मिल सके। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने विश्वविद्यालय में स्थापित सेन्टर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन को निर्देशित किया है कि वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट के कवर पेज एवं लोगो का इस्तेमाल करने वाले ऐसे अनधिकृत यूट्यूब चैनल की रिपोर्ट उन्हें एक सप्ताह में सौंपे। ऐसा करना साइबर क्राइम की श्रेणी में आता है। विश्वविद्यालय इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई करेगा। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि सेमेस्टर प्रणाली दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का मुख्य अंग है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी सेमेस्टर प्रणाली को विश्वविद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था का प्रमुख अंग माना है। मुक्त विश्वविद्यालय में वर्ष में दो बार प्रवेश की व्यवस्था की गई है। छात्रों के लिए यह हितकारी व्यवस्था इसलिए है कि वह किसी भी सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल हो सकता है। जो छात्र किसी कारण सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते उन्हें वार्षिक परीक्षा में शामिल होने का मौका विश्वविद्यालय दे रहा है। दूरस्थ शिक्षा के लचीलेपन की यही खूबी है कि यहां छात्रों के द्वार तक शिक्षा पहुंचाई जा रही है। विश्वविद्यालय के

जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाले विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम दूरस्थ शिक्षा की दशा और दिशा बदलने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं । वह छात्रों के सामने आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए उनके हित में फैसला लेने के लिए आगे बढ़कर कार्य कर रहे हैं। पूरे उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय केन्द्रों की कार्यशाला के बाद छात्रों की समस्याओं का त्वरित समाधान न होने के कारण अभी तक छात्र संख्या के 1 लाख तक नहीं पहुंचने का फीडबैक मिलने के कारण उन्होंने वीसी ग्रीवांस सेल का गठन किया है। जहां छात्रों की समस्याओं का निस्तारण त्वरित गति से हो रहा है। अब प्रवेश की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2024 तक विस्तारित होने के बाद कुलपति ने आशा व्यक्त की है कि वर्तमान सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या 1 लाख के लक्ष्य को पार कर जाएगी। इसके लिए वह न केवल मुख्यालय बल्कि प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयको से निरंतर ऑनलाइन मीटिंग कर रहे हैं। गौरतलब है कि लगातार 18वें और 19वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल मुक्त विश्वविद्यालय को छात्र संख्या बढ़ाने के लिए निर्देशित कर चुकी हैं। जिसको लेकर विश्वविद्यालय गंभीर है और विश्वविद्यालय के लोकप्रिय कार्यक्रमों को छात्रों के द्वार तक ले जा रहा है।

UNITED सिर्फ सच के साथ

युनाइटेड भारत

हिन्दी दैनिक

गुरुवार 26 सितम्बर 2024 प्रयागराज, वर्ष: 24, अंक: 330, पेज: 12, मूल्य: 3.00 रूपए

www.facebook.com/ubepaper unitedbharat21@gmail.com

मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली का स्वरूप यथावत : कुलपति

युनाइटेड भारत

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर प्रणाली को लचीला बनाते हुए छात्रों के हित में कई नए फैसले लिए हैं। यूजीसी ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विद्यार्थियों के लिए नई शिक्षा नीति 2020 में सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत कई सुविधाएं प्रदान की हैं। सेमेस्टर प्रणाली में अधिन्यास की अनिवार्यता को लचीला बनाया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विशेषज्ञ एवं मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने यह स्पष्ट किया कि मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर सिस्टम समाप्त नहीं किया गया है बल्कि दूर शिक्षा के लचीलेपन को देखते हुए विद्यार्थियों को यह विकल्प दिया गया है कि वह नामांकन करने के वर्ष भर बाद भी परीक्षा दे सकते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली का स्वरूप यथावत बना रहेगा। यह व्यवस्था पूर्व में भी लागू थी। विद्यार्थी की सुविधा के लिए केवल प्रविधि और प्रारूप का परिवर्तन किया गया है। विश्वविद्यालय में

विश्वविद्यालय की वेबसाइट और मोबाइल एप से ही जानकारी प्राप्त करें छात्र : प्रोफेसर सत्यकाम

दैनंदिन हो रही गतिविधियों की सूचना छात्रों तक पहुंचाने के लिए हाल ही में एकलव्य एप का विमोचन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने कर कमलों से किया है। इस एप को अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय में हो रही समस्त गतिविधियों एवं निर्णय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे विश्वविद्यालय के नाम पर चल रहे कई अनधिकृत यूट्यूब चैनल द्वारा दी जा रही जानकारी से सावधान रहें। यह अनाधिकृत चैनल पूरे प्रदेश में छात्रों को गुमराह कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के कवर पेज एवं लोगो का इस्तेमाल करने वाले ऐसे अनधिकृत यूट्यूब चैनल की रिपोर्ट उन्हें एक सप्ताह में सौंपे। ऐसा करना साइबर क्राइम की श्रेणी में आता है। विश्वविद्यालय इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई करेगा।

अमर उजाला

22 संस्करण

महानगर

वर्ष 28 | अंक 102 | पृष्ठ : 16

मूल्य : सात रुपये

प्रयागराज

बृहस्पतिवार, 26 सितंबर 2024

आश्विन कृष्ण-नवमी

विक्रम संवत-2081

amarujala.com

राजनाथ बोले भारत से 90 देशों को हथियार का निर्यात...11

सहूलियत...नामांकन के एक वर्ष बाद भी दे सकेंगे सेमेस्टर परीक्षा

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर प्रणाली को बनाया लचीला

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने शिक्षार्थियों की सुविधा के लिए सेमेस्टर प्रणाली को लचीला किया है। शिक्षार्थी अब नामांकन के एक वर्ष बाद भी सेमेस्टर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। साथ ही शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान न होने पर वीसी ग्रीवांस सेल का गठन भी कर दिया गया है।

कुलपति प्रो.सत्यकाम ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर प्रणाली को लचीला बनाते हुए छात्रों के हित में कई नए फैसले लिए हैं। यूजीसी ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विद्यार्थियों के लिए नई शिक्षा नीति 2020 में सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत कई सुविधाएं प्रदान की हैं। सेमेस्टर प्रणाली में अधिन्यास की अनिवार्यता को भी लचीला बनाया गया है।

कुलपति प्रो.सत्यकाम ने यह स्पष्ट किया कि मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर सिस्टम समाप्त नहीं किया गया है, बल्कि दूरस्थ शिक्षा के लचीलेपन को देखते हुए विद्यार्थियों को यह विकल्प दिया गया है कि वे नामांकन करने के वर्षभर बाद भी परीक्षा दे सकते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर प्रणाली का स्वरूप यथावत बना रहेगा। यह व्यवस्था पूर्व में भी लागू थी। विद्यार्थी की सुविधा के लिए केवल इसमें प्रविधि और प्रारूप का परिवर्तन किया गया है।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय की दैनिक गतिविधियों की सूचना छात्रों तक पहुंचाने के लिए हाल ही में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने एकलव्य एप का विमोचन किया है। इस एप को अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय में हो रही समस्त गतिविधियों एवं निर्णयों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मुक्त विवि में वर्ष में दो बार प्रवेश की व्यवस्था की गई है।

छात्रों के लिए यह हितकारी व्यवस्था इसलिए है कि वह किसी भी सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल हो सकता है। जो छात्र किसी कारण सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते, उन्हें वार्षिक परीक्षा में शामिल होने का मौका विश्वविद्यालय दे रहा है। दूरस्थ शिक्षा के लचीलेपन की यही खूबी है कि यहां छात्रों के द्वार तक शिक्षा पहुंचाई जा रही है।

विश्वविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी डॉ.प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि पूरे उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय केंद्रों की कार्यशाला के बाद छात्रों की समस्याओं का त्वरित समाधान न होने के कारण अभी तक छात्र संख्या के एक लाख तक नहीं पहुंचने का फीडबैक मिलने पर कुलपति ने वीसी ग्रीवांस सेल का गठन किया है।

अब प्रवेश की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2024 तक विस्तारित होने के बाद कुलपति ने उम्मीद व्यक्त की है कि वर्तमान सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या एक लाख के लक्ष्य को पार कर जाएगी।

शिकायतों का त्वरित समाधान नहीं होने पर वीसी ग्रीवांस सेल का गठन

मुविवि के नाम पर फर्जी यूट्यूब चैनल, तलब की रिपोर्ट

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के नाम पर फर्जी यूट्यूब चैनल चलाए जा रहे हैं। कुलपति प्रो.सत्यकाम ने शिक्षार्थियों को सलाह दी है कि वे विश्वविद्यालय के नाम पर चल रहे कई अनधिकृत यूट्यूब चैनलों की ओर से दी जा रही जानकारी से सावधान रहें। यह अनाधिकृत चैनल पूरे प्रदेश में छात्रों को गुमराह कर रहे हैं। कुलपति ने विश्वविद्यालय में स्थापित सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन को निर्देश दिए हैं कि वह विवि की वेबसाइट के कवर पेज एवं लोगो का इस्तेमाल करने वाले ऐसे अनधिकृत यूट्यूब चैनल की रिपोर्ट उन्हें एक सप्ताह में सौंपे। ऐसा करना साइबर क्राइम की श्रेणी में आता है। विश्वविद्यालय इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई करेगा। कुलपति ने छात्रों को सलाह दी है कि वह केवल विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर लॉगिन करें, ताकि उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा लिए जा रहे निर्णयों के बारे में अद्यतन जानकारी मिल सके। ब्यूरो

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

• वर्ष : 17
• अंक : 230
• प्रात: कालीन संस्करण
• लखनऊ
• गुरुवार, 26 सितंबर 2024
• पृष्ठ : 08
• मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर का स्वरूप रहेगा यथावत: कुलपति

(एल के अहिरवार)

- विश्वविद्यालय की वेबसाइट और मोबाइल एप से ही जानकारी प्राप्त करें छात्र- प्रो सत्यकाम
- 30 सितम्बर तक प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या एक लाख के लक्ष्य को पार करेगी
- अनधिकृत यूट्यूब चैनलो द्वारा दी जा रही जानकारी से सावधान रहें छात्र

प्रयागराज। उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर प्रणाली को लचीला बनाते हुए छात्रों के हित में कई नए फैसले लिए हैं। यूजीसी ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विद्यार्थियों के लिए नई शिक्षा नीति 2020 में सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत कई सुविधाएं प्रदान की हैं। सेमेस्टर प्रणाली में अधिन्यास की अनिवार्यता को लचीला बनाया गया है।दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विशेषज्ञ एवं मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो

परिवर्तन किया गया है। कुलपति प्रो सत्यकाम ने बताया कि विश्वविद्यालय में दैनंदिन हो रही गतिविधियों की सूचना छात्रों

अनाधिकृत चैनल पूरे प्रदेश में छात्रों को गुमराह कर रहे हैं। विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश होने की वजह से

साइबर क्राइम की श्रेणी में आता है। विश्वविद्यालय इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई करेगा। कुलपति प्रो सत्यकाम ने कहा कि सेमेस्टर प्रणाली दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का मुख्य अंग है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी सेमेस्टर प्रणाली को विश्वविद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था का प्रमुख अंग माना है। मुक्त विश्वविद्यालय में वर्ष में दो बार प्रवेश की व्यवस्था की गई है। छात्रों के लिए यह हितकारी व्यवस्था इसलिए है कि वह किसी भी सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल हो सकता है। जो छात्र किसी कारण सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल नहीं

प्रयासरत हैं। वह छात्रों के सामने आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए उनके हित में फैसला लेने के लिए आगे बढ़कर कार्य कर रहे हैं। पूरे उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय केन्द्रों की कार्यशाला के बाद छात्रों की समस्याओं का त्वरित समाधान न होने के कारण अभी तक छात्र संख्या के एक लाख तक नहीं पहुंचने का फीडबैक मिलने के कारण उन्होंने वीसी ग्रीवांस सेल का गठन किया है। जहां छात्रों की समस्याओं का निस्तारण त्वरित गति से हो रहा है। अब प्रवेश की अंतिम तिथि 30 सितंबर तक विस्तारित होने के बाद

---

facebook.com/amarujala twitter.com/amarujalanews amarujala.com/channels/downloads/

अमर उजाला

amarujala.com

वर्ष 28 ▪ अंक 102 ▪ पृष्ठ : 10 ▪ मूल्य : तीन रुपये पचास पैसे

प्रयागराज | बृहस्पतिवार | 26 सितंबर 2024

SELECT

नामांकन के एक वर्ष बाद भी दे सकेंगे सेमेस्टर परीक्षा

राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने सेमेस्टर प्रणाली को बनाया लचीला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने शिक्षार्थियों की सुविधा के लिए सेमेस्टर प्रणाली को लचीला किया है। शिक्षार्थी अब नामांकन के एक वर्ष बाद भी सेमेस्टर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। साथ ही शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान न होने पर वीसी ग्रीवांस सेल का गठन भी कर दिया गया है।

कुलपति प्रो.सत्यकाम ने बताया

कुलपति प्रो.सत्यकाम ने यह स्पष्ट किया कि मुक्त विश्वविद्यालय में सेमेस्टर सिस्टम समाप्त नहीं किया गया है, बल्कि दूरस्थ शिक्षा के लचीलेपन को देखते हुए विद्यार्थियों को यह विकल्प दिया गया है कि वे

गतिविधियों की सूचना छात्रों तक पहुंचाने के लिए हाल ही में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने एकलव्य एप का विमोचन किया है। इस एप को अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय में हो रही समस्त गतिविधियों एवं निर्णयों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मुक्त विवि में वर्ष में दो बार प्रवेश की व्यवस्था की गई है।

छात्रों के लिए यह हितकारी

मुक्त चिन्तन

25 सितम्बर, 2024

दिनांक 25 सितम्बर, 2024 को क्षेत्रीय कार्यालय नोएडा पर क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा/गाजियाबाद के अन्तर्गत अध्यनरत छात्र–छात्राओं को निःशुल्क टैबलेट का वितरण कार्य क्षेत्रीय समन्वयक डॉ सतेन्द्र बाबू द्वारा संपन्न किया गया इसमें छात्रों को नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम के तहत छात्रों से अपने परिवार तथा मित्रों को भी प्रवेश कराने के लिए कहा गया एवं प्रवेश की अंतिम तिथि 30 सितंबर तक है ।

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम की रिपोर्ट
क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी एस–1604
दिनांक 25 सितम्बर 2024

नवाबाद पुलिस थाना के प्रभारी से मिलकर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कोर्सो एवं पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी तथा पुलिस कर्मियो को परास्नातक में प्रवेश लेने के लिये प्रोत्साहित किया।

महिला पुलिस थाना के प्रभारी से मिलकर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कोर्सो एवं पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी तथा पुलिस कर्मियों को परास्नातक में प्रवेश लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

महेन्द्रा कोचिंग सेन्टर इलाइट झाँसी के निदेशक से मिलकर मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रमों की जानकारी दी।

एस० एम० अल्पसंख्यक स्कूल एलाइट झाँसी के अध्यापक से मिलकर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी।

डाकघर कैम्पस बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी के कर्मचारियों से मिलकर मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रमों की जानकारी दी।

सक्सेस पुस्तकालय शिवा जी नगर झाँसी में कर्मचारियो एवं छात्र–छात्राओं से मिलकर मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रमों की जानकारी दी।

पंजाब नेशनल बैंक शिवा जी नगर झाँसी के शाखा प्रबन्धक से मिलकर मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रमों की जानकारी दी।

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओ को नई शिक्षा नीति 2020 कार्यक्रम के अंतर्गत एक साथ दो डिग्रियों में प्रवेश मुक्त विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर प्राप्त कर सकते हैं।

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के छात्र–छात्राओ को नई शिक्षा नीति 2020 कार्यक्रम के अंतर्गत एक साथ दो डिग्रियों में प्रवेश मुक्त विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर प्राप्त कर सकते हैं।

मुक्त चिन्तन

26 सितम्बर, 2024

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अन्तर्गत मुक्त विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत दिनांक 26 सितम्बर, 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों द्वारा परिसर में साफ–सफाई किया गया।

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में सफाई करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

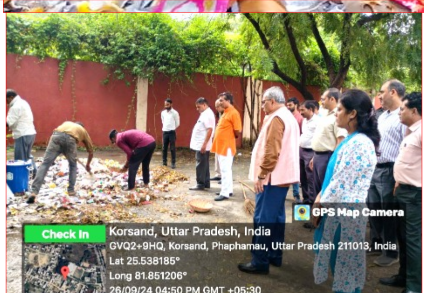

26 सितम्बर, 2024

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अन्तर्गत मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों पर स्वच्छता अभियान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निदेश पर दिनांक 26 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही सभी ने अध्ययन केन्द्रों के साथ स्वच्छता अभियान की सार्थकता के बारे में चर्चा की।

क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज द्वारा आज दिनांक 26 सितम्बर, 2024 को अध्ययन केन्द्र एस–094, एस–281 एवं एस–740 में स्वच्छता सेवा अभियान चलाया गया तथा विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार दिनांक 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता का सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत साफ सफाई, सिंगल यूज प्लास्टिक एकत्र कर निस्तारण किया गया। छात्र छात्राओं को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया तथा मनसा वाचा कर्मणा से स्वच्छ रहने के लिए प्रेरित किया।

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत क्षेत्रीय केंद्र झांसी के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा के अन्तर्गत अध्ययन केन्द्र चलाया गया स्वच्छता अभियान। विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार दिनांक 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत क्षेत्रीय केंद्र आगरा के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र एस–1447 में में स्वच्छता अभियान चलाया

मुक्त चिन्तन

26 सितम्बर, 2024

डॉ हरिवंश राय बच्चन महाविद्यालय, भौपुर, कानपुर देहात एस 1186 आर जी महाविद्यालय, कानपुर देहात एस 1390 में आज स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत दो क्षेत्रीय केंद्र पर स्वच्छता अभियान चलाया गया छात्रों से चर्चा की।

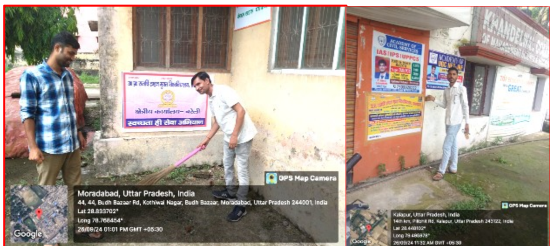

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, बरेली के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ सतेन्द्र बाबू के निर्देशन में कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत आज दिनांक 26 सितम्बर, 2024 को अध्ययन केंद्र हिंदू कॉलेज मुरादाबाद एस–030, खण्डेलवाल कालेज बरेली एस–1399, राजश्री इंस्टीट्यूट पीलीभीत रोड बरेली एस–1055 व महात्मागांधी हा.से. स्कूल बरेली में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया व नामांकन के लिये प्रेरित करते हुए बैनर भी लगवाये तथा डॉ एस० बी० यादव जी से मिलकर 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाने की अपील की गई

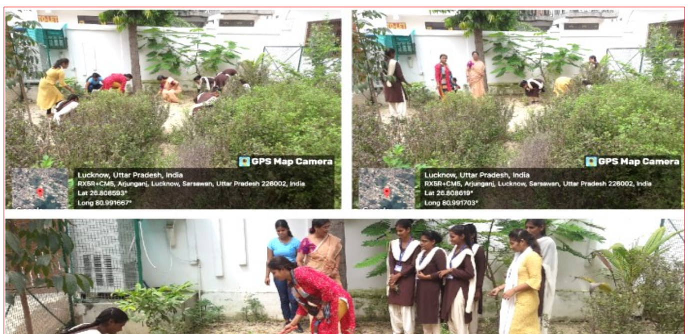

क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ ने अपने अध्ययन केन्द्र श्री कृष्ण दत्त एकेडमी लखनऊ (एस–1722), एवं दयानंद यादव डिग्री कॉलेज अर्जुनगंज लखनऊ, अध्ययन केन्द्र (एस–839) में स्वच्छता अभियान आयोजित किया। छात्र–छात्राओं एवं अध्ययन केंद्र समन्वयक श्री सुभाष तिवारी, कॉलेज के प्रवक्ताओं , अध्ययन केंद्र समन्वयक सुमन वर्मा ,प्राचार्य डॉ संदीप पटेल के साथ मिलकर महाविद्यालय परिसर की सफाई की। छात्राओं में विशेष रूप से उत्साह दिखाई दिया।

दिनांक 26 सितंबर, 2024 को क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र एस–1875 आशा भगवान बक्स सिंह महाविद्यालय ,पूरा बाजार, अयोध्या में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.नीलमणि सिंह और समन्वयक डॉ.गोपाल नंदन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में ‘स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान’ के तहत स्वच्छता अभियान कुशलतापूर्वक चलाया गया।

दिनांक 26 सितंबर, 2024 को क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र एस–1788 बी.एन.एस.गर्ल्स डिग्री कॉलेज ऑफ एजूकेशन ,जनौरा, अयोध्या में महाविद्यालय के प्राचार्या श्रीमती सोनी स्वर्णकार एवं शिक्षिकाओं की अध्यक्षता में ‘स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान’ के तहत स्वच्छता अभियान चला कर छात्राओं को जागरूक किया गया।

आज दिनांक 26 सितम्बर, 2024 को क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ में, माननीय कुलपति महोदय एवं क्षेत्रीय केंद्र मेरठ के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ सतेंद्र बाबू के निर्देशन में क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र दिगंबर जैन डिग्री कालेज एस–63 एवं इस्माईल नेशनल महिला पी जी कॉलेज एस–019 में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया तथा इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमें स्वच्छता ही सेवा को आदर्श मान लेना चाहिए जिससे सर्वप्रथम हम अपने घर की सफाई के साथ–साथ परिवार एवं समाज में भी सफाई कार्य को अपना धर्म बनाकर स्वच्छ एवं हरी भरी वसुंधरा को अलंकृत कर सकते हैं क्षेत्रीय केंद्र मेरठ के क्षेत्रीय समन्वयक आचार्य सतेंद्र बाबू ने ऑनलाइन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बताया की स्वास्थ्य शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमें ‘स्वच्छता ही सेवा’ को आदर्श मान लेना चाहिए। तथा इसी के साथ छात्रों को नामांकन अभिप्रेरण के बारे में जागरूक किया गया।

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, गाजियाबाद/नोएडा के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ सतेन्द्र बाबू, के निर्देशन में कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत आज दिनांक 26/09/2024 को अध्ययन केन्द्र आई0 एम0 एस0 कॉलेज, सेक्टर–62 नोएडा (एस–1738), में स्वभाव स्वच्छता एवं संस्कार स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया व नामांकन अभिप्रेरण कार्यक्रम के तहत छात्र/छात्राओं को प्रवेश कराने के लिये कहा गया।

मुक्त चिन्तन

26 सितम्बर, 2024

विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ ने आज 26 सितंबर 2024 को आंगनबाड़ी केंद्र उतरटीया में जाकर वहां की सुपरवाइजर श्रीमती उषा ,आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों तथा सहचारिका मंजू शर्मा से भेंट किया। बिजनौर आंगनबाड़ी केंद्र की सुपरवाइजर,पार्षद सुनील रावत जी भी उपस्थित थे। इस आंगनवाड़ी केंद्र में पोषण माह के तहत पोषक तत्वों के व्यंजन सुसज्जित थे। सुपरवाइजर श्रीमती उषा जी से आंगनबाड़ी की कार्यशैली व प्रणाली के बारे में विस्तृत वार्ता हुई। आंगनबाड़ी के पाठ्यक्रम के अनुसार आज वहां गर्भवती महिला की गोद भराई पौष्टिक फलों से की गई। एक छोटे बच्चे का अन्नप्राशन भी दूध दलिया के साथ हुआ। ढोलक पर पारंपरिक गाने भी गाए जा रहे थे। मेरे द्वारा राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के बारे में उन्हें अवगत कराया गया । विश्वविद्यालय का पैम्फलेट भी उन्हें दिया गया। बहुत ध्यान से सभी कार्यकत्रियों ने विश्व विद्यालय के बारे में सुना। अपने बच्चों के लिए एम बी ए और एमसीए के बारे में भी जानकारी ली।परीक्षा देने कहां जाना होगा यह भी प्रश्न किया गया। सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को पोषण से संबंधित पाठ्यक्रम एवं बाल मनोविज्ञान से संबंधित पाठ्यक्रम तथा अन्य पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई एवं प्रवेश के लिए प्रोत्साहित भी किया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ एस 1601 में प्रवेश के लिए कहा गया क्योंकि सभी कार्यकत्रियां इसी क्षेत्र के निवासी है। सभी का उत्साह सराहनीय था।

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत आज दिनांक 26.9.2024 को क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी के अध्ययन केंद्र एस–1825 संत सीताराम किसान महाविद्यालय, वाराणसी एवं एस–143 वाराणसी गर्ल्स डिग्री कॉलेज नामांकन अभिप्रेरणा एवं सफाई ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत छात्रों एवं शैक्षणिक स्टाफ के साथ–साथ कर्मचारियों में सफाई के प्रति जागरूकता फैलाई गई साथ ही साथ उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन में चल रही प्रवेश प्रक्रिया के बारे में भी उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया उन्हें उनकी आवश्यकता के अनुरूप कोर्सेज के बारे में जानकारी दी गई! डॉ जयप्रकाश यादव ने भी सक्रिय भूमिका निभाई!

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत दिनांक 26.09.2024 को क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर के अध्ययन केंद्र एस– 1830

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत दिनांक 26.09.2024 को क्षेत्रीय केंद्र आजमगढ़ में छात्र–छात्राओं द्वारा परिसर में साफ–सफाई किया गया।

क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ ने अपने अध्ययन केन्द्र एस–1722, श्री कृष्ण दत्त एकेडमी लखनऊ में भी स्वच्छता अभियान आयोजित किया। छात्र–छात्राओं एवं अध्ययन केंद्र समन्वयक श्री सुभाष तिवारी के साथ मिलकर कैंपस को स्वच्छ किया।छात्राओं में विशेष रूप से उत्साह दिखाई दिया।

26 सितम्बर, 2024

मुक्त चिन्तन

मुक्त विश्वविद्यालय में कौशल विकास जागरूकता कार्यक्रम

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी द्वारा की गई। कार्यक्रम में कौशल विकास के परिप्रेक्ष्य में प्रेजेंटेशन देते हुए विश्वविद्यालय कौशल विकास केन्द्र के नोडल अधिकारी डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने कौशल की विभिन्न विधाओं से संबंधित पहलुओं से परिचय कराया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो. पी.के. पाण्डेय, प्रो. सत्यपाल तिवारी, प्रो. मीरा पाल, डॉ. जी. के. द्विवेदी, डॉ. साधना श्रीवास्तव ने अपने–अपने विचार रखे। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कौशल विकास जागरूकता कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी निदेशकगण, प्रोफेसरगण एवं सभी विद्याशाखाओं के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

26 सितम्बर, 2024

डॉ. तिवारी ने ज्ञान और कौशल के अंतर को स्पष्ट करते हुए कौशल के विभिन्न वर्गीकरण के विषय में बताया। अपने प्रस्तुतीकरण में डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने बताया की विश्वविद्यालय कैसे कौशल विकास से जुड़कर भारत और विश्व के लिए आवश्यक कौशल की पूर्ति कर सकता है।

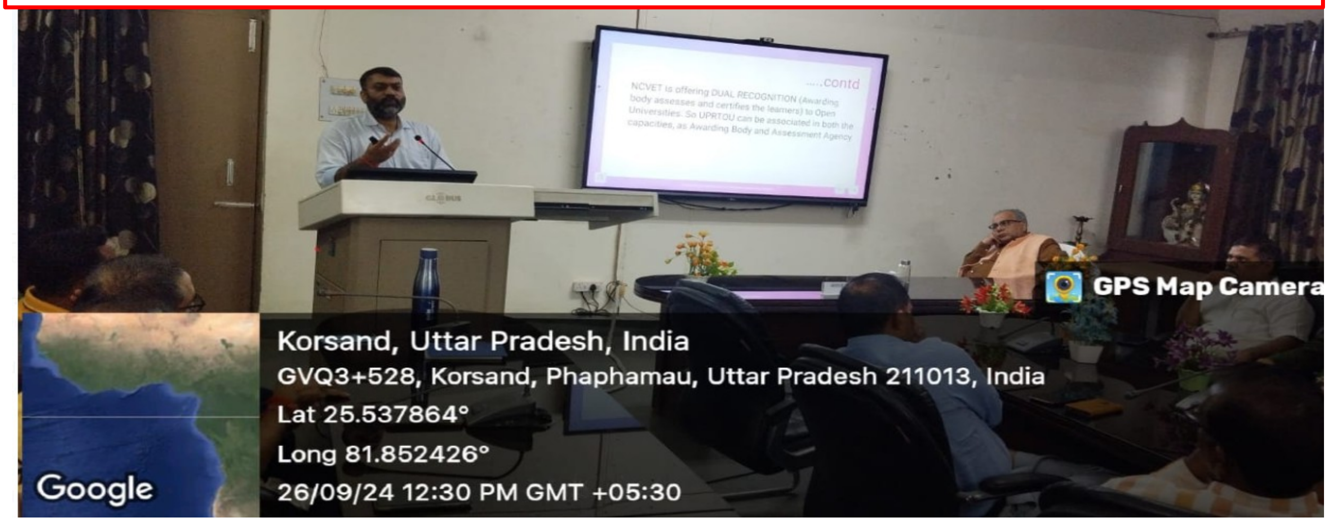

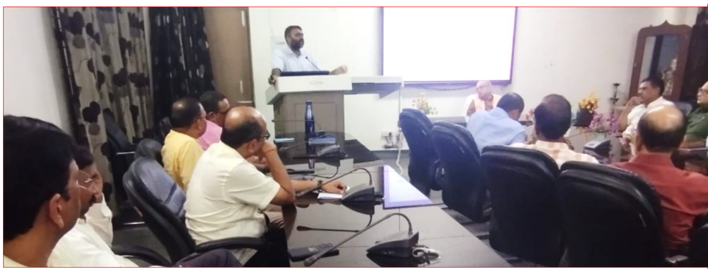

मुक्त चिन्तन

26 सितम्बर, 2024

कौशल विकास योजना का मुख्य उद्देश्य देश में सभी युवा वर्ग को संगठित करके उनके कौशल को निखार कर उनकी योग्यतानुसार रोजगार देना है : कुलपति

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मा0 कुलपति आचार्य सत्यकाम जी ने इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण जानकारियां रखी। उन्होंने सभी शिक्षकों से इस प्रकार के कौशल विकास से संबंधित कार्यक्रम को चालू करने को कहा जो विश्वविद्यालय की प्रगति में योगदान के साथ भविष्य की योजनाओं के अनुरूप हों। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का मुख्य उद्देश्य देश में सभी युवा वर्ग को संगठित करके उनके कौशल को निखार कर उनकी योग्यतानुसार रोजगार देना है। इस योजना का उद्देश्य ऐसे लोगों को रोजगार मुहैया कराना है जो कम पढ़े–लिखे हैं या बीच में स्कूल छोड़ देते हैं। उन्होंने उदाहरण के साथ बताया कि हम कैसे मालियों के लिए, कैसे सफाई कर्मियों के लिए कौशल विकसित कर उनको प्रमाण पत्र दे सकते हैं।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं सामाजिक समरसता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान का आयोजन दिनांक 26 सितम्बर, 2024 को किया गया। लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि एवं व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रोफेसर हरेश प्रताप सिंह, सदस्य, लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी ने किया।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक एवं संयोजक प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने किया तथा राष्ट्रीय संगोष्ठी की प्रस्तावना आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह, उपनिदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने प्रस्तुतकी। संचालन डॉ बाल गोविंद सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन कुल सचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

दीप प्रज्वलित करकार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथि तथा कुलगीत प्रस्तुत करते हुए श्री निकेत एवं डॉ0 बाल गोविन्द

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ बाल गोविंद सिंह

अतिथियों का स्वागत करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक एवं संयोजक प्रोफेसर संजय कुमार सिंह

राष्ट्रीय संगोष्ठी संगोष्ठी की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह, उपनिदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

माननीय अतिथियों का स्वागत सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन सामाजिक समरसता से ओत–प्रोत– प्रोफेसर सिंह

लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि एवं व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रोफेसर हरेश प्रताप सिंह, सदस्य, लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन सामाजिक समरसता से ओत–प्रोत था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय समाज के सबसे निचले तबके को शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा और स्वावलंबन के माध्यम से उठाने का प्रयास करते रहे। उनके समूचे व्यक्तित्व में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की झलक परिलक्षित होती है। उन्होंने संवेदना को निचले स्तर पर जाकर देखा।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि सामाजिक समरसता के लिए व्यक्तिगत स्वार्थों की तिलांजलि देनी पड़ती है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि कार्य एवं व्यवहार के द्वारा ही समाज में परिवर्तन होता है। वह अंत्योदय पर बहुत बल देते थे। वंचित वर्गों की पढ़ाई और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए उनके मन में नए विचार हमेशा उत्पन्न होते थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा देश हित में किये जा रहे कार्य दीनदयाल उपाध्याय के विचारों पर आधारित हैं। जिन्हें अमल में लाकर देश विश्व में प्रगति के सोपान पर अग्रसर है।

मुक्त चिन्तन

26 सितम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय चल रहा है दीनदयाल उपाध्याय के रास्तों पर– कुलपति

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आज मुक्त विश्वविद्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय के रास्ते पर चलकर शिक्षार्थी के द्वार तक शिक्षा पहुंचने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज अधिक से अधिक लोगों को दीनदयाल उपाध्याय जी के बारे में पढ़ना चाहिए। जिससे सामाजिक समरसता की व्यापकता का पता चलेगा तथा सामाजिक संबंधों के नए आयाम खुलेंगे। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि राष्ट्रकवि दिनकर और प्रेमचंद की रचनाओं में भी दीनदयाल के भाव मिलते हैं। इसी तरह वह राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन और दीनदयाल उपाध्याय को उनके विचारों से करीब पाते हैं क्योंकि जो भी जन को समर्पित होगा उसकी कोई भी चीज एक दूसरे में समाहित हो जाएगी। दीनदयाल जी भेदभाव से बहुत दु रूखी होते थे । उन्होंने रविंद्र नाथ टैगोर के उपन्यास गोरा का जिक्र करते हुए उसे पढ़ने की सलाह दी।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान

मुक्त चिन्तन

27 सितम्बर, 2024

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अन्तर्गत मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गॉवों में चला सफाई अभियान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निदेश पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गॉवों में दिनांक 27 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं ने स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही सभी ने स्वच्छता अभियान की सार्थकता के बारे में चर्चा की।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोंद लिए हुए गांव –चांडी, ब्लाक –चाका मे निदेशक प्रो. संतोष कुमार के निर्देशन में स्वच्छता कार्य किया गया। इसके साथ स्वच्छता के संबंध में चर्चा की गई। इसके साथ ही 19वे दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में प्रकाशित पत्रिका दीक्षोत्सव को वितरित किया।

मुक्त चिन्तन

27 सितम्बर, 2024

'स्वच्छता ही सेवा' उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गाँव लेहरा में स्वच्छता अभियान

दिनांक 27 सितंबर, 2024 को, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की मानविकी विद्याशाखा ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत गाँव लेहरा में महत्वपूर्ण स्वच्छता कार्य किया। इस कार्यक्रम के तहत, विश्वविद्यालय के निदेशक और शिक्षकों ने गाँव के विभिन्न स्थानों पर सफाई अभियान चलाया, जिसमें अनेक स्थानों पर स्वच्छता का कार्य किया गया और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का काम किया गया। इस समारोह में शामिल हुए विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने गाँव के निवासियों के साथ स्वच्छता और हाइजीन के महत्व पर विचार–विमर्श किया और उन्हें इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा, विश्वविद्यालय द्वारा गाँव में स्थानीय प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के साथ शिक्षाप्रद संवाद किया और उन्हें स्वच्छता के महत्व पर जागरूक किया।

मुक्त चिन्तन

27 सितम्बर, 2024

दिनांक 27 सितम्बर, 2024 को स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के अंतर्गत शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांव –बारी, ब्लाक–सोराव मे निदेशक प्रो. पी .के. स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा एवं विद्याशाखा के शिक्षका डॉ बाल गोविंद सिंह, डॉ रविंद्र नाथ सिंह, डॉ नीता मिश्रा एवं श्रीमती सुषमा सिह के सहयोग से स्वच्छता कार्य किया गया। इसके साथ ही ग्राम वासियों व विद्यालय के विद्यार्थियों से स्वच्छता संबंधी जागरूकता के संबंध में चर्चा की गई।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में सफाई करते हुए शिक्षकगण

मुक्त चिन्तन

27 सितम्बर, 2024

एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

संगोष्ठी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि

आचार्य सत्यकाम,

कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया

पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 27 सितम्बर, 2024 को 'प्रकृति, पर्यावरण एवं वन' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि आचार्य सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा मंचासीन गणमान्यों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि वैज्ञानिक अनुसंधान को जन सामान्य तक पहुँचाना आवश्यक है, जिसके लिए हिंदी उपयुक्त माध्यम है। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अधिशासी सचिव डॉ. सन्तोष शुक्ला ने उद्‌बोधन में अकादमी के द्वारा विज्ञान प्रसार के कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया गया। विशिष्ट अतिथि अजय कुमार चौधरी, सहायक निदेशक, राजभाषा, भारत सरकार, गाजियाबाद ने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने का आह्वान किया। केन्द्र द्वारा प्रकाशित यथा–वृक्षारोपण तकनीक, कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु–चन्दन, कृषिवानिकी में उपयोगी मीलिया डूबिया, कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु–सहजन की खेती तथा समृद्धि का सतत साधन–महोगनी के साथ कृषिवानिकी प्रजातियाँ एवं प्रबन्धन विषय पर आधारित अनुसंधान पुस्तिका का विमोचन किया गया।

विज्ञान की भाषा को विभिन्न लोक भाषाओं से शब्द आत्मसात करके सरलीकृत करने से ही लाभ होगा : आचार्य सत्यकाम

मुख्य अतिथि आचार्य सत्यकाम ने हिंदी माध्यम से आयोजित कार्यक्रम की सराहना की तथा अपने उद्‌बोधन में कहा कि विज्ञान की भाषा को विभिन्न लोक भाषाओं से शब्द आत्मसात करके सरलीकृत करने से ही लाभ होगा। उन्होने कहा कि यदि आपका संस्थान विज्ञान के क्षेत्र में किसी प्रकार की अध्ययन सामग्री तैयार करने का इच्छुक हो, जो विद्यार्थियों के हित में हो तो इसे विश्वविद्यालय के सर्टिफिकेट कोर्स में सम्मिलित किया जा सकता है।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. धनंजय चोपड़ा, मीडिया एवं सम्पर्क विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा बदलती दुनिया, बदलती प्रकृति और जन–जागरूकता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाषा की गतिशीलता को रोकने का प्रयास न किया जाए। प्रथम तकनीकी सत्र में आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. उमेश कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा कृषि और मानव स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव विषय पर तथा डॉ. शैलेन्द्र राय, प्रोफेसर, के. बनर्जी, वायुमण्डलीय महासागर अध्ययन केन्द्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के द्वारा भारतीय ग्रीष्म कालीन मानसून भविष्यवाणी की चुनौतियां और सम्भावनाएं विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। तकनीकी व्याख्यान में डॉ. मृदुला त्रिपाठी, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज तथा डॉ. पूनम शुक्ला, सहा. प्रोफेसर, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय के साथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. अश्वनी कुमार, एसो. प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा डॉ. सत्येन्द्र नाथ, एसो. प्रोफेसर, वानिकी महाविद्यालय, शुआट्स द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। तकनीकी व्याख्यान में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव एवं डॉ अनुभा श्रीवास्तव के साथ प्रेम कुमार पटेल, डॉ. आदिनाथ, प्रोफेसर, नेहरू ग्राम भारती समविश्वविद्यालय, डॉ. पंकज श्रीवास्तव, सहा. प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अन्तिम सत्र में विद्यार्थियों यथा उज्जी पुष्प लता, अनूप कुजूर, रूपम दास, महुआ पाल, स्वाती प्रिया, राहुल निषाद, दर्शिता रावत, आशीष कुमार यादव, सत्यव्रत सिंह तथा सांचिली वर्मा आदि शोध छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत सारांश का व्याख्यान दिया गया। संगोष्ठी में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के संयुक्त तत्त्वाधान में हिंदी पखवाड़ा के अन्तर्गत 'प्रकृति, पर्यावरण एवं वन' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि आचार्य सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा मंचासीन गणमान्यों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि वैज्ञानिक अनुसंधान को जन सामान्य तक पहुँचाना आवश्यक है, जिसके लिए हिंदी उपयुक्त माध्यम है। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अधिशासी सचिव डॉ. सन्तोष शुक्ला ने उद्बोधन में अकादमी के द्वारा विज्ञान प्रसार के कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया गया। विशिष्ट अतिथि अजय कुमार चौधरी, सहायक निदेशक, राजभाषा, भारत सरकार, गाजियाबाद ने कार्यालय

में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि आचार्य सत्यकाम ने हिंदी माध्यम से आयोजित कार्यक्रम की सराहना की तथा अपने उद्बोधन में कहा कि विज्ञान की भाषा को विभिन्न लोक भाषाओं से शब्द आत्मसात करके सरलीकृत करने से ही लाभ होगा। उन्होने कहा कि यदि आपका संस्थान विज्ञान के क्षेत्र में किसी प्रकार की अध्ययन सामग्री तैयार करने का इच्छुक हो, जो विद्यार्थियों के हित में हो तो इसे विश्वविद्यालय के सर्टिफिकेट कोर्स में सम्मिलित किया जा सकता है। केन्द्र द्वारा प्रकाशित यथा-वृक्षारोपण तकनीक, कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु-चन्दन, कृषिवानिकी में उपयोगी मीलिया डूबिया, कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु-सहजन की खेती तथा समृद्धि का सतत साधन-महोगनी के साथ कृषिवानिकी प्रजातियाँ एवं प्रबन्धन विषय पर आधारित अनुसंधान पुस्तिका का विमोचन किया गया।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. धनंजय चोपड़ा, मीडिया एवं सम्पर्क विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा बदलती दुनिया, बदलती प्रकृति और जन-जागरूकता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाषा की गतिशीलता को रोकने का प्रयास न किया जाए। प्रथम तकनीकी सत्र में आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. उमेश कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा कृषि और मानव स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव विषय पर तथा डॉ. शैलेन्द्र राय, प्रोफेसर, के. बनर्जी, वायुमण्डलीय महासागर अध्ययन केन्द्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के द्वारा भारतीय ग्रीष्म कालीन मानसून भविष्यवाणी की चुनौतियां और सम्भावनाएं विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। तकनीकी व्याख्यान में डॉ. मृदुला त्रिपाठी, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज तथा डॉ. पूनम शुक्ला, सहा. प्रोफेसर, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय के साथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. अश्वनी कुमार, एसो. प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा डॉ. सत्येन्द्र नाथ, एसो. प्रोफेसर, वानिकी महाविद्यालय, शुआट्स द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। तकनीकी व्याख्यान में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव एवं डॉ अनुभा श्रीवास्तव के साथ प्रेम कुमार पटेल, डॉ. आदिनाथ, प्रोफेसर, नेहरू ग्राम भारती समविश्वविद्यालय, डॉ. पंकज श्रीवास्तव, सहा. प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अन्तिम सत्र में विद्यार्थियों यथा उज्जी पुष्प लता, अनूप कुजूर, रूपम दास, महुआ पाल, स्वाती प्रिया, राहुल निषाद, दर्शिता रावत, आशीष कुमार यादव, सत्यव्रत सिंह तथा सांचिली वर्मा आदि शोध छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत सारांश का व्याख्यान दिया गया। संगोष्ठी में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

विज्ञान भाषा को विभिन्न लोक भाषाओं से आत्मसात करने से लाभ : आचार्य सत्यकाम

प्रकृति, पर्यावरण एवं वन विषय पर राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज(हि.स.)। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत शुक्रवार को -प्रकृति, पर्यावरण एवं वन- विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने कहा कि विज्ञान की भाषा को विभिन्न लोक भाषाओं से शब्द आत्मसात करके सरलीकृत करने से ही लाभ होगा।

मुख्य अतिथि आचार्य सत्यकाम ने हिन्दी माध्यम से आयोजित कार्यक्रम की सराहना की तथा कहा यदि आपका संस्थान विज्ञान के क्षेत्र में किसी प्रकार की अध्ययन सामग्री तैयार करने का इच्छुक हो, जो विद्यार्थियों के हित में हो तो इसे विश्वविद्यालय के सर्टिफिकेट कोर्स में सम्मिलित किया जा सकता है।

मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय, मीडिया एवं सम्पर्क विभाग के प्रो.धनंजय चोपड़ा ने बदलती दुनिया, बदलती प्रकृति और जन-जागरूकता पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाषा की गतिशीलता को रोकने का प्रयास न किया जाए।

केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान को जन सामान्य तक पहुंचाना आवश्यक है। जिसके लिए हिन्दी उपयुक्त माध्यम है। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अधिशासी सचिव डॉ.सन्तोष शुक्ला ने अकादमी द्वारा विज्ञान प्रसार के कार्यों का उल्लेख किया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि अजय कुमार चौधरी सहायक निदेशक राजभाषा, भारत सरकार, गाजियाबाद ने कार्यालय में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने का आह्वान किया।

डॉ.उमेश कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा कृषि और मानव स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव विषय पर तथा डॉ.शैलेन्द्र राय, प्रोफेसर के. बनर्जी, वायुमण्डलीय महासागर अध्ययन केन्द्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय ग्रीष्म कालीन मानसून भविष्यवाणी की चुनौतियां और सम्भावनाएं विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। तकनीकी व्याख्यान में डॉ. मृदुला त्रिपाठी, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज तथा डॉ. पूनम शुक्ला, सहा. प्रोफेसर, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय के साथ केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, वनस्पति विज्ञान विभाग के एसो. प्रोफेसर डॉ.अश्वनी कुमार तथा शुआट्स वानिकी महाविद्यालय के एसो. प्रोफेसर डॉ. सत्येन्द्र नाथ ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। तकनीकी व्याख्यान में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव एवं डॉ अनुभा श्रीवास्तव के साथ प्रेम कुमार पटेल, डॉ. आदिनाथ, ने भी विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर केन्द्र द्वारा प्रकाशित वृक्षारोपण तकनीक, कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु चन्दन, कृषिवानिकी में उपयोगी मीलिया डूबिया, कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सहजन की खेती तथा महोगनी के साथ कृषि वानिकी प्रजातियां एवं प्रबन्धन विषय पर आधारित अनुसंधान पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.अनीता तोमर ने किया।

एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

बीके यादव/बालजी दैनिक

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के संयुक्त तत्वाधान में हिंदी पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 27.09.2024 को प्रकृति, पर्यावरण एवं वन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि आचार्य सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा मंचासीन गणमान्यों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि वैज्ञानिक अनुसंधान को जन सामान्य तक पहुंचाना आवश्यक है

जिसके लिए हिंदी उपयुक्त माध्यम है। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अधिशासी सचिव डॉ. सन्तोष शुक्ला ने उद्बोधन में अकादमी के द्वारा विज्ञान प्रसार के कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया गया। विशिष्ट अतिथि अजय कुमार चौधरी, सहायक निदेशक, राजभाषा, भारत सरकार, गाजियाबाद ने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि आचार्य सत्यकाम ने हिंदी माध्यम से आयोजित कार्यक्रम की सराहना की तथा अपने उद्बोधन में कहा कि विज्ञान की भाषा को विभिन्न लोक भाषाओं से शब्द आत्मसात करके सरलीकृत करने से ही लाभ होगा। उन्होंने कहा कि यदि आपका संस्थान विज्ञान के क्षेत्र में किसी प्रकार की अध्ययन सामग्री तैयार करने का इच्छुक हो, जो विद्यार्थियों के हित में हो तो इसे विश्वविद्यालय के सर्टिफिकेट कोर्स में सम्मिलित किया जा सकता है।

केन्द्र द्वारा प्रकाशित यथा-वृक्षारोपण तकनीक, कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु-चन्दन, कृषिवानिकी में उपयोगी मीलिया डूबिया, कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु-सहजन की खेती तथा समृद्धि का सतत साधन-महोगनी के साथ कृषिवानिकी प्रजातियाँ एवं प्रबन्धन विषय पर आधारित अनुसंधान पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. धनंजय चोपड़ा, मीडिया एवं सम्पर्क विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा बदलती दुनिया, बदलती प्रकृति और जन-जागरूकता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाषा की गतिशीलता को रोकने का प्रयास न किया जाए। प्रथम तकनीकी सत्र में आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. उमेश कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा कृषि और मानव स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव विषय पर तथा डॉ. शैलेन्द्र राय, प्रोफेसर, के. बनर्जी, वायुमण्डलीय महासागर अध्ययन केन्द्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के द्वारा भारतीय ग्रीष्म कालीन मानसून भविष्यवाणी की चुनौतियां और सम्भावनाएं विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। तकनीकी व्याख्यान में डॉ. मृदुला त्रिपाठी, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज तथा डॉ. पूनम शुक्ला, सहा. प्रोफेसर, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय के साथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. अश्वनी कुमार, एसो. प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा डॉ. सत्येन्द्र नाथ, एसो. प्रोफेसर, वानिकी महाविद्यालय, शुआट्स द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। तकनीकी व्याख्यान में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव एवं डॉ अनुभा श्रीवास्तव के साथ प्रेम कुमार पटेल, डॉ. आदिनाथ, प्रोफेसर, नेहरू ग्राम भारती समविश्वविद्यालय, डॉ. पंकज श्रीवास्तव, सहा. प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अन्तिम सत्र में विद्यार्थियों यथा उज्जी पुष्प लता, अनूप कुजूर, रूपम दास, महुआ पाल, स्वाती प्रिया, राहुल निषाद, दर्शिता रावत, आशीष कुमार यादव, सत्यव्रत सिंह तथा सांचिली वर्मा आदि शोध छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत सारांश का व्याख्यान दिया गया। संगोष्ठी में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन संपन्न

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के संयुक्त तत्त्वाधान में हिंदी पखवाड़ा के अन्तर्गत शुक्रवार को "प्रकृति, पर्यावरण एवं वन" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि आचार्य सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा मंचासीन गणमान्यों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि वैज्ञानिक अनुसंधान को जन सामान्य तक पहुँचाना आवश्यक है, जिसके लिए हिंदी उपयुक्त माध्यम है। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अधिशासी सचिव डॉ. सन्तोष शुक्ला ने उद्बोधन में अकादमी के द्वारा विज्ञान प्रसार के कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया गया। विशिष्ट अतिथि अजय कुमार चौधरी, सहायक निदेशक, राजभाषा, भारत सरकार, गाजियाबाद ने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि आचार्य सत्यकाम ने हिंदी माध्यम से आयोजित कार्यक्रम की सराहना की तथा अपने उद्बोधन में कहा कि विज्ञान की भाषा को विभिन्न लोक भाषाओं से शब्द आत्मसात करके सरलीकृत करने से ही लाभ होगा। उन्होने कहा कि यदि आपका संस्थान विज्ञान के क्षेत्र में किसी प्रकार की अध्ययन सामग्री तैयार करने का इच्छुक हो, जो विद्यार्थियों के हित में हो तो इसे विश्वविद्यालय के सर्टिफिकेट कोर्स में सम्मिलित किया जा सकता है। केन्द्र द्वारा प्रकाशित यथा-वृक्षारोपण तकनीक, कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु-चन्दन, कृषिवानिकी में उपयोगी मीलिया डूबिया, कृषकों की आर्थिक

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि

समृद्धि हेतु-सहजन की खेती तथा समृद्धि का सतत साधन-महोगनी के साथ कृषिवानिकी प्रजातियाँ एवं प्रबन्धन विषय पर आधारित अनुसंधान पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. धनंजय चोपड़ा, मीडिया एवं सम्पर्क विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा बदलती दुनिया, बदलती प्रकृति और जन-जागरूकता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाषा की गतिशीलता को रोकने का प्रयास न किया जाए। प्रथम तकनीकी सत्र में आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. उमेश कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा कृषि और मानव स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव विषय पर तथा डॉ. शैलेन्द्र राय, प्रोफेसर, के. बनर्जी, वायुमण्डलीय महासागर अध्ययन केन्द्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के द्वारा भारतीय ग्रीष्म कालीन मानसून भविष्यवाणी की चुनौतियां और सम्भावनाएं विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। तकनीकी व्याख्यान में डॉ. मृदुला त्रिपाठी, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज तथा डॉ. पूनम शुक्ला, सहा. प्रोफेसर, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय के साथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. अश्वनी कुमार, एसो. प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा डॉ. सत्येन्द्र नाथ, एसो. प्रोफेसर, वानिकी महाविद्यालय, शुआट्स द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। तकनीकी व्याख्यान में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव एवं डॉ अनुभा श्रीवास्तव के साथ प्रेम कुमार पटेल, डॉ. आदिनाथ, प्रोफेसर, नेहरू ग्राम भारती समविश्वविद्यालय, डॉ. पंकज श्रीवास्तव, सहा. प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अन्तिम सत्र में विद्यार्थियों यथा उज्जी पुष्प लता, अनूप कुजूर, रूपम दास, महुआ पाल, स्वाती प्रिया, राहुल निषाद, दर्शिता रावत, आशीष कुमार यादव, सत्यव्रत सिंह तथा सांचिली वर्मा आदि शोध छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत सारांश का व्याख्यान दिया गया। संगोष्ठी में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
शनिवार

आप तैयार करें अध्ययन सामग्री शुरू करेंगे कोर्स : प्रो. सत्यकाम

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। विज्ञान के क्षेत्र में वन अनुसंधान केंद्र का हिंदी भाषा में प्रयोग बहुत ही सराहनीय है। अगर यह संस्थान विज्ञान के क्षेत्र में कोई अध्ययन सामग्री तैयार करे तो राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इस पर छात्र हित में कोर्स भी चला सकता है। यह बातें राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहीं। कुलपति शुक्रवार को वन अनुसंधान केंद्र, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की ओर से हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के अवसर पर आयोजित 'प्रकृति, पर्यावरण और वन' विषय पर गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाषा को विभिन्न लोक भाषाओं से शब्द आत्मसात करके सरलीकृत करने से ही लाभ होगा। इस दौरान केंद्र की ओर से पौधरोपण तकनीक, कृषकों की आर्थिक समृद्धि के लिए चंदन, कृषिवानिकी में उपयोगी

वन अनुसंधान केंद्र में शुक्रवार को गोष्ठी का शुभारंभ करते अतिथि। • हिन्दुस्तान

मीलिया डूबिया, सहजन की खेती व महोगनी के साथ कृषिवानिकी प्रजातियां व प्रबंधन विषय पर आधारित अनुसंधान पुस्तिका का विमोचन किया गया। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अधिशासी सचिव डॉ. सन्तोष शुक्ला ने अकादमी के विज्ञान प्रसार के कार्यों का उल्लेख किया। आयोजन सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की जानकारी दी। मुख्य वक्ता प्रो. धनंजय चोपड़ा ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रथम तकनीकी में डॉ. उमेश कुमार सिंह, डॉ. शैलेंद्र राय, प्रो. के. बनर्जी, डॉ. मृदुला त्रिपाठी, डॉ. पूनम शुक्ला, डॉ. कुमुद दूबे आदि ने विचार रखे। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने धन्यवाद दिया।

Seminar held under Indian Forestry Research and National Science Academy

SANYAM BHARAT CORRESPONDENT

Prayagraj: Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhayya) University, Prayagraj Vice Chancellor Dr. Akhilesh Kumar Singh, Registrar Sanjay Kumar, Agriculture Faculty Coordinator, Prof. Under the guidance of Rajkumar Gupta, on behalf of the Faculty of Agriculture, teacher Dr. Anuj Kumar Mishra along with a group of B.S.Agriculture and M.Sc.Agriculture students visder the joint aegis of "National Scientific Seminar" on 27/09/2024, representation in the seminar organized on the subject of Nature, Environment and Forest in the auditorium of National Science Academy, India, Prayagraj. Did ! The chief guest of the program was Prof. Satyakam, Vice Chancellor U.P. Rajshi Tandon Open University, Prayagraj and headed by Center Head Dr.

दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन सामाजिक समरसता से ओत-प्रोत- प्रोफेसर सिंह। - At Samachar

मुक्त विश्वविद्यालय चल रहा है दीनदयाल उपाध्याय के रास्तों पर- कुलपति टीएन शर्मा की रिपोर्ट प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन

atsamachar.in

दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन सामाजिक समरसता से ओत-प्रोत- प्रोफेसर सिंह।

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्वावधान में विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के 09 भिन्न–भिन्न ऑगनबाड़ियों में आज दिनांक 28 सितम्बर, 2024 को "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह–प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने सभी का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया कि माननीय प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत करते हुये कहा था कि "एक स्वच्छ भारत के द्वारा ही देश 2019 में महात्मा गॉधी की 150वीं जयंती पर अपनी सर्वोत्तम श्रद्धांजली दे सकते हैं।" इस प्रकार 02 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन देश भर में व्यापक तरीके से राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में शुरु किया गया। इसी क्रम में इस वर्ष भी 17 सितम्बर 2024 से 02 अक्टूबर 2024 "स्वच्छता ही सेवा" अभियान "स्वाभाव स्वच्छता–संस्कार स्वच्छता" की थीम के साथ मनाया जा रहा है।

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम में श्रीमती सीमा सत्यकाम, मुख्य अतिथि रहीं। प्रो. श्रुति ने मुख्य अतिथि को कार्यक्रम के क्रियान्वयन से अवगत कराते हुए बताया कि यह कार्यक्रम 09 अलग–अलग ऑगनवाड़ियों में एक साथ संचालित होगा जिसके लिए केन्द्र के सदस्यों को तीन अलग–अलग समूहो में बॉटा गया है। प्रथम समूह में, प्रो. श्रुति, डॉ. दीपा चौबे, श्री राजेश गौतम, डॉ. अनिल कुमार यादव, श्री अंकित मिश्रा, श्री अमित शर्मा, द्वितीय समूह में डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. अब्दुल रहमान, श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री मनीष यादव तथा तृतीय समूह में डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. दीपमाला गुप्ता, डॉ. सफीना सामवी, श्री अनूप कुमार तथा श्री संतोष हैं। प्रथम समूह ऑगनवाड़ी केन्द्र संख्या 02,04 एवं 08, द्वितीय समूह 03, 05 एवं 06 तथा तृतीय समूह केन्द्र संख्या 01,07 एवं 09 में कार्यक्रम को संचालित करेगें।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्वंय प्रथम समूह के साथ ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त किया तथा उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हे आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभो के बारे में अवगत कराया। डॉ. दीपा चौबे ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ–सफाई आदि के बारे में जागरुक करते

हुए बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ–सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की।

कार्यक्रम संयोजक प्रो0 श्रुति प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने ऑगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।

द्वितीय समूह के सदस्यों ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त करते हुए उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हे आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभो के बारे में अवगत कराया। डॉ. धर्मवीर सिंह ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ–सफाई आदि के बारे में जागरुक करते हुए बताया कि बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ–सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। द्वितीय समूह के नेतृत्व कर्ता सह प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. आनन्दानंद त्रिपाठी ने ऑगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।

तृतीय समूह के सदस्यों ने भी ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त करते हुए उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हे आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभो के बारे में अवगत कराया। डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ–सफाई आदि के बारे में जागरुक करते हुए बताया कि बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ–सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। तृतीय समूह के नेतृत्व कर्ता सहायक प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने ऑगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके

धन्यवाद् ज्ञापन के उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, श्रीमती सीमा सत्यकाम, कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर श्रुति, प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, सह प्रभारी डॉ. आन्नदानंद त्रिपाठी, सहायक प्रभारी डॉ. साधना श्रीवास्तव एवं डॉ. त्रिविक्रम तिवारी तथा सदस्य श्री राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. दीपा चौबे, डॉ. दीपमाला गुप्ता, तथा कार्यक्रम सहयोगी श्री अंकित मिश्रा, श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री अनूप कुमार, श्री अमित शर्मा, श्री मनीष यादव व श्री संतोष कुमार के साथ साथ समस्त आँगनवाड़ियों की कार्यकत्रियों, श्रीमती विमलेश मिश्रा, मीरा पाल, कंचन गुप्ता, सविता देवी, सुनीता पाण्डेय, विद्यादेवी, मीरा पाण्डेय, प्रियंका पाण्डेय तथा सविता मौर्या एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शान्ति देवी, मंजू पाल, सन्नो देवी, मालती देवी, सविता दुबे तथा ग्रामीण अंचल की महिलायें एवं बच्चें उपस्थित रहे। उपरोक्त कार्यक्रम में सभी ने पूर्ण मनोयोग से स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभायी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में कुलसचिव श्री विनय कुमार, वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा एवं विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गॉव गोहरी के निदेशक प्रो0 आशुतोष गुप्ता का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के बीच स्वच्छता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से ऑगनबाड़ी में आयोजित किया गया।

29 सितम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय में आंगनबाड़ी कार्यकत्री को प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया गया

के 80 से अधिक से आंगनबाड़ी केन्द्र से आई हुई कार्यकत्री को विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की गई एवम उनको प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया गया।

मुक्त चिन्तन

29 सितम्बर, 2024

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अन्तर्गत मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा धार्मिक स्थानों में स्वच्छता अभियान

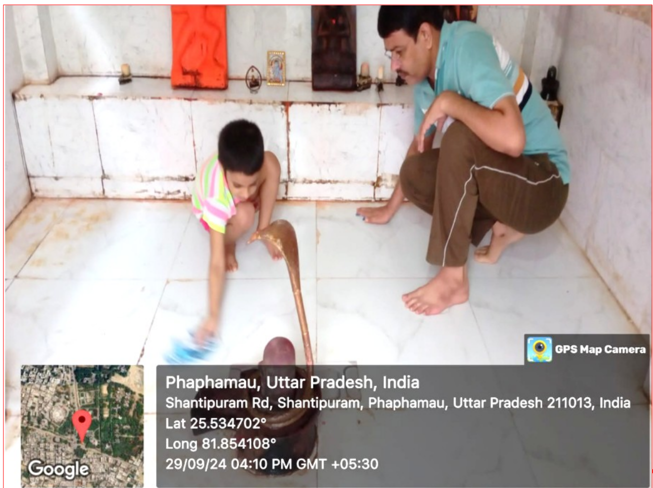

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत दिनांक 29 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निदेश पर समस्त शिक्षक एवं कर्मचारियों ने अपने आवासीय परिसर के आस–पास परिवार के साथ धार्मिक स्थान की सफाई की।

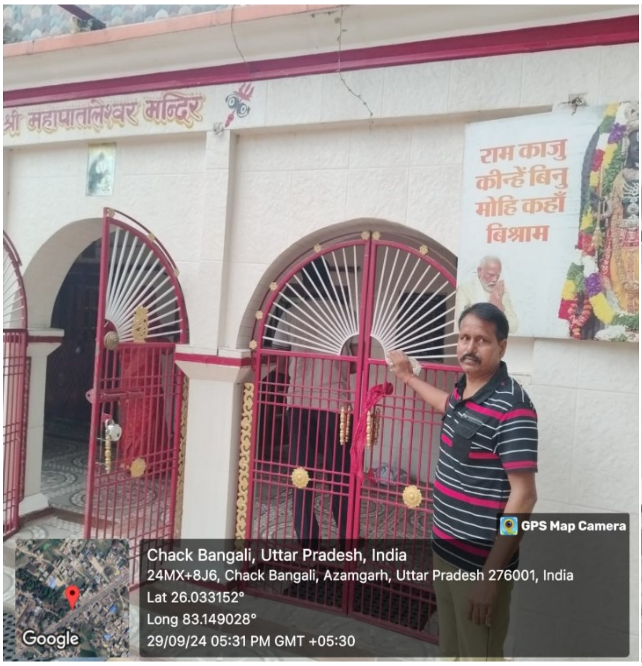
श्री महापातालेश्वर मन्दिर
राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहाँ बिश्राम
GPS Map Camera
Chack Bangali, Uttar Pradesh, India
24MX+8J6, Chack Bangali, Azamgarh, Uttar Pradesh 276001, India
Lat 26.033152°
Long 83.149028°
29/09/24 05:31 PM GMT +05:30
Google

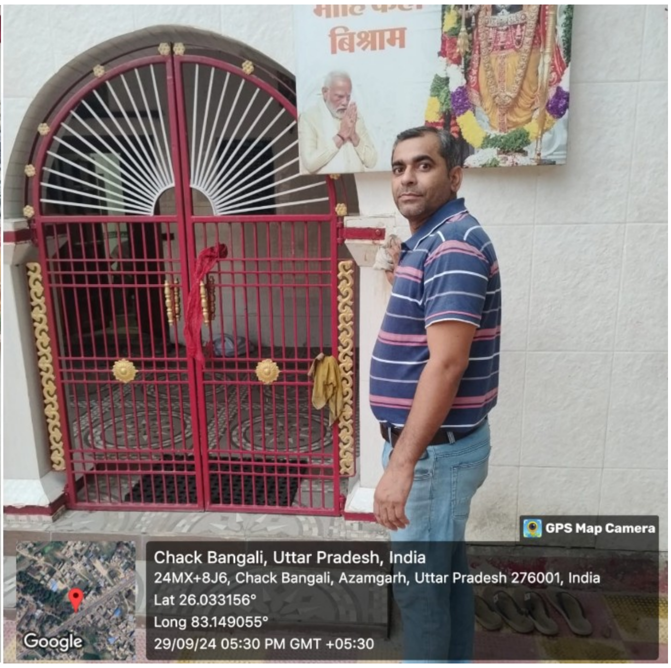
बिश्राम
GPS Map Camera
Chack Bangali, Uttar Pradesh, India
24MX+8J6, Chack Bangali, Azamgarh, Uttar Pradesh 276001, India
Lat 26.033156°
Long 83.149055°
29/09/24 05:30 PM GMT +05:30
Google

जय माता दी

GPS Map Camera
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
GVJ6+HGP, Shantipuram, Phaphamau, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.53158°
Long 81.861287°
29/09/24 06:00 PM GMT +05:30
Google

जय माता

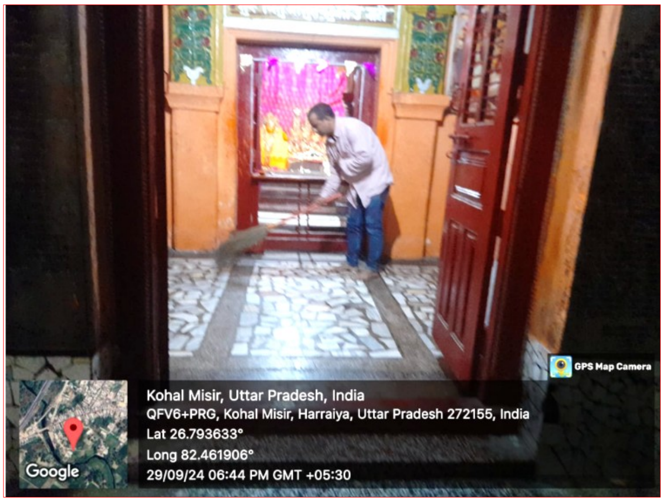
GPS Map Camera
Kohal Misir, Uttar Pradesh, India
QFV6+PRG, Kohal Misir, Harraiya, Uttar Pradesh 272155, India
Lat 26.793633°
Long 82.461906°
29/09/24 06:44 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Kohal Misir, Uttar Pradesh, India
QFV6+PRG, Kohal Misir, Harraiya, Uttar Pradesh 272155, India
Lat 26.793633°
Long 82.461906°
29/09/24 06:45 PM GMT +05:30
Google

30 सितम्बर, 2024

मुक्त चिन्तन

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अन्तर्गत मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विद्यालयों में जाकर वहाँ के बच्चों को जागरुक करते हुए सफाई की गई

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत दिनांक 30 सितम्बर, 2024 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के निदेश पर शिक्षा विद्याशाखा एवं समस्त क्षेत्रीय केन्द्र अपने निकटस्त किसी एक विद्यालय में जाकर वहाँ के बच्चों को जागरुक करते हुए सफाई की।

दिनांक 30/09/2024 को स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के अंतर्गत शिक्षा विद्याशाखा , उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा रुद्र प्रयाग स्कूल में निदेशक प्रो. पी .के. स्टालिन के निर्देशन में शिक्षा विद्याशाखा के शिक्षक डॉ नीता मिश्रा, डॉ संजय सिंह, डॉ शैलेन्द्र कुमार, श्रीमती कौमुदी शुक्ला एवं रामानंद यादव के सहयोग से स्वच्छता कार्य किया गया। इसके साथ ही विद्यालय के विद्यार्थियों से स्वच्छता संबंधी जागरूकता के संबंध में चर्चा भी की गई। कार्यक्रम के अंत में डॉ संजय सिंह द्वारा विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकों एवं बच्चों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

दिनांक 30 सितंबर 2024 को 'स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान' के अनुक्रम में क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ द्वारा ज्ञान सरोवर विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस विद्यालय में छोटे–छोटे बच्चे बहुत ही उत्साहित नजर आ रहे थे। कक्षा 3, 4 और 5 के छात्र–छात्राओं, अंशिका, प्रतिष्ठा, आयुषी, कृष्णा, ने स्वच्छता पर अत्यंत ही सुंदर पोस्टर बनाए ।

कक्षा 4 के छात्र हंसराज व कक्षा 5 की छात्रा खुशबू गौतम ने हिंदी में स्वच्छता पर छोटा सा भाषण भी दिया। कक्षा चार के आलोक कुमार एवं कक्षा 5 के अदम्य राणा ने अंग्रेजी में स्वच्छता पर भाषण दिया। सभी बच्चों को स्वयं को साफ, परिवेश को ,घर को और स्कूल को कैसे साफ रखना है, इसके बारे में बहुत ही सरल शब्दों में जानकारी दी गई। सफाई को अपनी आदत में लाइए यह भी समझाया गया ।गांधी जी के ष्स्वच्छ भारत विकसित भारत ष्के सपने को साकार करने के लिए हमें स्वच्छता पर ध्यान देना है यह बच्चों को बताया गया। क्षेत्रीय कार्यालय से अश्वनी कुमार द्वारा स्वच्छता के स्लोगन लिखे हुए छोटे–छोटे पोस्टर विद्यालय ले कर गए थे। बच्चों को ग्लूकोज़ बिस्किट के पैकेट, साबुन व शैंपू के पैकेट वितरित किए गए। बच्चों के बीच आयोजित स्वच्छता के इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक श्री बी एस रावत जी ,प्रिंसिपल श्रीमती कमला कैथेट, शिक्षिकाओं ने अपनी सहभागिता दी एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण रूप से सहयोग किया।

स्वच्छता के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस स्वच्छता अभियान में कक्षा 1 से 12 तक के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वच्छता गीत (स्वच्छ शरीर स्वस्थ मन अपना सभ्य समाज बनाएंगे) गा कर स्वच्छता के लिए छात्र छात्राओं को प्रेरित किया। सहायक आचार्य श्री अमित सिंह जी ने बच्चो को शरीर और अपने आस पास के वातावरण को स्वच्छ बनाते हुए अपने को स्वस्थ और समाज को सभ्य बनाने के सूत्र बताए। सहायक आचार्य श्री अनुराग शुक्ला ने बच्चो को योग के विषय में बतलाया। क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के समन्वयक डॉ अभिषेक सिंह ने बच्चो को अपनी कक्षा, अपना विद्यालय के साथ अपने घर और गांव के आस पास के वातावरण को स्वच्छ बनाने के लिए छात्र छात्राओं को प्रेरित किया। जिस से इंटर कालेज के छात्र छात्राओं शिक्षक, शिक्षिकाओं ने वृहद स्तर पर विद्यालय में साफ सफाई की। इस अवसर पर इंटर कालेज के प्रबंधक श्री धन्यजय जी एवं इंटर कलेज के सभी शिक्षक शिक्षकों का इस स्वच्छता अभियान में विशेष सहयोग रहा।

UPRTOU क्षेत्रीय केंद्र झांसी (एस -1604)

स्वच्छता ही सेवा 2024 के अंतर्गत क्षेत्रीय केंद्र झांसी के द्वारा मरियम इंटर कॉलेज में सफाई अभियान चलाया गया

स्वच्छता ही सेवा 2024 के अंतर्गत क्षेत्रीय केंद्र आजमगढ के द्वारा सफाई अभियान चलाया गया

स्वच्छता ही सेवा 2024 के अंतर्गत क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के द्वारा प्राथमिक विद्यालय किदवई नगर और बर्रा के स्कूल में बच्चों को साफ सफाई के बारे मे बताया गया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या ने 'स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान' के तहत भीखापुर प्राथमिक विद्यालय, अयोध्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के साथ बच्चों को साफ–सफाई का महत्व समझाया गया और परिसर में साफ सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विद्यालय चक्का वाराणसी मैं छात्र–छात्राओं तथा शैक्षिक स्टाफ के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया गया! छात्र–छात्राओं को स्वच्छता के बारे में न केवल परिचय कराया गया अपितु स्वच्छता पर आधारित भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान पर सौम्या प्रजापति रही। कार्यक्रम में राजकीय हाई स्कूल के प्राचार्य अजीत प्रताप सिंह,वरिष्ठ शिक्षक महेंद्र पांडे,सीमा प्रजापति आदि ने अपना सक्रिय योगदान दिया।

स्वच्छता ही सेवा 2024 के अंतर्गत क्षेत्रीय केंद्र आगरा के द्वारा इंटर कॉलेज में मे सफाई अभियान चलाया गया।

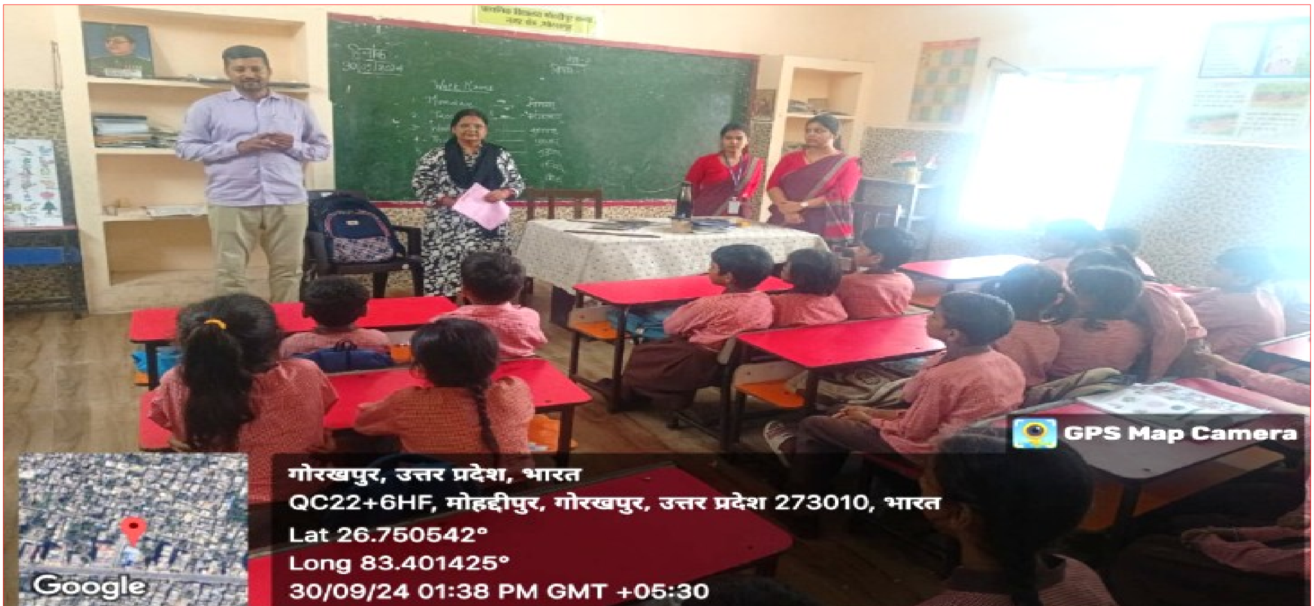

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा अभियान, 2024' के अंतर्गत दिनांक 30.09.2024 को प्राथमिक विद्यालय, मोहद्दीपुर, गोरखपुर में बच्चों को साफ–सफाई का महत्व बताया गया तथा विद्यालय परिसर की साफ–सफाई किया गया।

मुक्त विश्वविद्यालय में स्वंयप्रभा के जागरुकता कार्यक्रम सम्बन्धी कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 30 सितम्बर, 2024 को अपराहन 2:30 बजे विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में स्वंयप्रभा के जागरुकता कार्यक्रम सम्बन्धी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला की अध्यक्षता मा. कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। कार्यशाला का संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, सह संयोजक स्वयंप्रभा ने किया । प्रो० अजेन्द्र कुमार मलिक, संयोजक स्वयंप्रभा ने मा० कुलपति जी का स्वागत किया तथा डॉ. ज्योत्सना दीक्षित एंव डॉ. निराधार डे, इग्नू का स्वागत डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता तथा डॉ अभिषेक सिंह ने किया।
डॉ. ज्योत्सना दीक्षित ने स्वंयप्रभा के वीडियो लेक्चरों को प्रभावी बनाने के लिए मल्टीमिडिया का उपयोग करने तथा टेक्नीकल विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

डॉ. निराधर डे ने स्वयंप्रभा के वीडियो लेक्चरों की प्रसागिकता के पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की जिसमें उन्होंने बताया कि वीडियो लेक्चर विषय अनुरुप होने चाहिए एवम वीडियो लेक्चरों के समय की बाध्यता के बारे में चर्चा की। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा स्वयंप्रभा से सम्बन्धित जिज्ञासाओं का निराकरण इग्नू के विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया। डॉ. सी. के. सिहं, आयोजन सचिव ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया ।

U. P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ
Welcomes You To
Workshop on
SWAYAM PRABHA AWARENESS PROGRAME
(2:30 PM, 30 September 2024)
SPEAKERS
DR. JYOTSNA DIXIT, IGNOU
DR. NIRADHAR DEY, IGNOU
CHAIR PERSON
PROF. SATYAKAM
HON'BLE V. C.
UPRTOU
ORGANIZING SECRETARY
DR. C. K. SINGH
CO-ORGANIZING SECRETARY
DR. TRIVIKRAM TIWARI
DR. RAGHVENDRA SINGH
DR. SANTOSH KUMAR BHARTI
MS. SAUMYA TIWARI
COORDINATOR
PROF. A. K. MALIK
CO-COORDINATOR
DR. GYAN PRAKASH YADAV
Venue: Tilak Shastratha Sabhagar, Saraswati Parishar,
U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj (U.P.)

U. P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ
Welcomes You to
Workshop on
SWAYAM PRABHA AWARENESS PROGRAME
(2:30 PM, 30 September 2024)
(Chairman)
Prof. Satykam
Hon. Vice Chancellor, UPRTOU
Prayagraj
(Coordinator)
Prof. A. K. Malik
Nodal Officer, Swayam Prabha
UPRTOU, Prayagraj
Organized by
Swayam Prabha Committee, UPRTOU
www.uprtou.ac.in
Follow us :

GPS Map Camera
Korsand, Uttar Pradesh, India
Opposite RAF gate, GVQ2+3JP, no 2, Shantipuram Rd, Korsand, Phaphamau, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.538072°
Long 81.852785°
30/09/24 02:48 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Korsand, Uttar Pradesh, India
Opposite RAF gate, GVQ2+3JP, no 2, Shantipuram Rd, Korsand, Phaphamau, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.538177°
Long 81.852749°
30/09/24 03:04 PM GMT +05:30
Google

U. P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ
Welcomes You to
Workshop on
SWAYAM PRABHA AWARENESS PROGRAME
(2:30 PM, 30 September 2024)
(Invited Speaker)
Dr. Jyotsna Dixit
IGNOU
New Delhi
(Member, Swayam Prabha)
Dr. Dinesh Kumar Gupta
School of Sciences
UPRTOU, Prayagraj
Organized by
Swayam Prabha Committee, UPRTOU
www.uprtou.ac.in
Follow us :

U. P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ
Welcomes You to
Workshop on
SWAYAM PRABHA AWARENESS PROGRAME
(2:30 PM, 30 September 2024)
(Invited Speaker)
Dr. Niradhar Dey
IGNOU
New Delhi
(Member, Swayam Prabha)
Dr. Abhishek Singh
School of Social Sciences
UPRTOU, Prayagraj
Organized by
Swayam Prabha Committee, UPRTOU
www.uprtou.ac.in
Follow us :

GPS Map Camera
Korsand, Uttar Pradesh, India
Opposite RAF gate, GVQ2+3JP, no 2, Shantipuram Rd, Korsand, Phaphamau, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.53813°
Long 81.852744°
30/09/24 02:35 PM GMT +05:30
Google